1 इतिहास

आदम से नूह तक परिवारिक इतिहास

1-3 आदम, शेत, एनोश, केनान, महललेल, येरेद, हलोक,
मतूशेलह, लेमेक, नूह।*

4 नूह के पुत्र शेम, हाम और येपेत थे।

येपेत के वंशज

5 येपेत के पुत्र गोमेर, मागोग, मादै, यावान, तूबल, मेशेक और तीरास थे।
6 गोमेर के पुत्र अशकनज, दीपत और तोगर्मा थे।
7 यावान के पुत्र एलीशा, तर्शीश, कित्ती और रोदानी थे।

हाम के वंशज

8 हाम के पुत्र कूश (मिस्रम), पूत और कनान थे।
9 कूश के पुत्र सबा, हबीला, सबात, रामा और सब्तका थे। रामा के पुत्र शबा और ददान थे।
10 कूश का वंशज निम्रोद संसार में सर्वाधिक शक्तिशाली वीर योद्धा हुआ।
11 मिस्र लूदी, अनामी, लहावी, नप्तही,
12 पत्रूसी, कसलूही और कप्तोरी का पिता था। (पलिश्ती के लोग कसलूही के वंशज थे।)
13 कनान सीदोन का पिता था। सीदोन उसका प्रथम पुत्र था।
कनान, हित्तियों,
14 यबूसी, एमोरी, गिर्गाशी, के लोगों का भी

* **1:1-3:** आदम ... नूह नामों की तालिका में एक व्यक्ति और उसके वंशजों के नाम हैं।

पिता था। 15 हिव्वी, अकर्, सीनी, 16 अर्वदी, समारी और
हमाती के लोगों का भी पिता था।

शेम के वंशज

17 शेम के पुत्र एलाम, अश्शूर, अर्पक्षद, लूद और अराम थे। अराम
के पुत्र ऊस, हुल, गेतेर और मेशेक थे। 18 अर्क्षद शेलह का
पिता था। शेलह एबेर का पिता था।
19 एबेर के दो पुत्र थे। एक पुत्र का नाम पेलेग था, क्योंकि
पृथ्वी के मनुष्य उसके जीवनकाल में कई भाषाओं में बटे
थे। पेलेग के भाई का नाम योक्तान था। 20 (योक्तान से पैदा
हुये अल्मोदाद, शुलेप, हसर्मावेत, येरह, 21 हदोराम, ऊजाल,
दिक्ला, 22 एबाल, अबीमाएल, शबा, 23 ओपीर, हवीला, और
योबाब, ये सब योक्तान की सन्तान थे।)

24 शेम के वंशजः अर्पक्षद, शेलह, 25 एबेर, पेलेग, रू, 26 सरूग,
नाहोर, तेरह 27 और अब्राम (अब्राम को इब्राहीम भी कहा
जाता है।)

इब्राहीम का परिवार

28 इब्राहीम के पुत्रक इसहाक और इश्माएल थे। 29 ये इसके
वंशज हैः
इश्माएल का प्रथम पुत्र नबायोत था। इश्माएल के अन्य पुत्र
केदार, अदवेल, मिबासम, 30 मिश्मा, दूमा, मस्सा, हदद, तेमा,
31 यतूर, नापीस और केदमा थे। वे इश्माएल के पुत्र थे।

32 कतूरा इब्राहीम की रखैल थी। उसने जिम्रान, योक्षान, मदान,
मिद्यान, यिशबाक और शूह को जन्म दिया। योक्षान के पूत्र
शबा और ददान थे।
33 मिद्यान के पूत एपा, एपेर, हनोक, अहीदा और एलदा थे। ये
सभी कतुरा के पूत थे।

इसहाक के वंशज

34 इब्राहीम इसहाक का पिता था। इसहाक के पुत्र एसाव और
इस्राएल थे।
35 एसाव के पुत्र एलीपज, रूएल, यूश, यालाम और कोरह थे।
36 एलीपज के पुत्र तेमान, ओमार, सपी, गाताम और कनज थे।
एलीप और तिम्ना का पुत्र अमालेक नाम का था।
37 रूएल के पुत्र नहत, जेरह, शम्मा और मिज्जा थे।

सेईर के एदोमी

38 सेईर के पुत्र लोतान, शोबाल, सिबोन, अना, दीशोन, एसेर और
दीशान थे।
39 लोतान के पुत्र होरी और होमाम थे। लोतान की एक बहन
तिम्ना नाम की थी।
40 शोबाल के पुत्र अल्यान, मानहत, एबाल, शपी और ओनाम थे।
सिबोन के पुत्र अय्या और अना थे।
41 अना का पुत्र दीशोन था। दीशन के पुत्र हम्रान, एशबान, यित्रान
और करान थे।
42 एसेर के पुत्र बिल्हान, जावान और याकान थे। दीशोन के पुत्र
ऊस और अरान थे।

एदोम के राजा

43 इस्राएल में राजोओं के होने के बहुत पहले एदोम में राजा थे।
एदोम के राजाओं के नाम ये है:
उनके नाम थेः बोर का पुत्र बेला। बेला के नगर का नाम दिन्हाबा
था।
44 जब बेला मरा, तब जेरह का पुत्र योबाब नया राजा बना।
योबाब बोस्रा का था।
45 जब योबाबा मरा, हुशाम नया राजा हुआ। हुशाम तेमनी लोगों
के देश का था।

46 जब हूशाम मरा, बदद का पुत्र हदद नया राजा बना। हदद ने
मिद्यानियों को मोआब देश में हराया। हदद के नगर का नाम
अवीत था।
47 जब हदद मरा, सम्ला नया राजा हुआ। सम्ला मस्रेकाई का था।
48 जब सम्ला मरा, शाऊल नया राजा बना। शाऊल महानद के
किनारे के रहोबोत का था।
49 जब शाऊल मरा, अकबोर का पुत्र बाल्हानान नया राजा हूआ।
50 जब बाल्हानान मरा, हदद नया राजा बना। हदद के नगर का
नाम पाई था। हदद की पत्नी का नाम महेतबेल था। महेतबेल
मत्रेद की पुत्री थी। मत्रेद, मेज़ाहाब की पुत्री थी। 51 तब हदद
मरा।

एदोम के प्रमुख तिम्ना, अल्या, यतेत, 52 ओहोलीवामा, एला
पीनोन, 53 कनज, तेमान, मिबसार, 54 मग्दीएल और ईराम थे।
यह एदोम के प्रमुखों की एक सूची है।

2

इस्राएल के पुत्र

1 इस्राएल के पुत्र रूबेन, शिमोन, लेवी, यहूदा, इस्साकार, जबूलून,
2 दान, यूसुफ, बिन्यामीन, नप्ताली, गाद और आशेर थे।

यहूदा के वंशज

3 यहूदा के पुत्र एर, ओनान और शेला थे। बतशू उनकी माँ थी।
बतशू कनान की स्त्री थी। यहोवा ने देखा कि यहूदा का प्रथम
पुत्र एर बुरा है। यही कारण था कि यहोवा ने उसे मार डाला।
4 यहूदा की पुत्रवधू तामार ने पेरेश और जेरह* को जन्म दिया।
इस प्रकार यहूदा के पाँच पुत्र थे।
5 पेरेस के पुत्र के हेस्रोन और हामूल थे।

* **2:4:** यहूदा … जेरह यहूदा ने अपनी पुत्रवधू तामार के साथ शारीरिक सम्बन्ध किया और उसे गर्भवती किया। देखें उत्पति 38:12-30

6 जरह के पाँच पुत्र थे। वे जिम्री, एतान, हेमान कलकोल और दारा थे।
7 जिम्री का पुत्र कर्मी था। कर्मी का पुत्र आकान था। आकान वह व्यक्ति था जिसने युद्ध में मिली चीजें रख ली थीं। उससे आशा थी कि वह उन सभी चीजों को परमेश्वर को देगा।
8 एतान का पुत्र अजर्याह था
9 हेस्रोन के पुत्र यरहोल राम और कलूबै थे।

राम के वंशज

10 राम अम्मीनादाब का पिता था और अम्मीनादाब नहशोन का
पिता था। नहशोन यहूदा के लोगों का प्रमुख था।† 11 नहशोन
सल्मा का पिता था। सलल्मा बोअज़ का पिता था। 12 बोअज़
ओबेद यिशै का प्रथम पुत्र था। 13 यिशै एलीआब का पिता
था। एलीआब यिशै का प्रथम पूत था। यिशै का दूसरा पूत
अबीनादब था उसका तीसरा पूत शिमा था। 14 नतनेल यिशै
का चौथा पुत्र था। यिशौ का पाँचवाँ पुत्र रद्दैं था। 15 ओसेम
यिशै का छठा पुत्र था और दाऊद उसका सातवाँ पुत्र था।
16 उनकी बहनें सरूयाह और अबीगैल थीं। सरुयाह के तीन
पुत्र अबीशै, योआब और असाहेल थे। 17 अबीगैल अमासा
की माँ थी। अमासा का पिता येतेर था। येतेर इश्माएली लोगों
में से था।

कालेब के वंशज

18 कालेब हेस्रोन का पुत्र था। कालेब की पत्नी अजूबा से सन्ताने
हुई। अजूबा यरीओत‡ की पुत्री थी। अजूबा के पुत्र येशेर
शोबाब, और अर्दोन थे। 19 जब अजूबा मरी, कालेब ने एप्रात
से विवाह किया। कालेब और एप्रात का एक पुत्र था। उन्होंने

† **2:10:** नहशोन … था नहशोन यहूदा के परिवार समुह का उस समय प्रमुख था जब इस्राएल के लोग मिस्र से बाहर आए थे। देखें गिनती 1:7; 2:3; 7:12 ‡ **2:18:** कालेब … यरीओत या “कालेब की सन्तानें उसकी पत्नी अजुबा और यरीओत से हुई।”

उसका नाम हूर रखा। 20 हूर ऊरी का पिता था। ऊरी बसलेल
का पिता था।
21 बाद में, जब हेस्रोन साठ वर्ष का हो गया, उसने माकीर की
पुत्री से विवाह किया। माकीर गिलाद का पिता था। हेस्रोन ने
माकीर की पुत्री के साथ शारीरिक सम्बन्ध किया और उसने
सगूब को जन्म दिया। 22 सगूब याईर का पिता था। याईर के
पास गिलाद देश में तेईस नगर थे। 23 किन्तु गशूर और अराम
ने याईर के गाँवों को लिया। उनके बीच कनत और इसके
चारों ओर के छोटे नगर थे। सब मिलाकर साठ छोटे नगर
थे। ये सभी नगर गिलाद के पिता माकीर, के पुत्रों के थे।
24 हेस्रोन, एप्राता के कालेब नगर में मरा। जब वह मर गया,
उसकी पत्नी अबिय्याह ने उसेक पुत्र को जन्म दिया। पुत्र का
नाम अशहूर था। अशूहर तको का पिता था।

यरहोल की वंशज

25 यरहोल हेस्रोन का प्रथम पुत्र था। यरहोल के पुत्र राम, बूना,
ओरेन, ओसेम, और अहिय्याह थे। राम यरह्मोल का प्रथम पुत्र
था। 26 यरहोल की दूसरी पत्नी अतारा थी। अतारा ओनाम
की माँ थी।
27 यरहोल के प्रथम पुत्र, राम के पुत्र मास, यामीन और एकेर थे।
28 ओनाम के पुत्र शम्मै और यादा थे। शम्मै के पुत्र नादाब और
अबीशूर थे।
29 अबीशूर की पत्नी का नाम अबीहैल था। उनके दो पुत्र थे।
उनके नाम अहबान और मोलीद थे।
30 नादाब के पुत्र सेलेद और अप्पैम थे। सेलेद बिना सन्तान मरा।
31 अप्पैम का पुत्र यिशी था। यिशी का पुत्र शेशान था। शेशान का
पुत्र अहलै था।
32 यादा शम्मै का भाई था। याद के पुत्र येतेर और योनातान थे।
येतेर बिना सन्तान मरा।

33 योनातान के पुत्र पेलेत और जाजा थे। यह यरह्मेल की सन्तानों
की सूची थी।
34 शेशान के पुत्र नहीं थे। उसे केवल पुत्रियाँ थीं। शेशान के पास
यर्हा नामक एक मिस्री सेवक था। 35 शेशान ने अपनी पुत्री का
विवाह यर्हा के साथ होने दिया। उनका एक पुत्र था। इसका
नाम अत्तै था।
36 अत्तै, नातान का पिता था। नातान जाबाद का पिता था।
37 जाबाद एपलाल का पिता था। एपलाल ओबेद का पिता
था। जाबाद एपलाल का पिता था। एपलाल ओबेद का पिता
था। 38 ओबेद येहू का पिता था। येहू अजर्याह का पिता था।
39 अजर्याह हेलैस का पिता था। हेलैस एलासा का पिता था।
40 एलास सिस्मै का पिता था। सिस्मै शल्लूम का पिता था।
41 शल्लूम यकम्याह का पिता था और यकम्याह एलीशामा का
पिता था।

कालेब का परिवार

42 कालेब यरहोल का भाई था। कालेब के कुछ पुत्र थे। उसका
पहला पुत्र मेशा था। मेशा जीप का पिता था। मारेशा हेब्रोन
का पिता था।
43 हेब्रोन के पुत्र कोरह, तप्पूह, रेकेम और शेमा थे। 44 शेमा, रहम
का पिता था। रहम योकर्मा का पिता था। 45 शम्मै का पुत्र
माओन था। माओन बेत्सूर का पिता था। रेकेम शम्मै का पिता
था।
46 कालेब की रखैल का नाम एपा था। एपा हारान, मोसा और
गाज़ेज की माँ थी। शाप हारान, गाज़ेज का पिता था।
47 याहदै के पुत्र रेगेम, योताम, गेशान, पेलेत, एपा और शाप थे।
48 माका, कालेब की दूसरी रखैल थी। माका, शेबेर और तिर्हाना
की माँ थी। 49 माका, शाप और शबा की भी माँ थी। मदमन्ना
का पिता था। शबा, मकबेना और गिबा का पिता था। कालेब
की पुत्री अकसा थी।

50 यह कालेब वंशजों की सूची हैः हूर कालेब का प्रथम पुत्र
था। वह एप्राता से पैदा हुआ था। हूर के पुत्र शोबाल जो
किर्यत्यारीम का संस्थापक था, 51 सल्मा, जो बेतलेहेम का
संस्थापक था और हारेप बेतगादेर का संस्थापक था।
52 शोबाल किर्यत्यारीम का संस्थापक था। यह शोबाल के
वंशजों की सूची हैः हारोए, मनुहोत के आधे लोगः 53 और
किर्यत्यारीम के परिवार समूह। ये यित्री, पूती, शूमाती और
मिश्राई लोग हैं। सोराई और एश्ताओली लोग मिश्राई लोगों से
निकले।
54 यह सल्मा के वंशजों की सूची हैः बेतलेहेम के लोग, नतोपाई
अत्रोत, बेत्योआब, मानहत के आधे लोग, सोरी लोग, 55 और
उन शास्त्रियों के परिवार जो याबेस, तिराती, शिमाती और
सूकाती में रहते थे। ये शास्त्री, वे कनानी लोग हैं जो हम्मत से
आए। हम्मत बेतरेकाब का संस्थापक था।

3

दाऊद के पुत्र

1 दाऊद के कुछ पुत्र हेब्रोन नगर में पैदा हुए थे। दाऊद के पुत्रों
की यह सूची हैः

दाऊद का प्रथम पुत्र अम्मोन था। अम्मोन की माँ अहीनोअम थी। वह यिज्रेली नगर की थी।
दूसार पुत्र दानिय्येल था। उसकी माँ अबीगैल कर्मेल (यहूदा में) की थी।
2 तीसरा पुत्र अबशालोम था। उसकी माँ तल्मै की पुत्री माका
थी। तल्मैं गशूर का राजा था।
चौथा पुत्र ओदानिय्याह था। उसकी माँ हग्गीत थी।
3 पाँचवाँ पुत्र शपत्याह था। उसकी माँ अबीतल थी।
छठा पुत्र यित्राम था। उसकी माँ दाऊद की पत्नी एग्ला थी।

4 हेब्रोन में दाऊद के ये छः पुत्र पैदा हुए थे।

दाऊद ने वहाँ सात वर्ष छः महीनें शासन किया। दाऊद,
यरूशलेम तैंतीस वर्ष राजा रहा। 5 दाऊद के यरूशलेम में पैदा हुए
पुत्र ये हैः

चार बच्चे बतशेबा से पैदा हुए। अम्मीएल की पुत्री थी, शिमा,
शोबाब, नातान और सुलैमान। 6-8 अन्य नौ बच्चे ये थेः यिभार,
एलीशामा, एलीपेलेत, नेगाह, लेपेग, यापी, एलीशामा, एल्याद
और एलीपेलेत। 9 वे सभी दाऊद के पुत्र थे। दाऊद दाऊद के
अन्य पुत्र रखैलों से थे। तामार दाऊद की पुत्री* थी।

दाऊद के समय के बाद के यहूदा के राजा

10 सुलैमानका पुत्र रहबाम था और रहबाम का पुत्र अबिय्याह
था। अबिय्याह का पुत्र आसा था। आसा का पुत्र यहोशापात
था। 11 यहोशापात का पुत्र योराम था। योरामा का पुत्र
अहज्याह था। अहज्याह का पुत्र योआश था। 12 योआश का
पुत्र अमस्याह था। अमस्याह का पुत्र अजर्याह था। अजर्याह
का पूत्र योताम था। 13 योताम का पुत्र आहाज़ था। आहाज
का पुत्र हिजकिय्याह था। हिजकिय्याह का पुत्र मनश्शे था।
14 मनशेशे का पुत्र आमोन था। आमोन का पुत्र योशिय्याह था।
15 योशिय्याह के पुत्रों की सूची यह हैः प्रथम पुत्र योहानान था।
दूसरा पुत्र यहोयाकीम था। तीसरा पुत्र सिदकिय्याह था। चौथा
पुत्र शल्लूम था।
16 यहोयाकीम के पुत्र यकोन्याह और उसका पुत्र सिदकिय्याह†
थे।

---

* **3:9:** दाऊद की पुत्री "उनकी बहन।" † **3:16:** यहोयाकीम ... सिदकिय्याह इसकी व्याख्या दो प्रकार से की जा सकती है। (1) यह सिदकिय्याह का पुत्र और यकोन्याह का भाई था। (2) यह सिदकिय्याह का यकोन्याह का पुत्र था और यहोयाकीम का पौत्र था।

बाबुल द्वारा यहूदा को पराजित करने के बाद दाऊद का वंश क्रम

17 यकोन्याह के बाबुल में बन्दी होने के बाद यकोन्याह के
पुत्रों की यह सूची है। उसकी सन्तानें ये थीः शालतीएल,
18 मल्कीराम, पदयाह, शेनस्सर, यकम्याह, होशामा, और
नदब्याह
19 पदायाह के पुत्र जरूब्बाबेल और शिमी थे। जरुब्बाबेल के
पुत्र मशुल्लाम और हनन्याह थे। शलोमीत उनकी बहन थी।
20 जरुब्बाबेल के अन्य पाँच पुत्र भी थे। उनके नाम हशूबा,
ओहेल, बेरेक्याह, हसद्याह, और यूशमेसेद था।
21 हनन्याह का पुत्र पलत्याह था और पलत्याह का पुत्र यशायाह
था। यशायाह का पुत्र रपायाह था और रपायाह का पुत्र अर्नान
था। अर्नान का पुत्र ओबद्याह था और ओबद्याह का पुत्र
शकन्याह था।
22 यह सूची तकन्याह के वंशजों शमायाह की हैः शमायाह के
छः पुत्र थे, शमायाह, हत्तूश और यिगाल, बारीह, नार्याह और
शपात।
23 नार्याह के तीन पुत्र थे। वे एल्योएनै, हिजकिय्याह और
अज्रीकाम थे।
24 एल्योएनै के सात पुत्र थे। वे होदब्याह, एल्याशीब, पलायाह,
अक्कूब, योहानान, दलायाह और अनानी थे।

4

यहूदा के अन्य परिवार समूह

1 यह यहूदा के पुत्रों की सूची हैः

वे पेरेस, हेस्रोन, कर्मी, हूर और शोबाल थे।

2 शोबाल का पुत्र रायाह था। रायाह यहत का पिता था। यहत, अहूमै और लहद पिता था। सोरई लोग अहुमै और लहद के वंशज हैं।

3 एताम के पुत्र यिज्रेल यिश्मा, और यिद्बाश थे और उनकी एक बहन हस्सलेलपोनी नाम की थी।

4 पनूएल गदोर का पिता था और एजेर रूशा का पिता था।

हूर के ये पुत्र थेः हूर एप्राता का प्रथम पुत्र था और एप्राता बेतलेहेम का संस्थापक था।

5 तको का पिता अशहूर था। तको की दो पत्नियाँ थीं। उनका
नाम हेबा और नारा था। 6 नारा के अहुज्जाम, हेपेर, तेमनी और
हाहश्तारी पुत्र थे। ये अशहूर से नारा के पुत्र थे। 7 हेला के पुत्र
सेरेत, यिसहर और एत्नान और कोस थे। 8 कोस आनूब और
सोबेबा का पिता था। कोस, अहर्हेला परिवार समूह का भी
पिता था। अहर्हेल हारून का पुत्र था।

9 याबेस बहुत अच्छा व्यक्ति था। वह अपने भाईयों से अधिक
अच्छा था। उसकी मां ने कहा, “मैंने उसका नाम याबेस रखा है
क्योंकि मैं उस समय बड़ी पीड़ा में थी जब मैंने उसे जन्म दिया।”
10 याबेस ने इस्राएल के परमेश्वर से प्रार्थना की । याबेस ने कहा, “मैं
चाहता हूँ कि तू मुझे सचमुच आशीर्वाद दे। मैं चाहता हूँ की तू मुझे
अधिक भूमि दे। मेरे समीप रहे और किसी को मुझे चोट न पहुँचाने
दे। तब मुझे कोई कष्ट नहीं होगा” और परमेश्वर ने याबेस को वह
दिया, जो उसने माँगा।

11 कलूब शूहा का भाई था। कलूब महीर का पिता था। महीर
एशतोन का पिता था। 12 एशतोन, बेतरामा, पासेह और तहिन्ना
का पिता था। तहिन्ना ईर्नाहाश का पिता था। वे लोग रेका से
थे।

13 कनज के पुत्र ओत्नीएल और सरायाह थे। ओत्नीएल के पुत्र
हतत और मोनोतै थे। 14 मोनोतै ओप्रा का पिता था
और सरायाह योआब का पिता था। योआब गेहराशीम का संस्थापक था। वे लोग इस नाम का उपयोग करते थे क्योंकि वे कुशल कारीगर थे।

15 कालेब यपुन्ने का पुत्र था। कालेब के पुत्र इरु, एला, और नाम थे। एला का पुत्र कनज था।

16 यहल्लेल के पूत्र जीप, जीपा, तीरया और असरेल थे।

17-18 एज्रा के पुत्र येतेर, मेरेद, एपेर और यालोन थे। मेरेद, मिर्य्याह, शम्मै और यिशबह का पिता था। यिशबह, एशतमो का पिता था। मेरेद की एक पत्नी मिस्र की थी। उसके पुत्र येरेद, हेबेर, और यकूतीएल थे। येरेद गदोर का पिता था। हेबेर सोको का पिता था और यकूतीएल जानोह का पिता था। ये बित्या के पुत्र थे। बित्या फ़िरौन की पुत्री थी। वह मिस्र के मेरेद की पत्नी थी।

19 मेरेद की पत्नी नहम की बहन थी। मेरेद की पत्नी यहूदा की
थी। मेरेद की पत्नी के पुत्र कीला और एशतमो के पिता थे।
कीला गेरेमी लोगों में से था और एशतमो माकाई लोगों में से
था। 20 शिमोन के पुत्र अम्नोन, रिन्ना बेन्हानान और तोलोन थे।
यिशी के पुत्र जोहेत और बेनजोहेत थे।

21-22 शेला यहूदा का पुत्र था। शेला के पुत्र एर, लादा, योकीम,
कोर्जबा के लोग, योआश, और साराप थे। एर लेका का पिता
था। लादा मारेशा और बेतअशबे के सन कारीगरों के परिवार
समूह का पिता था। योआश और साराप ने मोआबी स्त्रियों से
विवाह किया। तब वे बेतलेहेम को लौट गए।* उस परिवार
के विषय में लिखित सामग्री बहुत प्राचीन है। 23 शेला के वे
पुत्र ऐसे कारीगर थे जो मिट्टी से चीजें बनाते थे। वे नताईम

* **4:21-22:** मोआबी स्त्रियों ... लौट गए या “उन्होने मोआब और जशुबिलेम में शासन किया।”

और गदेरा में रहते थे। वे उन नगरों में रहते थे और राजा के
लिये काम करते थे।

शिमोन की सन्तानें

24 शिमोन के पुत्र, नमूएल यामीन, यारीब, जेरह और शाऊल थे।
25 शाऊल का पुत्र शल्लूम था। शल्लूम का पुत्र मिबसाम था।
मिबसाम का पुत्र मिश्मा था।
26 मिश्मा का पुत्र हम्मूएल था। हम्मूएल का पुत्र जक्कूर था। जक्कूर
का पुत्र शिमी था। 27 शिमी के सोलह पुत्र और छः पुत्रियाँ
थीं। किन्तु शिमि के भाईयों के अधिक बच्चे नहीं थे। शिमी के
भाईयों के बड़े परिवार नहीं थे। उनके परिवार उतने बड़े नहीं
थे जितने बड़े यहूदा के अन्य परिवार समूह थे।
28 शिमी के बच्चे बेशर्बा, मोलादा, हसर्शूआल, 29 बिल्हा,
एसेम, तोलाद, 30 बतुएल, होर्मा, सिकलग, 31 बेत मकर्बोत,
हसर्सूसीम, बेतबिरी, और शारैम में रहते थे। वे उन नगरों में
तब तक रहे जब तक दाऊद राजा नहीं हुआ। 32 इन नगरों के
समीप के पाँच गाँव एताम, ऐन, रिम्मोन, तोकेन और आशान
थे। 33 अन्य गाँव जैसे बाल बहुत दूर थे। यहाँ वे रहते थे और
उन्होंने अपने परिवार का इतिहास भी लिखा।

34-38 यह सूची उन लोगों की है जो अपने परिवार समूह के प्रमुख
थे। वे मशोबाब, यम्लेक, योशा (अमस्याह का पुत्र), योएल,
योशिब्याह का पुत्र येहू, सरायाह का पुत्र योशिब्याह, असीएल
का पुत्र सरायाह, एल्योएनै, याकोबा, यशोयाह, असायाह,
अदिएल, यसीमीएल, बनायाह, और जीजा (शिपी का पुत्र) थे।
शिपी अल्लोन का पुत्र था और अल्लोन यदायाह का पुत्र था।
यदायाह शिम्री का पुत्र था और शिम्री शमायाह का पुत्र था।

इन पुरुषों के ये परिवार बहुत विस्तृत हुए। 39 वे गदोर नगर के

बाहर, घाटी के पूर्व के क्षेत्र में गए। वे अपनी भेड़ों और पशुओं
के लिये मैदान खोजने के लिये उस स्थान पर गए। 40 उन्हें बहुत
घासवाले अच्छे मैदान मिलें। उन्होंने वहाँ बहुत अधिक अच्छी
भूमि पाई। प्रदेश शान्तिपूर्ण और शान्त था। अतीत में यहाँ हाम के
वंशज रहते थे। 41 यह तब हुआ जब हिजकय्याह यहूदा का राजा
था। वे लोग गदोर पहुँचे और हमीत लोगों से लड़े। उन्होंने हमीत
लोगों के डेरों को नष्ट कर दिया। वे लोग सभी मूनी लोगों से भी
लड़े जो वहाँ रहते थे। इन लोगों ने सभी मूनी लोगों को नष्ट कर
डाला। आज भी इन स्थानों में कोई मूनी नहीं है। इसलिये उन लोगों
ने वहाँ रहना आरम्भ किया। वे वहाँ रहने लगे, क्योंकि उनकी भेड़ों
के लिये उस भूमि पर घास थी।

42 पाँच सौ शिमोनी लोग शिमोनी के पर्वतीय क्षेत्र में गए। यिशी
के पुत्रों ने उन लोगों का मार्ग दर्शन किया। वे पुत्र पलत्याह, नायार्ह,
रपायाह और उज्जीएल थे। शिमोनी लोग उस स्थान पर रहने वाले
लोगों से लड़े। 43 वहाँ अभी थोड़ो से केवल अमेलेकी लोग रहते थे
और इन शिमोनी लोगों ने इन्हें मार डाला। उस समय से अब तक
वे शिमोनी लोग सेईद में रह रहे हैं।

5

रूबेन के वंशज

1-3 रूबेन इस्राएल का प्रथम पुत्र था। रुबेन को सबसे बड़े पुत्र होने की विशेष सुविधायें प्राप्त होनी चाहिए थी। किन्तु रूबेन ने अपने पिता की पत्नी के साथ शारिरिक सम्बन्ध किया। इसलिये वे सुविधाएं यूसुफ के पुत्रों को मिली। परिवार के इतिहास में रूबेन का नाम प्रथम पुत्र के रूप में लिखित नहीं है। यहूदा अपने भाईयों से अधिक बलवान हो गया, अतः उसके परिवार से प्रमुख आए। किन्तु यूसुफ के परिवार ने वे अन्य सुविधायें पाई, जो सबसे बड़े पुत्र को मिलती थी।

रूबेन के पुत्र हनोक, पल्लू, हेस्रोन और कर्मी थे।
4 योएल के वंशजों के नाम ये हैः शमायाह योएल का पुत्र था।
गोग शमायाह का पुत्र था। शमी गोग का पुत्र था 5 मीका शिमी
का पुत्र था रायाह मीका का पुत्र था। बाल रायाह का पुत्र था।
6 बरा बाल का पुत्र था। अश्शूर के राजा तिलगत पिलनेसेर ने
बेरा राजा का घर छोड़ने को विवश किया। इस प्रकार बेरा
राजा का बन्दी बना। बेरा रूबेन के परिवार समूह का प्रमुख
था।
7 योएल के भाईयों और उसके सारे परिवार समूहों को वैसे ही
लिखा जा रहा है जैसे वे परिवार के इतिहास में हैः यीएल प्रथम
पुत्र था। तब जकर्याह 8 और बेला। बेला अजाज शेमा का पुत्र
था। अजाज का पुत्र था। अजाज शेमा का पुत्र था। शेमा योएल
का पुत्र था। वे अरोएर से लगातार नबो और बाल्मोन तक के
क्षेत्र में रहते थे। 9 बेला के लोग पूर्व में परात नदी के पास,
मरुभूमि के किनारे तक रहते थे। वे उस स्थान पर रहते थे
क्योंकि गिलाद प्रदेश में उनके पास बहुत से बैल थे। 10 जब
शाऊल राजा था, बेला के लोगों ने हग्री लोगों के विरुद्ध युद्ध
किया। बेला के लोग उन खेमों में रहे जो हग्री लोगों के थे।
वे उन खेमों में रहे और गिलाद के पूर्व के सारे क्षेत्र से होकर
यात्रा करते रहे।
11 गाद के परिवार समूह के लोग रूबेन के परिवार समूह के पास
रहते थे। गादी लोग बाशान के क्षेत्र में लगातार सल्का नगर
तक रहते थे। 12 बाशान में योएल प्रथम प्रमुख था। सापाम
दूसरा प्रमुख था। तब यानै प्रमुख हुआ।* 13 परिवार के सात
भाई ये थे मीकाएल, मशुल्लाम, शेबा, योरै, याकान, जी और
एबेर। 14 वे लोग अबीहैल के वंशज थे। अबीहैल हूरी का
पुत्र था। हूरी योराह का पुत्र था। योराह गिलाद का पुत्र था।

* **5:12:** तब ... हुआ या “तब वहाँ यानै था शापम, बाशान में था।”

गिलाद मीकाएल का पुत्र था। मीकाएल यशीशै का पुत्र था।
यशीशै यहोदो का पुत्र था। यहदों बूज का पुत्र था। 15 अही
अब्दीएल का पुत्र था। अब्दीएल गूनी का पुत्र था। अही उनके
परिवार का प्रमुख था।

16 गाद के परिवार समूह के लोग गिलाद क्षेत्र में रहते थे। वे बाशान क्षेत्र में बाशान के चारों ओर के छोटे नगरों में और शारोन क्षेत्र के चारागाहों में उसकी सीमाओं तक निवास करते थे।

17 योनातान और यारोबाम के समय में इन सभी लोगों के नाम गाद के परिवार इतिहास में लिखे थे। योनातन यहूदा का राजा था और यारोबाम इस्राएल का राजा था।

युद्ध में निपुण कुछ सैनिक

18 मनश्शे के परिवार के आधे तथा रूबेन और गाद के परिवार
समूहों से चौवालीस हजार सात सौ साठ वीर योद्धा युद्ध के लिये
तैयार थे। वे युद्ध में निपुण थे। वे ढाल—तलवार धारण करते थे।
वे धनुष—बाण में भी कुशल थे। 19 उन्होंने हग्री और यतूर, नापीश
और नोदाब लोगों के विरुद्ध युद्ध आरम्भ किया। 20 मनेश्शे, रूबेन
और गाद परिवार समूह के उन लोगों ने युद्ध में परमेश्वर से प्रार्थना
की। उन्होंने परमेश्वर से सहायता मांगी क्योंकि वे उस पर विश्वास
करते थे। अतः परमेश्वर ने उनकी सहायता की। परमेश्वर ने उन्हें
हग्री लोगों को पराजित करने दिया और उन लोगों ने अन्य लोगों
को हराया जो हग्री के साथ थे। 21 उन्होंने उन जानवरों को लिया
जो हग्री लोगों के थे। उन्होंने पचास हजार ऊँट, ढाई लाख भेंड़ें, दो
हजार गधे और एक लाख लोग लिये। 22 बहुत से हग्री लोग मारे
गये क्योंकि परमेश्वर ने रूबेन के लोगों को युद्ध जीतने में सहायता
की। तब मनश्शे, रूबेन और गाद के परिवार समूह के लोग हग्री
लोगों की भूमि पर रहने लगे। वे वहाँ तब तक रहते रहे जब तक
बाबूल की सेना इस्राएल के लोगों को नहीं ले गई और जब तक
बाबूल में उन्हें बन्दी नहीं बनाया गया।

23 मनश्शे के परिवार समूह के आधे लोग बाशान के क्षेत्र के
लगातार बाल्हेर्मोन, सनीर और हेर्मान पर्वत तक रहते थे। वे एक
विशाल जन समूह वाले लोग बन गये।

24 मनश्शे के परिवार समूह के आधे के प्रमुख ये थेः एपेर, यिशी,
एलीएल, अज्रीएल, यिर्मयाह, होदब्याह और यहदीएल। वे सभी
शक्तिशाली और वीर पुरुष थे। वे प्रसिद्ध पुरुष थे और वे अपने
परिवार के प्रमुख थे। 25 किन्तु उन प्रमुखों ने उस परमेश्वर के विरुद्ध
पाप किया, जिसकी उपासना उनके पूर्वजों ने की थी। उन्होंने वहाँ
रहने वाले उन व्यक्तियों के असत्य देवताओं की पूजा करनी आरम्भ
की जिन्हें परमेश्वर ने नष्ट किया।

26 इस्राएल के परमेश्वर ने पूल को युद्ध में जाने का इच्छुक बनाया।
पूल अश्शूर का राजा था। उसका नाम तिलगत्पिलनेसेर भी था।
वह मनश्शे, रूबेन और गाद के परिवार समूहों के विरुद्ध लड़ा।
उसने उनको अपना घर छोड़ने को विवश किया और उन्हें बन्दी
बनाया। पूल उन्हें हलह, हाबोर, हारा और गोजान नदी के पास
लाया। इस्राएल के वे परिवार समूह उन स्थानों में उस समय से अब
तक रह रहे हैं।

6

लेवी के वंशज

1 लेवी के पुत्र गेर्शोन, कहात और मरारी थे।

2 कहात के पुत्र अम्राम, यिसहार, हेब्रोन और उज्जीएल थे।

3 अम्राम के बच्चे हारून, मूसा और मरियम थे।

हारून के पुत्र नादाब, अबीहू, एलीआजार और ईतामार थे।

4 एलीआजार, पीनहास का पिता था। पीनहास, अबीशू का
पिता था। 5 अबीशू, बुक्की, का पिता था। बुक्की, उज्जी का पिता
था। 6 उज्जी, जरह्याह का पिता था। जरह्याह, मरायोत का
पिता था। 7 मरायोत, अमर्याह का पिता था। अमर्याह, अहीतूब

का पिता था। 8 अहीतूब, सादोक का पिता था। सादोक,
अहीमास का पिता था। 9 अहीमास, अजर्याह का पिता था।
अजर्याह योहानान का पिता था। 10 योहानान, अजर्याह का
पिता था। (अजर्याह वह व्यक्ति था जिसेने यरूशलेम में
सुलैमान द्वारा बनाये गेय मन्दिर में याजक के रूप में सेवा
की।) 11 अजर्याह अमर्याह का पिता था। अमर्याह, अहीतूब
का पिता था। 12 अहीतूब, सादोक का पिता था। सादोक,
शल्लूम का पिता था। 13 शल्लूम, हिलकिय्याह का पिता था।
हिलकिय्याह, अजर्याह का पिता था। 14 अजर्याह, सरायाह
का पिता था। सरायाह, यहोसादाक का पिता था।

15 यहोसादाक तब अपना घर छोड़ने के लिये विवश किया गया जब यहोवा ने यहूदा और यरूशलेम को दूर भेज दिया। वे लोग दूसरे देश में बन्दी बनाए गए थे। यहोवा ने नबूकदनेस्सर को यहूदा और यरूशलेम के लोगों को बन्दी बनाने दिया।

लेवी के अन्य वंशज

16 लेवी के पुत्र गेर्शोन, कहात, और मरारी थे।

17 गर्शोन के पुत्रों के नाम लिब्नी और शिमी थे।

18 कहात के पुत्र यिसहार, हेब्रोन और उज्जीएल थे।

19 मरारी के पुत्र महली और मूशी थे।

लेवी के परिवार समूहों के परिवारों की यह सूची है। इनकी सूची उनके पिताओं के नाम को प्रथम रखकर यह है।

20 गेर्शोन के वंशज ये थेः लिब्नी, गेर्शोन का पुत्र था। यहत, लिब्नी
का पुत्र था। जिम्मा, यहत का पुत्र था। 21 योआह, जिम्मा का
पुत्र था। इद्दो, योआह का पुत्र था।जेरह, इद्दो का पुत्र था। यातरै
जेरह का पुत्र था।

22 ये कहात के वंशज थेः अम्मानादाब, कहात का पुत्र था।
कोरह, अम्मीनादाब का पुत्र था। अस्सीर, कोरह का पुत्र था।
23 एल्काना, अस्सीर, का पुत्र था। एब्यासाप, एल्काना का पूत्र

था। अस्सीर एब्यासाप का पूत्र था। 24 तहत, अस्सीर का पुत्र
था।ऊरीएल, तहत का पुत्र था। उज्जिय्याह, ऊरीएल का पुत्र
था। शाऊल, उज्जिय्याह का पुत्र था।
25 एल्काना के पुत्र अमासै और अहीमोत थे। 26 सोपै, एल्काना
का पुत्र था। नहत, सोपै का पुत्र था। 27 एलीआब, नहत का
पुत्र था। यरोहाम, एलीआब का पुत्र था। एल्काना, यरोहाम
का पुत्र था। शमूएल एल्काना का पुत्र था। 28 शमूएल के पुत्रों
में सबसे बड़ा योएल और दूसरा अबिय्याह था।
29 मरारी के ये पुत्र थेः महली, मरारी का पुत्र था। लिब्नी, महली
का पुत्र था। शिमी, लिब्नी का पुत्र था। उज्जा, शिमी का पुत्र
था। 30 शिमी, उज्जा का पुत्र था। हग्गिय्यहा, शिमा का पुत्र
था। असायाह, हग्गिय्याह का पुत्र था।

मन्दिर के गायक

31 ये वे लोग हैं जिन्हें दाऊद ने यहोवा के भवन के तम्बू में
साक्षीपत्र के सन्दूक रखे जाने के बाद संगीत के प्रबन्ध के लिये
चुना। 32 ये व्यक्ति पवित्र तम्बू पर गाकर सेवा करते थे। पवित्र
तम्बू को मिलाप वाला तम्बू भी कहते हैं और इन लोगों ने तब तक
सेवा की जब तक सुलैमान ने यरूशलेम में यहोवा का मन्दिर नहीं
बनाया। उन्होंने अपने काम के लिये दिये गए नियमों का अनुसरण
करते हुए सेवा की।
33 ये नाम उन व्यक्तियों और उनके पुत्रों के हैं जिन्होंने संगीत के
द्वारा सेवा कीः

कहाती लोगों के वंशज थेः गायक हेमान। हेमान, योएल का पुत्र
था। योएल, शमूएल का पुत्र था। 34 शमूएल, एल्काना का पुत्र
था। एल्काना, यरोहाम का पुत्र था। यरोहाम एलीएल का पुत्र
था। एलीएल तोह का पुत्र था। 35 तोह, सूप का पुत्र था। सूप
एस्काना का पूत्र था। एल्काना, महत का पूत्र था। महत अमासै

का पूत्र था। 36 अमासै, एल्काना का पुत्र था। एल्काना, योएल
का पुत्र था। योएल, अजर्याह का पुत्र था। अजर्याह, सपन्याह
का पुत्र था। 37 सपन्याह, तहत का पुत्र था। तपह, अस्सीर का
पुत्र था। अस्सीर, एब्यासाप का पुत्र था। एब्यासाप, कोरह का
पुत्र था। 38 कोरह, यिसहार का पुत्र था। यिसहार, कहात का
पुत्र था। कहात, लेवी का पुत्र था। लेवी, इस्राएल का पुत्र था।

39 हेमान का सम्बन्धी असाप था। असाप ने हेमान के दाहिनी
ओर खड़े होकर सेवा की। असाप बेरेक्याह का पुत्र था।
बेरेक्याह शिमा का पुत्र था। 40 शिमा मीकाएल का पुत्र था।
मिकाएल बासेयाह का पुत्र था। बासेयाह मल्किय्याह का पुत्र
था। 41 मल्किय्याह एत्नी का पुत्र था। एत्नी जेरह का पुत्र था।
जेरह अदायाह का पुत्र था। 42 अदायाह एतान का पुत्र था।
एतान जिम्मा का पुत्र था। जिम्मा शिमी का पुत्र था। 43 शिमी
यहत का पुत्र था। यहत गेर्शोन का पुत्र था। गेर्शोन लेवी का
पुत्र था।

44 मरारी के वंशज हेमान और असाप के सम्बघी थे। वे हेमान
के बांये पक्ष के गायक समूह थे। एताव कीशी का पुत्र
था। कीशी अब्दी का पुत्र था। अब्दी मल्लूक का पुत्र था।
45 मल्लूक हशब्याह का पुत्र था। हशब्याह अमस्याह का पुत्र
था। अमस्याह हिलकिय्याह का पुत्र था। 46 हिलकिय्याह
अमसी का पुत्र था। अमसी बानी का पुत्र था। बानी शेमेर
का पुत्र था। 47 शेमारे महली का पुत्र था। महली मूशी का पुत्र
था। मूशी मरारी का पुत्र था मरारी लेवी का पुत्र था।

48 हेमान और असाप के भाई लेवी के परिवार समूह से थे। लेवी
के परिवार समूह के लोग लेविवंशी भी कहे जाते थे। लेवीय पवित्र
तम्बू में काम करने रके लिये चुने जाते थे। पवित्र तम्बू परमेश्वर का
घर था। 49 किन्तु केवल हारून के वंशजों को होमबलि की वेदी

और सुगन्धि की वेदी पर सुगन्धि जलाने की अनुमति थी। हारून के वंशज परमेश्वर के घर में सर्वाधिक पवित्र तम्बू में सारा काम करते थे। वे इस्राएल के लोगों को शुद्ध करने के लिये उत्सव भी मनाते थे।* वे उन सब नियमों और विधियों का अनुसरण करते थे जिनके लिये मूसा ने आदेश दिया था। मूसा परमेश्वर का सेवक था।

हारून के वंशज

50 हारून के पुत्र ये थेः एलीआज़र हारून का पुत्र था। पीनहास
एलीआजर का पुत्र था। अबीशू पीनहास का पुत्र था। बुक्की
अबीशू का पुत्र था। उज्जी बुक्की का पुत्र था। 51 बुक्की अबीशू
का पुत्र था। उज्जी बुक्की का पुत्र था। जरह्याह उज्जी का पुत्र
था। 52 मरायोत जरह्याह का पुत्र था। अमर्याह मरायोत का
पुत्र था। अहीतूब अमर्याह का पुत्र था। 53 सादोक अहीतूब
का पुत्र था। अहीमास सादोक का पुत्र था।

लेवीवंशी परिवारों के लिये घर

54 ये वे स्थान हैं जहाँ हारून के वंशज रहे। वे उस भूमि पर जो
उन्हें दी गई थी, अपने डेरों में रहते थे। कहाती परिवार ने उस भूमि
का पहला भाग पाया जो लेवीवंश को दी गई थी। 55 उन्हें हेब्रोन
नगर और उसके चारों ओर के खेत दिये गये थे। यह यहूदा क्षेत्र
में था। 56 किन्तु नगर के दूर के खेत और नगर के समीप के गाँव,
यपुन्ने के पुत्र कालेब को दिये गये थे। 57 हारून के वंशजों को हेब्रोन
नगर दिया गया था। हेब्रोन एक सुरक्षा नगर था। उन्हें लिब्ना, यत्तीर,
एशतमो, 58 हीलेन, दबीर, 59 आशान, जुत्ता, और बेतशेमेश नगर भी
दिये गए। उन्होंने उन सभी नगरों और उनके चारों ओर के खेत प्राप्त
किये। 60 बिन्यामीन के परिवार समूह के लोगों को गिबोन, गेबा
अल्लेमेत, और अनातोत नगर दिये गए। उन्होंने उन सभी नगरों और
उनके चारों ओर के खेतों को प्राप्त किया।

* **6:49:** शुद्ध ... थे या "प्रायश्चित" करना। हिब्रू शब्द का अर्थ "व्यक्ति के पापों को ढकना या हटाना" था।

कहाती परिवार को तेरह नगर दिये गए।
61 शेष कहात के वंशजों ने मनश्शे परिवार समूह के आधे से दस
नगर प्राप्त किये।
62 गेर्शोन के वंशजों के परिवार समूह ने तेरह नगर प्राप्त किये।
उन्होंने उन नगरों को इस्साकर, आशेर, नप्ताली और बाशान क्षेत्र में
रहने वाले मनश्शे के एक भाग से प्राप्त किये।
63 मरारी के वंशजों के परिवार समूह ने बारह नगर प्राप्त किये।
उन्होंने उन नगरों को रूबेन, गाद, और जबूलून के परिवार समूहों
से प्राप्त किया। उन्होंने नगरों को गोटे डालकर प्राप्त किया।
64 इस प्रकार इस्राएली लोगों ने उन नगरों और खेतों को लेवीवंशी
लोगों को दिया। 65 वे सभी नगर यहूदा, शिमोन और बिन्यामीन के
परिवार समूहों से मिले। उन्होंने गोटे डालकर यह निश्चय किया कि
कौन सा नगर लेवी का कौन सा परिवार प्राप्त करेगा।
66 एप्रैम के पिरवार समूह के कुछ कहाती परिवारों को कुछ
नगर दिये। वे नगर गोटे डालकर चुने गए। 67 उन्हें शकेम नगर
दिया गाय। शेकम सुरक्षा नगर है। उन्हें गेजेर 68 योकामन, बेथोरोन,
69 अय्यालोन, और गत्रिम्मोन भी प्राप्त किये। उन्हों उन नगरों के
साथ के खेत भी पाये। वे नगर एप्रैम के पहाड़ी प्रदेश में थे 70 और
इस्राएली लोगों ने, मनश्शे परिवार समूह के आधे से, आनेर और
बिलाम नगरों को कहाती परिवारों को दिया। उन कहाती परिवारों
ने उन नगरों के साथ खेतों को भी प्राप्त किया।

अन्य लेवीवंशी परिवारों ने घर प्राप्त किये

71 गेर्शोमी परिवार ने मनश्शे परिवार समूह के आधे से, बाशान
और अश्तारोत क्षेत्रों में गोलान के नगरों को प्राप्त किया। उन्होंने उन
नगरों के पास के खेत भी पाए।
72-73 गेर्शोमी परिवार ने केदेश, दाबरात, रामोत और आनेम नगरों
को आशेर परिवार समूह से प्राप्त किया। उन्होंने उन नगरों के पास
के खेतों को भी प्राप्त किया।

74-75 गेर्शोमी परिवार ने माशाल, अब्दोन, हुकोक और रहोब के
नगरों को आशेर परिवार समूह से प्राप्त किया। उन्होंने उन नगरों के
पास के खेतों को भी प्राप्त किया।
76 गेर्शोमी परिवार ने गालील में केदेश, हम्मोन और किर्यातैम
नगरों को भी नप्ताली के परिवार समूह से प्राप्त किया। उन्होंने उन
नगरों के पास के खेतों को भी प्राप्त किया।
77 लेवीवंशी लोगों में से शेष मरारी परिवार के हैं। उन्होंने जेक्रयम,
कर्ता, शिम्मोन और ताबोर नगरों को जबूलून परिवार समूह से प्राप्त
किया। उन्होंने उन नगरों के पास के खेत भी प्राप्त किये।
78-79 मरारी परिवार ने मरुभूमि में बेसेर के नगरों, यहसा, कदेमोत,
और मेपात को बी रूबेन के परिवार समूह से प्राप्त किया। रूबेन
का परिवार समूह यरदन नदी के पूर्व की ओर यरीहो नगर के पूर्व
मे रहता था। इन मरारी परिवारों ने नगर के पास के खेत भी पाये।
80-81 मरारी परिवारों ने गिलाद में रामोत, महनैम, हेशोबोन और
याजेर नगरों को गाद के परिवार समूह से प्राप्त किया। उन्होंने उन
नगरों के पास के खेत भी प्राप्त कियो।

7

इस्साकार के वंशज

1 इस्साकार के चार पुत्र थे। उनके नाम तोला, पूआ, याशूब, और
शिम्रोन था।
2 तोला के पुत्र उज्जी, रपायाह, यरीएल, यहमै, यिबसाम और
शमूएल थे। वे सभी अपने परिवारों के प्रमुख थे। वे व्यक्ति
और उनके वंशज बलवान योद्धा थे। उनके परिवार बढ़ते रहे
और जब दाऊद राजा हूआ, तब वहाँ बाईस हजार छः सौ
व्यक्ति युद्ध के लिये तैयार थे।
3 उज्जी का पुत्र यिज्रह्याह था। यिज्रह्याह के पुत्र मीकाएल,
ओबद्याह, योएल, यिश्शिय्याह थे। वे सभी पाँचों अपने
परिवारों के प्रमुख थे।
4 उनके परिवार का इतिहास यह

बाताता है कि उनके पास छत्तीस हजार योद्धा युद्ध के लिये तैयार थे। उनका बड़ा परिवार था क्योंकि उनकी बहुत सी स्त्रियाँ और बच्चे थे।
5 परिवार इतिहास यह बताता है कि इस्साकार के सभी परिवार समूहों में सत्तासी हजार शक्तिशाली सैनिक थे।

बिन्यामीन के वंशज

6 बिन्यामीन के तीन पुत्र थे। उनके नाम बेला, बेकेर, और यदीएल थे।
7 बेला के पाँच पुत्र थे। उनके नाम एसबोन, उज्जी, उज्जीएल, यरीमोत, और ईरी थे। वे अपने परिवारों के प्रमुख थे। उनका परिवार इतिहास बताता है कि उनके पास बाईस हजार चौंतीस सैनिक थे।
8 बेकेर के पुत्र जमीरा, योआश, एलीएजेर, एल्योएनै, ओम्री, यरेमोत, अबिय्याह, अनातोत और आलेमेत थे। वे सभी बेकेर
के बच्चे थे। 9 उनका परिवार इतिहास बताता है कि परिवार
प्रमुख कौन थे और उनका परिवार इतिहास यह भी बताता है कि उनके बीस हजार दो सौ सैनिक थे।।
10 यदीएल का पुत्र बिल्हान था। बिल्हान के पुत्र यूश, बिन्यामीन,
एहूद कनाना, जेतान, तर्शीश और अहीशहर थे। 11 यदीएल के
सभी पुत्र अपने परिवार के प्रमुख थे। उनके सत्तर हजार दो सौ सैनिक युद्ध के लिये तैयार थे।
12 शुप्पीम और हुप्पीम ईर के वंशज थे। हूशी अहेर का पुत्र था।

नप्ताली के वंशज

13 नप्ताली के पुत्र एहसीएल, गूनी, येसेर और शल्लूम थे और ये बिल्हा के वंशज हैं।

मनश्शे के वंशज

14 ये मनश्शे के वंशज हैं। मनश्शे का अस्रीएल नामक पुत्र था जो उसकी अरामी रखैल (दासी) से था। उनका माकीर भी

था। माकीर गीलाद का पिता था।* 15 माकीर ने हप्पीम और
शुप्पीम लोगों की एक स्त्री से विवाह किया। माका की दूसरी
पत्नी का नाम सलोफाद था। सलोफाद की केवल पुत्रियाँ थी।
माकीर की बहन का नाम भी माका था। 16 माकीर की पत्नी
माका को एक पुत्र हुआ। माका ने अपने पुत्र का नाम पेरेश
रखा। पेरेश के भाई का नाम शेरेश था। शेरेश के पुत्र ऊलाम
ओर राकेम थे।
17 ऊलाम का पुत्र बदान था।
ये गिलाद के वंशज थे। गिलाद माकीर का पुत्र था। माकीर
मनश्शे का पुत्र था। 18 माकीर की बहन हम्मोलेकेत के पुत्र
ईशहोद, अबीएजेर, और महला थे।
19 शमीदा के पुत्र अह्यान, शेकेम, लिखी और अनीआम थे।

एप्रैम के वंशज

20 एप्रैम के वंशजों के ये नाम थे। एप्रैम का पुत्र शूतेलह था।
शूतेलह का पुत्र बेरेद था। बेरेद का पुत्र तहत था। तहत का
पुत्र एलादा था। 21 एलादा का पुत्र तहत था। तहत का पुत्र
जाबाद था। जाबाद का पुत्र शूतेलह था।
कुछ व्यक्तियों ने जो गत नगर में बड़े हुए थे, येजेर और एलाद को
मार डाला। यह इसलिये हुआ कि येजेर और एलाद उन लोगों
की गायें और भेड़ें चुराने गत गए थे। 22 एप्रैम येजेर और एलाद
का पिता था। वह कई दिनों तक रोता रहा क्योंकि येजर और
एलाद मर गए थे। एप्रैम का परिवार उसे संत्वना देने आया।
23 तब एप्रैम ने अपनी पत्नी के साथ शारीरिक सम्बन्ध किया।
एप्रैम की पत्नी गर्भवती हुई और उसने एक पुत्र को जन्म दिया।
एप्रैम ने अपने नये पुत्र का नाम बरीआ रखा क्योंकि उसके
परिवार के साथ कुछ बुरा हुआ था। 24 एप्रैम की पुत्री शेरा थी।

* **7:14:** माकीर गिलाद का पिता था या “माकीर गिलाद को बसाने वाला था।”

शेरा ने निम्न बेथोरान तथा उच्च बेथोरान और निम्न ऊज्जेनशेरा
एवं उच्च उज्जेनशेरा बसाया।
25 रेपा एप्रैम का पुत्र था। रेसेप रेपा का पुत्र था। तेलह रेशेप
का पुत्र था। तहन तेलह का पुत्र था। 26 लादान तहन का पुत्र
अम्मीहूद लादान का पुत्र था। एलीशामा अम्मीहूद का पुत्र था।
27 नून एलीशामा का पुत्र था। यहोशू नून का पुत्र था।

28 ये वे नगर और प्रदेश हैं जहाँ एप्रैम के वंशज रहते थे। बेतेल
और इसके पास के गाँव पूर्व में नारान, गेजेर और पश्चिम में इसके
निकट के गाँव। 29 मनररो तथा अज्जा के रास्ते तक के निकटवर्ती
गाँव, तथा शेकेम की भूमि से लगी सीमा पर बेतशान, तानाक, मगिदो
नगर तथा दोर और उनके पास के छोटे नगर थे। यूसुफ के वंशज
इन नगरों में रहते थे। यूसुफ इस्राएल का पुत्र था।

आशेर के वंशज

30 आशेर के पुत्र यिम्ना, यिश्वा, यिश्वी, और बरीआ थे। उनकी
बहन का नाम सेरह था।
31 बरीआ के हेबेर और मल्कीएल थे। मल्कीएल बिर्जोत का
पिता था।
32 हेबेर यपलेत, शोमेर, होताम, और उनकी बहन शूआ का पिता
था।
33 यपलेत के पुत्र पासक, बिम्हाल और अश्वात थे। ये यपलेत के
बच्चे थे।
34 शेमेर के पूत अही, रोहगा, यहुब्बा और अराम थे।
35 शेमेर के भाई का नाम हेलेम था। हेलेम के पुत्र सोपह, यिम्मा,
शेलेश और आमाल थे।
36 सोपह के पुत्र सूह, हर्नेपेर, शूआल, वेरी, इम्रा, 37 बेसेर, होद,
शम्मा, शिलसा, यित्रान और बेरा थे।
38 येरेर के पुत्र यपुन्ने, पिस्पा और अरा थे।
39 उल्ला के पुत्र आरह, हन्नीएल, और रिस्या थे।

40 ये सभी व्यक्ति आशेर के वंशज थे। वे अपने परिवारों के प्रमुख थे। वे उत्तम पुरुष थे। वे योद्धा और महान प्रमुख थे। उनका पारिवारिक इतिहास बताता है कि छब्बीस हजार सैनिक युद्ध के लिये तैयार थे।

8

राजा शाऊल का परिवार इतिहास

1 बिन्यामीन बेला का पिता था। बेला बिन्यामीन का प्रथम पुत्र
था। अशबेल बिन्यामीन का दूसरा पुत्र था। अहरह बिन्यामीन
का तीसरा पुत्र था। 2 नोहा बिन्यामीन का चौथा पुत्र था और
रापा बिन्यामीन का पाँचवाँ पुत्र था।

3-5 बेला के पुत्र अद्दार, गेरा, अबीहूद, अबीशू, नामान, अहोह, गेरा, शपूपान और हूराम थे।

6-7 एहूद के वंशज ये थे। ये गेबा में अपने परिवारों के प्रमुख थे। वे अपना घर छोड़ने और मानहत में रहने को विवश किये गए थे। एहूद के वंशज नामान, अहिय्याह, और गेरा थे। गेरा ने उन्हें घर छोड़ने को विवश किया। गेरा उज्जा और अहीलूद का पिता था।

8 शहरैम ने अपनी पत्नियों हशीम और बारा को मोआब में
तलाक दिया। जब उसने यह किया, उसके कुछ बच्चे अन्य
पत्नी से उत्पन्न हुए। 9-10 शाहरैम के योआब, मेशा, मल्काम,
यूस, सोक्या, और मिर्मा उसकी पत्नी होदेश से हुए। वे अपने
परिवारों के प्रमुख थे। 11 शहरैम और हशीम के दो पुत्र अबीतूब
और एल्पाल थे।

12-13 एल्पाल के पुत्र एबेर, मिशाम, शेमेर, बरीआ और शेमा थे। शेमेर ने ओनो और लोद नगर तथा लोद के चारों ओर छोटे नगरों को बनाया। बरीआ ओर शेमा अय्यालोन में रहने वाले परिवारों के प्रमुख थे। उन पुत्रों ने गत में रहने वालों को उसे छोड़ने को विवश किया।

14 बरीआ के पुत्र शासक और यरमोत, 15 जबद्याह, अराद, एदेर,
16 मीकाएल, यिस्पा और योहा थे। 17 एल्पाल के पुत्र जबद्याह,
मशुल्लाम, हिजकी, हेबर, 18 यिशमरै, यिजलीआ और योबाब थे।
19 शिमी के पुत्र याकीम, जिक्री, ज़ब्दी, 20 एलीएनै, सिल्लतै,
एलीएल, 21 अदायाह, बरायाह और शिम्रात थे।
22 शाशक के पुत्र यिशपान, येबेर, एलीएल, 23 अब्दोन, जिक्री,
हानान, 24 हनन्याह, एलाम, अन्तोतिय्याह, 25 यिपदयाह और
पनूएल थे।
26 यरोहाम के पुत्र शमशरै, शहर्याह, अतल्याह, 27 योरेश्याह,
एलीय्याह और जिक्री थे।

28 ये सभी व्यक्ति अपने परिवारों के प्रमुख थे। वे अपने परिवार के
इतिहास में प्रमुख के रुप में अंकित थे। वे यरूशलेम में रहते थे।

29 येयील गीबोन का पिता था। वह गिबोन नगर में रहता था।
येयील की पत्नी का नाम माका था। 30 येयील का सबसे
बड़ा पुत्र अब्दोन था। अन्य पुत्र शूर, कीश, बाल, नेर, नादाब
31 गदोर, अह्यो, जेकेर, और मिकोत थे। 32 मिकोत शिमा का
पिता था। ये पुत्र भी यरूशलेम में अपने सम्बन्धियों के निकट
रहते थे।
33 नेर, कीश का पिता था। कीश शाऊल का पिता था और शाऊल
योनातान, मलकीश, अबीनादब और एशबाल का पिता था।
34 योनातान का पुत्र मरीब्बाल था। मरीब्बाल मीका का पिता
था।
35 मीका के पुत्र पीतोम, मेलेक, तारे और आहाज थे।
36 आहाज यहोआद्दा का पिता था। यहोअद्दा आलेमेत, अजमावेत
और जिम्री का पिता था। जिम्री मोसा का पिता था। 37 मोसा
बिना का पिता था। रापा बिना का पुत्र था। एलासा रापा का
पुत्र था और आसेल एलासा का पुत्र था।
38 आसेल के छः पुत्र थे। उनके नाम अज्रीकाम, बोकरू,

यिशमाएल, शार्यह, ओबद्याह और हनान थे। ये सभी पुत्र आसेल की संतान थे।

39 आसेल का भाई एशेक था। एशेक के कुछ पुत्र थे। एशेक के ये पुत्र थेः ऊलाम एशेक का सबसे पड़ा पुत्र था। यूशा एशेक का
दूसरा पुत्र था। एलीपेलेत एशेक का तीसरा पुत्र था। 40 ऊलाम
के पुत्र बलवान योद्धा और धनुष बाण के प्रयोग में कुशल थे। उनके बहुत से पुत्र और पौत्र थे। सब मिलाकर डेढ़ सौ पुत्र और पौत्र थे। ये सभी व्यक्ति बिन्यामीन के वंशज थे।

9

1 इस्रएल के लोगों के नाम उनके परिवार के इतिहास में अंकित थे। वे परिवार इस्राएल के राजाओं के इतिहास में रखे गए थे।

यरूशलेम के लोग

यहूदा के लोग बन्दी बनाए गए थे और बाबेल को जाने को विवश किये गये थे। वे उस स्थान पर इसलिये ले जाए गए, क्योंकि
वे परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य नहीं थे। 2 सबसे पहले लौट कर
आने वाले और अपने नगरों और अपमने प्रदेश में रहने वाले लोगों में कुछ इस्राएली, याजक, लेवीवंशी और मन्दिर में सेवा करने वाले सेवक थे।

3 यरूशलेम में रहने वाले यहूदा, बिन्यामीन, एप्रैमी और मनश्शे के परिवार समूह के लोग ये हैं:

4 ऊतै अइम्मीहूद का पुत्र था। अम्मीहूद ओम्री का पुत्र था। ओम्री इम्री का पुत्र था। इम्री बानी का पुत्र था। बानी पेरेस का वंशज था। पेरेस यहूदा का पुत्र था।

5 शिलोई लोग जो यरूशलेम में रहते थे, ये थेः असायाह, सबसे बड़ा पुत्र था और असायाह के पुत्र थे।

6 जेरह लोग, जो यरूशलेम में रहते थे, ये थेः यूएल और उसके सम्बन्धी, वे सब मिलाकर छः सौ नब्बे थे।

7 बिन्यामीन के परिवार समूह से जो लोग यरूशलेम में थे, वे
ये हैं सल्लू मशुल्लाम का पुत्र था। मशुल्लाम होदव्याह का पुत्र
था। होदव्याह हस्सनूआ का पुत्र था। 8 यिब्रिय्याह यरोहाम
का पुत्र था। एला उज्जी का पुत्र था। उज्जी मिक्री का पुत्र
था। मशुल्लाम शपत्याह का पुत्र था। शपत्याह रूएल का पुत्र
था। रुएल यीब्निय्याह का पुत्र था। 9 बिन्यामीन का परिवार
इतिहास बताता है कि यरूशलेम में उनके नौ सौ छप्पन व्यक्ति
रहते थे। वे सभी व्यक्ति अपने परिवारों के प्रमुख थे।

10 ये वे याजक हैं जो यरूशलेम में रहते थेः यदायाह, यहोयारीब,
याकीन और अजर्याह! 11 अजर्याह हिलकिय्याह का पुत्र था।
हिलकिय्याह मशुल्लाम का पुत्र था। मशुल्लाम सादोक का पुत्र
था। सादोक मरायोत का पुत्र था। मरायोत अहीतूब परमेश्वर
के मन्दिर के लिये विशेष उत्तरदायी अधिकारी था। 12 वहाँ
यरोहाम का पुत्र अदयाह भी था। यरोहाम पशहूर का पुत्र था।
पशहूर मल्कियाह का पुत्र था और वहाँ अदोएल का पुत्र मासै
था। अदोएल जहजेश का पुत्र था। जेरा मशुल्लाम का पुत्र था।
मशुल्लाम मशिल्लीत का पुत्र था। मशिल्लीत इम्मेर का पुत्र था।

13 वहाँ एक हजार सात सौ साठ याजक थे। वे अपने परिवारों
के प्रमुख थे। वे परमेश्वर के मन्दिर में सेवा करने के कार्य के
लिये उत्तरदायी थे।

14 लेवी के परिवार समूह से जो लोग यरूशलेम में रहते थे, वे
ये हैः हश्शू का पुत्र शमायाह। हश्शूब अज्रीकाम का पुत्र था।
अज्रीकाम हशव्याह का पुत्र था। हशव्याह मरारी का वंशज
था। 15 यरूशलेम में बकबक्कर, हेरेश, गालाल और मत्तन्याह
भी रहे थे। मत्तन्याह मीका का पुत्र था। मीका जिक्री का पुत्र
था। जिक्री आसाप का पुत्र था। 16 ओबाद्याह शमायाह का
पुत्र था। शमायाह गालाल का पुत्र था। गालाल यदूतून का
पुत्र था और आसा का पुत्र बेरेक्याह यरूशलेम में रहता था।

आसा एल्काना का पुत्र था। अल्काना तोपा लोगों के पास
एक छोटे नगर में रहता था।
17 ये वे द्वारपाल हैं जो यरूशलेम में रहते थेः शल्लूम, अक्कूब,
तल्मोन, अहीमान और उनके सम्बन्धी। शल्लूम उनका प्रमुख
था। 18 अब ये व्यक्ति पूर्व की ओर राजा के द्वार के ठीक बाद
में खड़े रहते हैं। वे द्वारपाल लेवी परिवार समूह से थे। 19 शल्लूम
कोरे का पुत्र था। कोरे एब्यासाप का पुत्र था। एब्यासाप कोरह
का पुत्र था। शल्लूम और उसके भाई द्वारपाल थे। वे कोरे
परिवार से थे। उन्हें पवित्र तम्बू के द्वार की रक्षा करने का
कार्य करना था। वे इसे वैसे ही करते थे जैसे इनके पूर्वजों
ने इनके पहले किया था। उनेक पूर्वजों का यह कार्य था कि
वे पवित्र तम्बू के द्वार की रक्षा करें। 20 अतीत में, पीनहास
द्वारपालों का निरीक्षक था। पीनहास एलीआजर का पुत्र था।
यहोवा पीनहास के साथ था। 21 जर्कयाह पवित्र तम्बू के द्वार
का द्वारपाल था।

22 सब मिलाकर दो सौ बारह व्यक्ति पवित्र तम्बू के द्वार की रक्षा
के लिये चुने गए थे। उनके नाम उनेक परिवार इतिहास में उनके
छोटे नगरों में लिखे हुए थे। दाऊद और समूएल नबी ने उन लोगों
को चुना, क्यों कि उन पर विश्वास किया जा सकता था। 23 द्वारपालों
और उनके वंशजों का उत्तरदायित्व यहोवा के मन्दिर, पवित्र तम्बू
की रक्षा करना था। 24 वहाँ चारों तरफ द्वार थेः पूर्व, पश्चिम, उत्तर
और दक्षिण। 25 द्वारपालों के सम्बन्धियों को, जो छोटे नगर में रहते
थे, समय समय पर आकर उनको सहायता करनी पड़ती थी। वे
आते थे और हर बार सात दिन तक द्वारपोलों की सहायता करते
थे।

26 द्वारपालों के चार प्रमुख द्वारपाल वहाँ थे। वे लेवीवंशी पुरुष
थे। उनका कर्तव्य परमेश्वर के मन्दिर के कमरों और खजाने की

देखभाल करना था। 27 वे रात भर परमेश्वर के मन्दिर की रक्षा में
खड़े रहते थे और परमेश्वर के मन्दिर को प्रतिदिन प्रातः खोलने का
उनका काम था।

28 कुछ द्वारपालों का काम मन्दिर की सेवा में काम आने वाली
तश्तरियों की देखभाल करना था। वे इन तश्तरियों को तब गिनते
थे जब वे भीतर लाई जाती थीं। वे इन ततरियों को तब गिनते
थे जब वह बाहर जाती थीं। 29 अन्य द्वारपाल सज्जा—सामग्री औ
उन विशेष तश्तरियों की देखभाल के लिये चुने जाते थे। वे आटे,
दाखमधु, तेल, सुगन्धि और विशेष तेल की भी देखभाल करते थे।
30 किन्तु केवल याजक ही विशेष तेल को मिश्रित करने का काम
करते थे।

31 एक मतित्याह नामक लेवीवंशी था जिसका काम भेंट में
उपयोग के लिये रोटी पकाना था। मतित्याह शल्लूम का सबसे बड़ा
पुत्र था। शल्लूम कोरह परिवार का था। 32 द्वारपालों में से कुछ जो
कोरह परिवार के थे, प्रत्येक सब्त को मेज पर रखी जाने वाली रोटी
को तैयार करने का काम करते थे।

33 वे लेवी वंशी जो गायक थे और अपने परिवारों के प्रमुख थे,
मन्दिर के कमरों में ठहरते थे। उन्हें अन्य काम नहीं करने पड़ते थे
क्योंकि वे मन्दिर में दिन रात काम के लिये उत्तरदायी थे।

34 ये सभी लेवीवंशी अपने परिवारों के प्रमुख थे। वे अपने परिवार
के इतिहास में प्रमुख के रूप में अंकित थे। वे यरूशलेम में रहते थे।

राजा शाऊल का परिवार इतिहास

35 यीएल गिबोन का पिता था। यीएल गिबोन नगर में रहता था।
यीएल की पत्नी का नाम माका था। 36 यीएल का सबसे
बड़ा पुत्र अब्दोन था। अन्य पुत्र सूर, कीश, बाल, नेर, नादाब,
37 गदोर, अह्या, जकर्याह और मिल्कोत थे। 38 मिल्कोत
शिमाम का पिता था। यीएल का परिवार अपने सम्बन्धियों
के साथ यरूशलेम में रहता था।

39 नेर कीश का पिता था। कीश शाऊल का पिता था और शाऊल
योनातान, मल्कीश, अबीनादाब, और एशबाल का पिता था।

40 योनातान का पुत्र मरीब्बाल था। मरीब्बाल मीका का पिता
था।
41 मीका के पुत्र पीतोन, मेलेक, तहरे, और अहाज थे। 42 अहाज
जदा का पिता था। जदा यारा का पिता था* यारा आलेमेत,
अजमावेत और जिम्री का पिता था। जिम्री मोसा का पिता था।
43 मोसा बिना का पुत्र था। रपायाह बिना का पुत्र था। एलासा
रपायाह का पुत्र था और आसेल एलासा का पुत्र था।
44 आसेल के छः पुत्र थे। उनके नाम थेः अज्रीकाम, बोकरू,
यिश्माएल, शार्याह, ओबद्याह, और हनाना। वे आसेल के बच्चे
थे।

10

राजा शाऊल की मृत्यु

1 पलिश्ती लोग इस्राएल के लोगों के विरुद्ध लड़े। इस्राए के
लोग पलिश्तियों के सामने भाग खड़े हुए। बहुत से इस्राएली लगो
गिलबो पर्वत पर मारे गए। 2 पलिश्ती लोग शाऊल और उसके पुत्रों
का पीछा लगाता करते रहे। उन्होंने उनको पकड़ लिया और उन्हें
मार डाला। पलिश्तियों ने शाऊल के पुत्रों का पीछा लगातार करते
रहे। उन्होंने उनको पकड़ लिया और उन्हें मार डाला। पलिश्तियों ने
शाऊल के पुत्रों योनातान, अबीनादाब और मल्कीशू को मार डाला।
3 शाऊल के चारों ओर युद्ध घमासान हो गया। धनुर्धारियों ने शाऊल
पर अपने बाण छोड़े और उसे घायल कर दिया।

4 तब शाऊल ने अपने कवच वाहक से कहा, “अपनी तलवार
बाहर खींचों और इसका उपयोग मुझे मारने में करो। तब वे
खतनारहित जब आएंगे तो न मुझे चोट पहुँचायेंगे न ही मेरी हँसी
उड़ायेंगे।”

किन्तु शाऊल का कवच वाहक भयभीत था। उसने शाऊल को
मारना अस्वीकार किया। तब शाऊल ने आपनी तलवार का उपयोग

* **9:42:** अहाज जदा ... था हिब्रू में केवल “अहाज यारा का पिता था।”

स्वयं को मारने के लिये किया। वह अपनी तलवार की नोक पर
गिरा। 5 कवच वाहक ने देखा कि शाऊल मर गया। तब उसने स्वयं
को भी मार डाला। वह अपनी तलवार की नोक पर गिरा और मर
गया। 6 इस प्रकार शाऊल और उसके तीन पुत्र मर गए। शाऊल का
सारा परिवार एक साथ मर गया।

7 घाटी में रहने वाले इस्राएल के सभी लोगों ने देखा कि उनकी
अपनी सेना भाग गई। उन्होंने देखा कि शाऊल और उसके पुत्र मर
गए।इसलिए उन्होंने अपने नगर छोड़े और भाग गए। तब पलिश्ती
उन नगरों में आए जिन्हें इस्राएलियों ने छोड़ा दिया था और पलिश्ती
उन नगरों में रहने लगे।

8 अगले दिन, पलिश्ती लोग शवों की बहुमूल्य वस्तुएँ लेने आए।
उन्होंने शाऊल के शव और उसके पुत्रों के शवों को गिबोन पर्वत पर
पाया। 9 पलिश्तियों ने शाऊल के शव से चीजें उतारीं। उन्होंने शाऊल
का सिर और कवच लिया। उन्होंने अपने पूरे देश में अपने असत्य
देवताओं और लोगों को सूचना देने के लिये दूत भेजे। 10 पलिश्तियों
ने शाऊल के कवच को अपने असत्य देवता के मन्दिर में रखा।
उन्होंने शाऊल के सिर को दोगोन के मन्दिर में लटकाया।

11 याबेश गिलाद नगर में रहने वाले सब लोगों ने वह हर एक
बात सुनी जो पलिश्ती लोगों ने शाऊल के साथ की थी। 12 याबेश
के सभी वीर पुरुष शाऊल और उसके पुत्रों का शव लेने गए। वे
उन्हें याबेश में शाउल और उसके पूत्रों का शव लेने गए। वे उन्हे
याबेश में वापस ले आए। उन वीर पूरुषों ने शाउल और उसके पुत्रों
की अस्थियों को, याबेश में एक विशाल पेड़ के नीचे दफनाया। तब
उन्होंने अपना दुःख प्रकट किया और सात दिन तक उपवास रखा।

13 शाऊल इसलिये मरा कि वह यहोवा के प्रति विश्वासपात्र नहीं
था। शाउल ने यहोवा के आदेशों का पालन नाहीं किया। शाऊल
एक माध्यम के पास गया और 14 यहोवा को छोड़कर उससे सलाह
माँगी। यही कारण है कि यहोवा ने उसे मार डाला और यिशै के पुत्र
दाऊद को राज्य दिया।

11

दाऊद इस्राएल का राजा होता है

1 इस्राएल के सभी लोग हेब्रोन नगर में दाऊद के पास आए।
उन्होंने दाऊद से कहा, "हम तुम्हारे ही रक्त माँस हैं। 2 अतीत में,
तुमने युद्ध में हमारा संचालन किया। तुमने हमारा तब भी संचालन
किया जब शाऊल राजा था। हे दाऊद, यहोवा ने तुझ से कहा, तुम
मेरे लोगों अर्थात् इस्राएल के लोगों के गड़रिया हो। तूम मेरे लोगों
के ऊपर शासक होगे।"
3 इस्राएल के सभी प्रमुख दाऊद के पास हेब्रोन नगर में आए।
दाऊद ने हेब्रोन में उन प्रमुखों के साथ यहोवा के सामने एक वाचा
की। प्रमुखों ने दाऊद का अभिषेक किया। इस प्रकार उसे इस्राएल
का राजा बनाया गया। यहोवा ने वचन दिया था कि यह होगा।
यहोवा ने शमूएल का उपयोग यह वचन देने के लिये किया था।

दाऊद यरूशलेम पर अधिकार करता है

4 दाऊद और इस्राएल के सभी लोग यरूशलेम नगर को गए।
यरूशलेम उन दिनों यबूस कहा जाता था। उस नगर में रहने वाले
लोग यबूसी कहे जाते थे। 5 उस नगर के निवासियों ने दाऊद से
कहा, "तुम हमारे नगर के भीतर प्रवेश नहीं कर सकते।" किन्तु
दाऊद ने उन लोगों को पराजित कर दिया। दाऊद ने सिय्योन के
किले पर अधिकार कर लिया। यह स्थान "दाऊद नगर" बना।
6 दाऊद ने कहा, "वह व्यक्ति जो यबूसी लोगों पर आक्रमण का
संचालन करेगा, मेरी पूरी सेना का सेनापति होगा।" अतः योआब ने
आक्रमण का संचालन किया। योआब सरूयाह का पुत्र था। योआब
सेना का सेनापति हो गया।
7 तब दाऊद ने किले में अपना महल बनाया। यही कारण है
उसका नाम दाऊद नगर पड़ा। 8 दाऊद ने किले के चारों ओर
नगर बसाया। उसने इसे मिल्लो से नगर के चारों ओ की दीवार तक
बसाया। योआब ने नगर के अन्य भागों की मरम्मत की। 9 दाऊद
महान बनता गया। सर्वशक्तिमान यहोवा उसके साथ था।

दाऊद के विशिष्ठ वीर

10 दाऊद के विशिष्ठ वीरों के ऊपर के प्रमुखों की यह सूची हैः
ये वीर दाऊद के साथ उसके राज्य में बहुत शक्तिशाली बन गये।
उन्होंने और इस्राएल के सभी लोगों ने दाऊद की सहायाता की और
उसे राजा बनाया। यह ठीक वैसा ही हुआ जैसा परमेश्वर ने वचन
दिया था।

11 यह दाऊद के विशिष्ठ वीरों की सूची हैः

यशोबाम हक्मोनी लोगों में से था। यशोबाम रथ अधिकारियों*
का प्रमुख था। यशोबाम ने अपने भाले का उपयोग तीन सौ व्यक्तियों
से युद्ध करने के लिये किया। उसने एक ही बार में उन तीन सौ
व्यक्तियों को मार डाला

12 एलीआजार दाऊद के विशिष्ठ वीरों में दूसरा था। एलीआजार
दोदो का पुत्र था। दोदो अहोही से था। एलीआजार तीन वीरों में से
एक था। 13 एलीआजर पसदम्मीम में दाऊद के साथ था। पलिश्ती
लोग उस स्थान पर युद्ध करने आये। उस स्थान पर एक जौ से
भरा खेत था। वही स्थान, जहाँ इस्राएली लोग पलिश्ती लोगों से
भागे थे। 14 किन्तु वे तीन वीर उस खेत के बीच रुक गए थे और
पलिश्तियों से लड़े तथा उन्हें हरा डाला था और इस प्रकार यहोवा
ने इस्राएलियों को बड़ी विजय दी थी।

15 एक बार, दाऊद अदुल्लाम गुफा के पास था और पलिश्ती सेना
नीचे रपाईम की घाटी में था। तीस वीरों में से तीन वीर उस गुफा
तक, लगातार रेंगते हुए दाऊद के पास पहुँचे।

16 अन्य अवसर पर, दाऊद किले में था, और पलिश्ती सेना का
एक समूह बेतलेहेम में था। 17 दाऊद प्यासा था। अतः उसने कहा,
“मैं चाहता हूँ कि मुझे कोई थोड़ा पानी बेतलेहेम में नगर द्वार के
पास के क एँ से दें।”† दाऊद सचमुच यह नहीं चाहता था। वह

---

* **11:11:** रथ अधिकारियों या इसका अर्थ “तीस” या तीन हो सकता है। देखें 2 शमु. 23:8 † **11:17:** बेतलेहेम में ... से दें यह दाऊद का निवास स्थान था। यही कारण था कि दाऊद ने उस कुँए से पानी पीने की बात सोची।

केवल बात कर रहा था। 18 तब तीन वीरों ने पलिश्ती सेना के बीच
से युद्ध करते हुए अपना रास्ता बनाया और नगर—द्वार के निकट
बेतलेहेम के कुएँ से पानी लिया। तीनों वीर दाऊद के पास पानी ले
गए। किन्तु दाऊद ने पानी पीने से इन्कार कर दिया। उसने पानी
को यहोवा के नाम पर अर्पण कर, उडेल दिया। 19 दाऊद ने कहा,
"परमेश्वर, मैं इस पानी को नहीं पी सकता। इन व्यक्तियों ने मेरे लिये
इस पानी को लाने में अपने जीवन को खतरे में डाला। अतः यदि
मैं इस पानी को पीता हूं तो यह उनका खून पीने के समान होगा।"
इसलिये दाऊद ने उस जल को पीने से इन्कार किया। तीनों वीरों ने
उस तरह के बहुत से वीरता के काम किये।

अन्य वीर योद्धा

20 योआब का भाई, अबीशै, तीन वीरों का प्रमुख था। वह अपने
भाले से तीन सौ व्यक्तियों से लड़ा और उन्हें मार डाला। अबीशै
तीन वीरों की तरह प्रसिद्ध हो गाया। 21 अबीशै तीस विरों से अधिक
प्रसिद्ध था। वह उनका प्रमुख हो गया, यद्यपि वह तीन प्रमुख वीरों
में से नहीं था।

22 यहोयादा का पुत्र बनायाह, कबजेल का एक वीर योद्धा था।
बनायाह ने बड़े पराक्रम किये। उसने मोआब देश के दो सर्वोत्तम
व्यक्तियों को मार डाला। वह जमीन के अन्दर एक माँद में घुसा
और वहाँ एक शेर को भी मार डाला। वह उस दिन हुआ जब बर्फ
गिर रही थी। 23 बनायाह ने मिस्र के एक व्यक्ति को मार डाला। वह
व्यक्ति लगभग पाँच हाथ ऊँचा था। उ मिस्र के पुरुष के पास एक
बहुत बड़ा और भारी भाला था। यह बुनकर के करघे के विशाल
डण्डे के समान था और बनायाह के पास केवल एक लाठी थी।
किन्तु बनायाह ने मिस्री से भाला छीन लिया। बनायाह ने मिस्री के
अपने भाले का उपयोग किया और उसे मार डाला। 24 ये कार्य थे
जिन्हें योहयादा के पुत्र बनायह ने किये। बनायाह तीन वीरों की तरह
प्रसिद्ध हुआ। 25 बनायाह तीस वीरों में सबसे अधिक प्रसिद्ध था,

किन्तु वह तीन प्रमुख वीरों में सम्मिलित नहीं किया गया। दाऊद ने
बनायाह को अपने अंगरक्षकों का प्रमुख चुना।

तीस वीर

26 बलिष्ठ वीर (तीस वीर) ये थेः

असाहेल, योआब का भाई,
एल्हान, दोदो का पुत्र एल्हानान बेतलेहेम नगर का था
27 हरोरी लोगों में से शम्मोत,
पलोनी लोगों में से हेलेस;
28 इक्केश का पुत्र, ईरा, ईरा तकोई नगर का था,
अनातोत नगर का अबीएजेर,
29 होसाती लोगों में से सिब्बके,
अहोही से ईलै,
30 नतोपाई लोगों में से महरै;
बाना का पूत्र हेलेद नतोपाई लोगों में से था;
31 रीबै का पुत्र इतै, इतै बिन्यामीन के गिबा नगर से था,
पिरातोनी लोगों में से बनायाह;
32 गाश घाटीयों से हूरै;
अराबा लोगों में से अबीएल,
33 बहूरीमी लोगों में से अजमावेत
शल्बोनी लोगों में से एल्याबा,
34 हाशेम के पुत्र गीजोई हाशेम लोगों में से था
शागे का पूत्र योनातान, योनातान हरारी लोगों मे से था;
35 सकार का पुत्र अहीआम, अहीआम हरारी लोगों में से था,
ऊर का पुत्र एलीपाल,
36 मेकराई लोगों में से हेपेर,
पलोनी लोगों में से अहिय्याह,
37 कर्मेली लोगों में से हेस्रो,
एज्बै का पुत्र नारै,

38 नातान का भाई योएल,
हग्री का पुत्र मिभार,
39 अम्मोनी लोगों में से सेलेक,
बेरोती नहरै (नहरै योआब का कवचवाहक था। योआब सरूयाह
का पुत्र था)
40 येतेरी लोगों में से ईरा,
इथ्री लोगों में से गारेब,
41 हित्ती लोगों में से ऊरिय्याह;
अहलै का पुत्र जाबाद,
42 शीजा का पुत्र अदीना, शीजा रूबेन के परिवार समूह से था
(अदीना रूबेन के परिवार समूह का प्रमुख था। परन्तु वह भी
अपने साथ के तीस वीरों में से एक था।)
43 माका का पुत्र हानान,
मेतेनी लोगों में से योशापात,
44 अशतारोती लोगों में से उज्जिय्याह,
होताम के पुत्र शामा और यीएल, होताम अरोएरी लोगों में से था,
45 शिम्री का पुत्र यदीएल,
तीसी लोगों से योहा, योहा यदीएल का भाई था,
46 महवीमी लोगों में से एलीएल,
एलनाम के पुत्र यरीबै और योशव्याह,
मोआबी लोगों में से यित्मा,
47 मसोबाई लोगों में से एलीएल, ओबेद, और यासीएल।

12

वे वीर पुरुष जो दाऊद के साथ हुए

1 यह उन पुरुषों की सूची है जो दाऊद के पास आए। जब दाऊद
सिकलग नगर में था। दाऊद तब तभी कीश के पुत्र शाऊल से अपने
को छिपा रहा था। इन पुरुषों ने दाऊद को युद्ध में सहयाता दी थी।
2 ये व्यक्ति अपने दाये या बायें हाथ से धनुष से बाण द्वारा बेध

सकते थे। अपनी गुलेल से दाये या बांये हाथ से पत्थर फेंक सकते थे। वे बिन्यामीन परिवार समूह के शाऊल के सम्बन्धी थे। उनके नाम ये थेः

3 उनका प्रमुख अहीएजेर और योआज (अहीएजेर और योआज
शमाआ के पुत्र थे।) शमाआ गिबावासी लोगों में से था।
यजीएल और पेलेत (यजीएल और पेलेत अजमावेत के पुत्र
थे।), अनातोती नगर के बराका और येहू। 4 गिबोनी नगर
का यिशमायाह, (यिशमायाह तीनों वीरों के साथ एक वीर
था और वह तीन वीरों का प्रमुख भी था।), गदेरा लोगों
में से यिर्मयाह, यहजीएल, योहानान और योजाबाद, 5 एलूजै,
यरीमोत बाल्याह, और शमर्याह, हारुपी से शपत्याह, 6 कोरह
परिवार समूह से एल्काना, यिशिय्याह, अजरेल, योएजेर और
याशोबाम सभी, 7 गदोर नगर से यरोहाम के पुत्र योएला और
जबद्याह।

गादी लोग

8 गाद के परिवार समूह का एक भाग मरुभूमि में दाऊद से उसके किले में आ मिला। वे युद्ध के लिये प्रशिक्षित सैनिक थे। वे भाले और ढाल के उपयोग में कुशल थे। वे सिंह की तरह भयानक दिखते थे और वे हिरन की तरह पहाड़ों में दौड़ सकते थे।

9 गाद के परिवार समूह की सेना का प्रमुख एजेर था। ओबद्याह
अधिकार में दूसरा था। एलीआब अधिकार में तीसरा था।
10 मिश्मन्ना अधिकार में चौथा था। यिर्मयाह अधिकार में पाँचवाँ
था। 11 अत्तै अधिकार में छठा था। एलीएल अधिकार में सातवाँ
था। 12 योहानान अधिकार में आठवाँ था। एलजाबाद अधिकार में
नवाँ था। 13 यिर्मयाह अधिकार में दसवाँ था। मकबन्नै अधिकार में
ग्यारहवाँ था।

14 वे लोग गादी सेना के प्रमुख थे। उस समूह का सबसे कमजोर सैनिक भी शत्रु के सौ सैनिकों से युद्ध कर सकता था। उस समूह

का सर्वाधिक बलिष्ठ सैनिक शत्रु के एक हजार सैनिकों से युद्ध
कर सकता था। 15 गाद के परिवार समूह के वे सैनिक थे जो वर्ष
पहले महीने में यरदन के उस पार गए। यह वर्ष का वह समय था,
जब यरदान नदी में बाढ़ आयी थी। उन्होंने घाटियों में रहने वाले
सभी लोगों का पीछा करके भगाया। उन्होंने उन लोगों को पूर्व और
पश्चिम में पीछा करके भगाया।

अन्य योद्धा दाऊद के साथ आते हैं

16 बिन्यामीन और यहूदा के परिवार समूह के अन्य लोग भी
दाऊद के पास किले में आए। 17 दाऊद उनसे मिलने बाहर निकला।
दाऊद ने उनसे कहा, "यदि तुम् लोग शान्ति के साथ मेरी सहायता
करने आए हो तो, मैं तुम लोगों का स्वागत करता हूँ। मेरे साथ
रहो। किन्तु यदि तुम मेरे विरुद्ध जासूसी करने आए हो, जबकि मैंने
तुम्हारा कुछ भी बुरा नहीं किया, तो हमारे पूर्वजों का परमेश्वर देखेगा
की तुमने क्या किया और दण्ड देगा।"

18 अमासै तीस वीरों का प्रमुख था। अमासै पर आत्मा उतरी।
अमासै ने कहा,

"दाऊद हम तुम्हारे हैं।
    यिशै—पुत्र, हम तुम्हारे साथ हैं!
शान्ति, शान्ति हो तम्हारे साथ!
    शान्ति उन लोगों को जो तुम्हारी सहायता करे।
    क्यों क्योंकि तुम्हारा परमेश्वर, तुम्हारा सहायता करता है!"

तब दाऊद ने इन लोगों का स्वागत किया। उसने अपनी सेना में
उन्हें प्रमुख बनाया।

19 मनश्शे के परिवार समूह के कुछ लोग भी दाऊद के साथ
हो गये। वे दाऊद के साथ तब हुए जब वह पलिश्तियों के साथ
शाऊल से युद्ध करने गया। किन्तु दाऊद और उसके लोगों ने वास्तव

में पलिश्तियों की सहायता नहीं की। पलिश्तियों के प्रमुख दाऊद के
विषय में सहायक के रूप में बातें करते रहे, किन्तु तब उन्होंने उस
भेज देने का निर्णय लिया। उन शासकों ने कहा, “यदि दाऊद अपने
स्वामी शाऊल के पास जाएगा, तो हमारे सिर काट डाले जाएंगे!”
20 ये मनश्शे के लोग थे जो दाऊद के साथ उस समय मिले जब वह
सिकलगः अदना, योजाबाद, यदीएल, मीकाएल, योजाबाद, एलीहू
और सिल्लतै नगरों को गया। वे सभी मनेश्शे के परिवार समूह के
सेनाध्यक्ष थे। 21 वे दाऊद की सहायता बुरे लोगों से युद्ध करने में
करते थे। वे बुरे लोग पूरे देश में घुमते थे और लोगों की चीजें चुराते
थे। मनश्शे के ये सभी वीर योद्धा थे। वे दाऊद की सेना में प्रमुख
हुए।

22 दाऊद की सहायता के लिये प्रतिदिन अधिकाधिक व्यक्ति
आते रहे। इस प्रकार दाऊद के पास विशाल और शक्तिशाली सेना
हो गई।

हेब्रोन में अन्य लोग दाऊद के साथ आते हैं

23 हेब्रोन नगर में जो लोग दाऊद के पास आए, उनकी संख्या यह
है। ये व्यक्ति युद्ध के लिये तैयार थे। वे शाऊल के राज्य को, दाऊद
को देने आए। यही वह बात थी जिसे यहोवा ने कहा था कि होगा।
यह उसकी संख्या हैः

24 यहूदा के परिवार समूह से छः हजार आठ सौ व्यक्ति युद्ध के
लिये तैयार थे। वे भाले और ढाल रखते थे।
25 शिमोन के परिवार समूह से सात हजार एक सौ व्यक्ति थे। वे
युद्ध के लिये तैयार वीर सैनिक थे।
26 लेवी के परिवार समूह से चार हजार छः सौ पुरुष थे।
27 यहोयादा उस समूह में था। वह हारून के परिवार से प्रमुख
था। यहोयादा के साथ तीन हजार सात सौ पुरुष थे। 28 सादोक
भी उस समूह में था। वह वीर युवा सैनिक था। वह अपने
परिवार से बाईस अधिकारियों के साथ आया।

29 बिन्यामीन के परिवार समूह से तीन हजार पुरुष थे। वे शाऊल के सम्बन्धी थे। उस समय तक उनके अधिकाश व्यक्ति शाऊल परिवार के भक्त रहे।

30 एप्रैम के परिवार समूह से बीस हजार आठ सौ पुरुष थे। वे वीर योद्धा थे। वे अपने परिवार के प्रसिद्ध पुरुष थे।

31 मनश्शे के आधे परिवार समूह से अट्ठारह हजार पुरुष थे। उनको नाम लेकर आने को बुलाया गया और दाऊद को राजा बनाने को कहा गया।

32 इस्साकार के परिवार से दो सौ बुद्धिमान प्रमुख थे। वे इस्राएल के लिये उचित समय पर ठीक काम करना जानते थे। उनके सम्बन्धी उनके साथ थे और उनेक आदेश के पालक थे।

33 जबूलून के परिवार समूह से पचास हजार पुरुष थे। वे प्रशिक्षित सैनिक थे। वे हर प्रकार के अस्त्र शस्त्र से युद्ध के लिये तैयार थे। वे दाऊद के बहुत भक्त थे।

34 नप्ताली के परिवार समूह से एक हजार अधिकारी थे। उनके साथ सैंतीस हजार व्यक्ति थे। वे व्यक्ति भाले और ढाल लकर चलते थे।

35 दान के परिवार समूह से युद्ध के लिये तैयार अट्ठाइस हजार छः सौ पुरुष थे।

36 आशेर के परिवार समूह से युद्ध के लिये तैयार चालीस हजार प्रशिक्षित सैनिक थे।

37 यरदन नदी के पूर्व से रूबेन, गादी और मनश्शे के आधे परिवारों से एक लाख बीस हजार पुरुष थे। उन लोगों के पास हर एक प्रकार के अस्त्र शस्त्र थे।

38 वे सभी पुरुष वीर योद्धा थे। वे हेब्रोन नगर से दाऊद को सारे
इस्राएल का राजा बनाने की पूरी सलाह करके आए थे। इस्राएल
का राजा बनाने की पूरी सलाह की कि दाऊद राजा होगा। 39 उन
लोगों ने दाऊद के साथ हेब्रोन में तीन दिन बिताए। उन्होंने खाया

और पिया, क्योंकि उनके सम्बन्धियों ने उनके लिये भोजन बनाया
था। 40 जहाँ इस्सकार, जबूलून, और नप्ताली के समूह रहते थे, उस
क्षेत्र से भी उनके पड़ोसी गधे, ऊँट, खच्चर, और गायों पर भोजन
लेकर आये। वे बहुत सा आटा, अंजीर—पूड़ें, रेशिन, दाखमधु, तेल,
गाय बैल और भेड़ें लाए। इस्राएल में लोग बहुत खुश थे।

13

साक्षीपत्र के सन्दूक को वापास लाना

1 दाऊद ने अपनी रेना के सभी अधिकारियों से बात की। 2 तब
दाऊद ने इस्राएल के सभी लोगों को एक साथ बुलाया। उसने उनसे
कहाः "यदि तुम लोग इसे अच्छा विचार समझते हो और यदि
यह वही है जिसे यहोवा चाहता है, तो हम लोग अपने भाईयों को
इस्राएल के सभी क्षेत्रों में सन्देश भेजें। हम लोग उन याजकों और
लेवीवंशियों को भी सनेदश भेंजें। हम लोगो के भाईयों के साथ नगरों
और उनके निकट के खेतों में रहते है। सन्देश में उनेस आने और
हमारा साथ देने को कहा जाये। 3 हम लोग साक्षीपत्र के सन्दूक
को यरूशलेम में अपने पास वापस लायें। हम लोगों ने साक्षीपत्र के
सन्दूक की देखभाल शाऊल के शासनकाल में नहीं की।" 4 अतः
इस्राएल के सभी लोगों ने दाऊद की सलाह स्वीकार की। उन सभी
ने यही विचार किया कि यही करना ठीक है।

5 अतः दाऊद ने मिस्र की शीहोर नदी से हमात के प्रवेश द्वार तक
के सभी इस्राएल के लोगों को इकट्ठा किया। वे किर्यत्यारीम नगर
से साक्षीपत्र के सन्दूक को वापस ले जाने के लिये एक साथ आये।
6 दाऊद और इस्राएल के सभी लोग उसके साथ यहूदा के बाला
को गये।(बाल किर्यत्यारीम का दूसरा नाम है।) वे वहाँ साक्षीपत्र
के सन्दूक को लाने के लिये गए। वह साक्षीपत्र का सन्दूक यहोवा
परमेश्वर का सन्दूक है। वह करूब (स्वर्गदूत) के ऊपर बैठता है।
यही सन्दूक है जो यहोवा के नाम से पुकारी जाती है।

7 लोगों ने साक्षीपत्र के सन्दूक को अबीनादाब के घर से हटाया।
उन्होंने उस एक नयी गाड़ी में रखा। उज्जा और अह्यो गाड़ी को
चला रहे थे।
8 दाऊद और इस्राएल के सभी लोग परमेश्वर के सम्मुख उत्सव
मना रहे थे। वे परमेश्वर की स्तुति कर रहे थे तथा गीत गा रहे थे।
वे वीणा तम्बुरा, ढोल, मंजीरा और तुरही बजा रहे थे।
9 वे कीदोन की खलिहान में आए। गाड़ी खींचने वाले बैलों को
ठोकर लगी और साक्षीपत्र का सन्दूक लगभग गिर गया। उज्जा
ने सन्दूक को पकड़ने के लिये अपने हाथ आगे बढ़ाये। 10 यहोवा
उज्जा पर बहुत अधिक क्रोधित हुआ। यहोवा ने उज्जा को मार
डाला क्योंकि उसने सन्दुक को छू लिया। इस तरह उज्जा परमेश्वर
के सामने वहाँ मरा। 11 परमेश्वर ने अपना क्रोध उज्जा पर दिखाया
और इससे दाऊद क्रोधित हुआ। उस समय से अब तक वह स्थान
"पेरेसुज्जा" कहा जाता है।
12 उस दिन दाऊद परमेश्वर से डर गया। दाऊद ने कहा, "मैं
साक्षीपत्र के सन्दूक को यहाँ अपने पास नहीं ला सकता।"
13 इसलिए दाउद साक्षीपत्र के आपने साथ दाऊद नगर में नहीं ले
गया। उसने साक्षीपत्र के सन्दूक को ओबेदेदोम के घर पर छोड़ा।
ओबेदेदोम गत नगर से था। 14 साक्षीपत्र का सन्दूक ओबेदेदोम के
परिवार में उसके घर में तीन महीने रहा। यहोवा ने ओबेदेदोम के
परिवार और उसके यहाँ जो कुछ था, को आशीर्वाद दिया।

14

दाऊद का राज्य—विस्तार

1 हीराम सोर नगर का राजा था। हीराम ने दाऊद को सन्देश
वाहक भेजा। हीराम ने देवदारु के लट्ठे, संगतराश और बढ़ई भी
दाऊद के पास भेजे। हीराम ने उन्हें दाऊद के लिये एक महल बनाने
के लिये भेजा। 2 तब दाऊद समझ सका कि यहोवा ने उसे सच ही
इस्राएल का राजा बनाया है। यहोवा ने दाऊद के राज्य को बहुत

विस्तृत और शक्तिशाली बनाया। परमेश्वर ने यह इसलिये किया कि वह दाऊद और इस्राएल के लोगों से प्रेम करता था।
3 दाऊद ने यरूशलेम में बहुत सी स्त्रियों के साथ विवाह
किया और उसके बहुत से पुत्र और पुत्रियाँ हुई। 4 यरूशलेम
में उत्पन्न हुई दाऊद की संतानों के नाम ये हैः शम्मू, शोबाब,
नातान, सुलैमान, 5 यिभार, एलीशू, एलपेलेत, 6 नोगह, नेपेग, यापी,
7 एलीशामा, बेल्यादा, और एलीपेलेद।

दाऊद पलिश्तियों को पराजित करता है

8 पलिश्ती लोगों ने सुना कि दाऊद का अभिषेक इस्राएल के
राजा के रूप में हुआ है। अतः सभी पलिश्ती लोग दाऊद की खोज
में गए। दाऊद ने इसके बारे में सुना। तब वह पलिश्ती लोगों से
लड़ने गया। 9 पलिश्तियों ने रपाईम की घाटी में रहने वाले लोगों
पर आक्रमण किया और उनकी चीजें चुराई। 10 दाऊद ने परमेश्वर
से पूछा, "क्या मुझे जाना चाहिये और पलिश्ती लोगों से युद्ध करना
चाहिये क्या तू मुझे उनको परास्त करने देगा?"

यहोवा ने दाऊद को उत्तर दिया, "जाओ। मैं तुम्हें पलिश्ती लोगों को हराने दूँगा।"

11 तब दाऊद और उसके लोग बालपरासीम नगर तक गए। वहाँ
दाऊद और उसके लोगों ने पलिश्ती लोगों को हराया। दाऊद ने
कहा, "टूटे बाँध से पानी फूट पड़ता है। उसी प्रकार, परमेश्वर मेरे
शत्रुओं पर फूट पड़ा है! परमेश्वर ने यह मेरे माध्यम से किया है।"
12 पलिश्ती लोगों ने अपनी मूर्तियों को बालपरासीम में छोड़ दिया।
दाऊद ने उन मूर्तियों को जला देने का आदेश दिया।

पलिश्ती लोगों पर अन्य विज्य

13 पलिश्तियों ने रपाईम घाटी में रहने वाले लोगों पर फिर
आक्रमण किया। 14 दाऊद ने फिर परमेश्वर से प्रार्थना की। परमेश्वर ने
दाऊद की प्रार्थना का उत्तर दिया। परमेश्वर ने कहा, "दाऊद, जब तुम
आक्रमण करो तो पलिश्ती लोगों के पीछे पहाड़ी पर मत जाओ।

इसके बदले, उनके चारों ओर जाओ। वहाँ छिपो, जहाँ मोखा के
पेड़ हैं। 15 एक प्रहरी को पेड़ की चोटी पर चढ़ने को कहो। जैसे ही
वह पेड़ों की चोटी से उनकी चढ़ाई करने की आवाज को सुनेगा,
उसी समय पलिश्तियों पर आक्रमण करो। मैं(परमेश्वर) तुम्हारे सामने
आऊँगा और पलिश्ती सेना को हराऊँगा!” 16 दाऊद ने वही किया
जो परमेश्वर ने करने को कहा। इसलिये दाऊद और उसकी सेना
ने पलिश्ती सेना को हराया। उन्होंने पलिश्ती सैनिकों को लगातार
गिबोन नगर से गेजर नगर तक मारा। 17 इस प्रकार दाऊद सभी देशों
में प्रसिद्ध हो गया। यहोवा ने सभी राष्ट्रों के हृदय में उसका डर बैठा
दिया।

15

साक्षीपत्र का सन्दूक यरूशलेम में

1 दाऊद ने दाऊद नगर में अपने लिये महल बनवाया। तब उसने
साक्षीपत्र के सन्दूक के लिये एक स्थान बनाया। उसने इसके लिये
एक तम्बू डाला। 2 तब दाऊद ने कहा, “केवल लेवीवंशियों को
साक्षीपत्र का सन्दूक ले चलने की स्वीकृति है। यहोवा ने उन्हें
साक्षीपत्र का सन्दूक ले चलने और उसकी सदैव सेवा के लिये
चुना है।”

3 दाऊद ने इस्राएल के सभी लोगों को यरूशलेम में एक साथ
मिलने के लिये बुलाया जब तक लेवीवंशी साक्षीपत्र के सन्दूक को
उस स्थान पर लेकर आये जो उसने उसके लिये बनाया था। 4 दाऊद
ने हारून के वंशजों और लेवीवंशियों को एक साथ बुलाया।

5 कहात परिवार समूह से एक सौ बीस व्यक्ति थे। ऊरीएल उनका प्रमुख था।

6 मरारी के परिवार समूह से दो सौ बीस लोग थे। असायाह उनका प्रमुख था।

7 गेर्शोमियों के परिवार समूह के एक सौ तीस लोग थे। योएल उनका प्रमुख था।

8 एलीसापान के परिवार समूह के दो सौ लोग थे। शमायाह उनका प्रमुख था।

9 हेब्रोन के परिवार समूह के अस्सी लोग थे। एलीएल उनका प्रमुख था।

10 उज्जीएल के परिवार समूह के एक सौ बारह लोग थे। अम्मीनादाब उनका प्रमुख था।

याजकों और लेवीवंशियों से दाऊद बातें करता है

11 तब दाऊद ने सादोक और एब्यातार याजकों से कहा कि वे
उसके पास आएं। दाऊद ने ऊरीएल, असायाह, योएल, शमायाह
और अम्मीनादाब लेवीवंशियों को भी अपने पास बुलाया। 12 दाऊद
ने उसने से कहा,"तुम लोग लेवी परिवार समूह से प्रमुख हो।
तुम्हें अपने और अन्य लेवीवंशियो को पवित्र बनाना चाहिये। तब
साक्षीपत्र के सन्दूक को उस स्थान पर लाओ, जिसे मैंने उसके लिये
बनाया है। 13 पिछली बार हम लोगों ने यहोवा परमेश्वर से नहीं पूछा
कि साक्षीपत्र के सन्दूक को हम कैसे ले चले। लेवीवंशियों, तुम इसे
नहीं ले चले, यही कारण था कि यहोवा ने हमें दण्ड दिया।"

14 तब याजक और लेवीवंशियों ने अपने को पवित्र किया
जिससे वे इस्राएल के यहोवा परमेश्वर के सन्दूक को लेकर चल
सकें। 15 लेवीवंशियों ने विशेष डंडों का उपयोग, अपने कन्धों पर
साक्षीपत्र के सन्दूक को ले चलने के लिये किया जैसै मूसा का
आदेश था। वे सन्दूक को उस प्रकार ले चले जैसा यहोवा ने कहा
था।

गायक

16 दाऊद ने लेनीवंशियों को उनके गायक भाईयों को लाने के
लिये कहा। गायकों को अपनी वीणा, तम्बूरा और मंजीरा लाना था
तथा प्रसन्नता के गीत गाना था।

17 तब लेवीवंशियों ने हेमान और उसके भाईयों आसाप और
एतान को बुलाया। हेमान योएल का पुत्र था। आसाप बेरेक्याह का
पुत्र था। एतान कूशायाह का पुत्र था। ये व्यक्ति मरारी परिवार समूह

के थे। 18 वहाँ लेवीवंशियों का दूसार समूह भी था वे जर्कयाह,
याजीएल, शमीरामोत, यहीएल, उन्नी, एलीआब, बनायाह, मासेयाह,
मत्तित्याह, एलीपलेह, मिकनेयाह, ओबेदेदोम और पीएल थे। ये लोग
लेवीवंश के रक्षक थे।

19 गायक हेमान, आसाप और एतान काँसे का मँजीरा बजा रहे थे।
20 जकर्याह, अजीएल, शमीरामोत, यहीएल, उन्नी, एलीआब, मासेयेह
और बनायाह अलामोत वीणा बजा रहे थे। 21 मत्तित्याह, एलीपलेह,
मिकनेयाह, ओबेदेदोम, यीएल और अजज्याह शेमिनिथ तम्बूरा बजा
रहे थे। यह उनका सदैव का काम था। 22 लेवीवंशी प्रमुख कनन्याह
गायन का प्रबन्धक था। कनन्याह को यह काम मिला था क्योंकि
वह गाने में बहुत अधिक कुशल था।

23 वेरेक्याह और एल्काना साक्षीपत्र के सन्दूक के रक्षकों में
से दो थे। 24 याजक शबन्याह, योशापत, नतनेल, अमासै, जकर्याह,
बनायाह और एलीएजेर का काम साक्षीपत्र के सन्दूक के सामने
चलते समय तुरही बजाना था। ओबेदेदोम और यहिय्याह साक्षीपत्र
के सन्दूक के लिये अन्य रक्षक थे।

25 दाऊद, इस्राएल के अग्रज (प्रमुख) और सेनापति साक्षीपत्र के
सन्दूक को लेने गए। वे उसे ओबेदेदोम के घर से बाहर लाए। हर
एक बहुत प्रसन्न था। 26 परमेश्वर ने उन लेवीवंशियों की सहायता
की जो यहोवा के साक्षीपत्र के सन्दूक को लेकर चल रहे थे।
उन्होंने सात बैलों और सात मेढ़ों की बलि दी। 27 सभी लेवीवंशी
जो साक्षीपत्र के सन्दूक को लेकर चल रहे थे, उत्तम सन के चोगे
पहने थे। गायन का प्रबन्धक कनन्याह और सभी गायक उत्तन सन
के चोगे पहने थे और दाऊद भी उत्तम सन का बना एपोद पहने था।

28 इस प्रकार इस्राएल के सारे लोग यहोवा के साक्षीपत्र के
सन्दूक को ले आए। उन्होंने उद्घोष किया, उन्होंने मेढ़े की सिंगी
और तुरही बजाई और उन्होंने मँजीरे, वीणा और तम्बूरे बजाए।

29 जब साक्षीपत्र का सन्दूक दाऊद नगर में पहुँचा, मीकल ने
खिड़की से देखा। मीकल शाऊल की पुत्री थी। उसने राजा दाऊद
को चारों ओर नाचते और बजाते देखा। उसने अपने हृदय में दाऊद
के प्रति सम्मान को खो दिया उसने सोचा कि वह मूर्ख बन रहा है।

16

1 लेवीवंशी साक्षीपत्र का सन्दूक ले आए और उसे उस तम्बू में
रखा जिसे दाऊद ने इसके लिये खड़ी कर रखी थी। तब उन्होंने
परमेश्वर को होमबलि मेलबलि चढ़ाई। 2 जब दाऊद होमबलि और
मेलबलि देना पूरा कर चुका तब उसने लोगों को आशीर्वाद देने के
लिये यहोवा का नाम लिया। 3 तब उसने हर एक इस्राएली स्त्री—
पुरुष को एक—एक रोटी, खजूर और किशमिश दिया।

4 तब दाऊद ने साक्षीपत्र के सन्दूक के सामने सेवा के लिये कुछ
लेवीवंशियों को चुना। उन लेवीवंशियों को इस्राएलियों के यहोवा
परमेश्वर के लिये उत्सवों को मनाने, आभार व्यक्त करने और स्तुति
करने का काम सौंपा गया। 5 आसाप, प्रथम समूह का प्रमुख था।
आसाप का समूह सारंगी बजाता था। जकर्याह दूसरे समूह का प्रमुख
था। अन्य लेवीवंशी ये थेः यीएल, शमीरामोत, यहीएल, मत्तित्याह,
एलीआब बनायाह, ओबेदेदोम और यीएल। ये व्यक्ति वीणा और
तम्बूरा बजाते थे। 6 बनायाह और यहजीएल ऐसे याजक थे जो
साक्षीपत्र के सन्दूक के सामने सदैव तुरही बजाते थे। 7 यह वही
समय था जब दाऊद ने पहली बार आसाप और उसके भाईयों को
यहोवा की स्तुति करने का काम दिया।

दाऊद का आभार गीत

8 यहोवा की स्तुति करो उसका नाम लो
 लोगों में उन महान कार्यों का वर्णन करो—जिन्हें यहोवा ने किया है।
9 यहोवा के गीत गाओ, यहोवा की स्तुतियाँ गाओ।
 उसके सभी अद्भूत कामों का गुणगान करो।

10-11 यहोवा के पवित्र नाम पर गर्व करो।
सभी लोग जो यहोवा की सहायता के लिये
उसके पास जाओ।
12 उन अद्भूत कार्यों को याद करो जो यहोवा ने किये हैं।
उसके निर्णयों को याद रखो और शक्तिपूर्ण कार्यों को जो उसे
किये।
13 इस्राएल की सन्तानें यहोवा के सेवक हैं।
याकूब के वंशज, यहोवा द्वारा चुने लोग हैं।
14 यहोवा हमारा परमेश्वर है,
उसकी शक्ति चारों तरफ है।
15 उसकी वाचा को सदैव याद रखो,
उसने अपने आदेश—सहस्र पीढ़ियों के लिये दिये हैं।
16 यह वाचा है जिसे यहोवा ने इब्राहीम के साथ किया था।
यह प्रतिज्ञा है जो यहोवा ने इसहाक के साथ की।
17 यहोवा ने इसे याकूब के लोगों के लिये नियम बनाया।
यह वाचा इस्राएल के साथ है— जो सदैव बनी रहेगी।
18 यहोवा ने इस्राएल से कहा, थाः "मैं कनान देश तुझे दूँगा।
यह प्रतिज्ञा का प्रदेश तुम्हारा होगा।"

19 परमेश्वर के लोग संख्या में थोड़े थे।
वे उस देश में अजनबी थे।
20 वे एक राष्ट्र से दूसरे राष्ट्र को गए।
वे एक राज्य से दुसरे राज्य को गए।
21 किन्तु यहोवा ने किसी को उन्हें चोट पहुँचाने न दी।
यहोवा ने राजाओं को चेतावनी दी के वे उन्हें चोट न पहुँचायें।
22 यहोवा ने उन राजाओं से कहा, "मेरे चुने लोगों को चोट न
पहुँचाओ।
मेरे नबियों को चोट न पहुँचाओ।"
23 यहोवा के लिये पूरी धरती पर गुणगान करो, प्रतिदिन तुम्हें,

यहोवा द्वारा हमारी रक्षा के शुभ समाचार बताना चाहिए।
24 यहोवा के प्रताप को सभी राष्ट्रों से कहो।
यहोवा के अद्भुत कार्यों को सभी लोगों से कहो।
25 यहोवा महान है, यहोवा की स्तुति होनी चाहिये।
यहोवा अन्य देवताओं से अधिक भय योग्य है।
26 क्यों क्योंकि उन लोगों के सभी देवता मात्र मूर्तियाँ हैं।
किन्तु यहोवा ने आकाश को बनाया।
27 यहोवा प्रतापी और सम्मानित है।
यहोवा एक तेज चमकती ज्योति की तरह है।
28 परिवार और लोग,
यहोवा के प्रताप और शक्ति की स्तुति करते हैं।
29 यहोवा के प्रताप की स्तुति करो। उसके नाम को सम्मान दो।
यहोवा को अपनी भेंटें चढ़ाओ,
यहोवा और उसके पवित्र सौन्दर्य की उपासना करो।
30 यहोवा के सामने भय से सारी धरती काँपनी चाहिये।
किन्तु उसने धरती को दृढ़ किया, अतः संसार हिलेगा नहीं।
31 धरती आकाश को आनन्द में झुमने दो।
चारों ओर लोगों को कहने दो, “यहोवा शासन करता है।”
32 सागर और इसमें की सभी चीजों को चिल्लाने दो!
खेतों और उनमें की हर एक चीज को अपना आनन्द व्यक्त करने दो।
33 यहोवा के सामने वन के वृक्ष आनन्द से गायेंगे।
क्यों क्योंकि यहोवा आ रहा है। वह संसार का न्याय करने आ रहा है।
34 अहा! यहोवा को धन्यवाद दो, वह अच्छा है।
यहोवा का प्रेम सदा बना रहता है।
35 यहोवा से कहो,
“हे परमेश्वर, हमारे रक्षक, हमारी रक्षा कर।
हम लोगों को एक साथ इकट्ठा करो,
और हमें अन्य राष्ट्रों से बचाओ।

और तब हम तुम्हारे पवित्र नाम की स्तुति कर सकते है।
तब हम तेरी स्तुति अपने गीतों से कर सकते हैं।”
36 इस्राएल के यहोवा परमेश्वर की सदा स्तुति होती रहे
जैसे कि सदैव उसकी प्रशंसा होती रही है।

सभी लोगों ने कहा, “आमीन” उनहोंने यहोवा की स्तुति की।

37 तब दाऊद ने आसाप और उसके भाईयों को वहाँ यहोवा
के साक्षीपत्र के सन्दूक के सामने छोड़ा। दाऊद ने उन्हें उसके
सामने प्रतिदिन सेवा करने के लिये छोड़ा। 38 दाऊद ने आसाप और
उसके भाईयों के साथ सेवा करने के लिये ओबेदेदोन और अन्य
अड़सठ लेवीवंशियों को छोड़ा। ओबेदेदोम और यदूतून रक्षक थे।
ओबेदेदोम यदूतून का पुत्र था।

39 दाऊद ने याजक सादोक और अन्य याजकों को जो गिबोन में
उच्च स्थान पर यहोवा के तम्बू के सामने उसके साथ सेवा करते थे,
छोड़ा। 40 हर सुबह शाम सादोक तथा अन्य याजक होमबिल की
वेदी पर होमबलि चढ़ाते थे। वे यह यहोवा के व्यवस्था में लिखे
गए उन नियमों का पालन करने के लिये करते थे जिन्हें यहोवा
ने इस्राएल को दिया था। 41 हेमान और यदूतून तथा सभी अन्य
लेवीवंशी यहोवा का स्तुतिगान करने के लिये नाम लेकर चुने गये
थे क्योंकि यहोवा का प्रेम सदैव बना रहता है! 42 हेमान और यदूतन
उनके साथ थे। उनका काम तुरही और मँजीरा बजाना था। वे अन्य
संगीत वाद्य बजाने का काम भी करते थे, जब परमेश्वर की स्तुति
के गीत गाये जाते थे। यदूतून का पुत्र द्वार की रखवाली करता था।

43 उत्सव मनाने के बाद, सभी लोग चले गए। हर एक व्यक्ति
अपने अपने घर चला गया और दाऊद भी अपने परिवार को
आशीर्वाद देकर अपने घर गया।

17

परमेश्वर ने दाऊद को वचन दिया

1 दाऊद ने अपने घर चले जाने के बाद नातान नबी से कहा,
"देखो, मैं देवदारू से बने घर में रह रहा हूँ, किन्तु यहोवा का
साक्षीपत्र का सन्दूक तम्बू में रखा है। मैं परमेश्वर के लिये एक
मन्दिर बनाना चाहता हूँ।"

2 नातान ने दाऊद को उत्तर दिया, "तुम जो कुछ करना चाहते हो,
कर सकते हो। परमेश्वर तुम्हारे साथ है।"

3 किन्तु परमेश्वर का सन्देश उस रात नातान को मिला। 4 परमेश्वर
ने कहा,

"जाओ और मेरे सेवक दाऊद से यह कहोः यहोवा यह कहता
है, 'दाऊद, तुम मेरे रहने के लिये गृह नहीं बनाओगे। 5-6 जब से मैं
इस्राएल को मिस्र से बाहर लाया तब से अब तक, मैं गृह में नहीं
रहा हूँ। मैं एक तम्बू में चारों ओर घूमता रहा हूँ। मैंने इस्राएल के
लोगों का विशेष प्रमुख बनने के लिये लोगों को चुना। वे प्रमुख
मेरे लोगों के लिये गड़रिये के समान थे। जिस समय मैं इस्राएल में
विभिन्न स्थानों पर चारों ओर घूम रहा था, उस समय मैंने किसी
प्रमुख से यह नहीं कहाः तुमने मेरे लिये देवदारू वृक्ष का गृह
क्यों नहीं बनाया है?'

7 "अब, तुम मेरे सेवक दाऊद से कहोः सर्वशक्तिमान यहोवा
तुमसे कहता है, 'मैंने तुमको मैदानों से और भेड़ों की देखभाल
करने से हटाया। मैने तुमको अपने इस्राएली लोगों का शासक
बनाया। 8 तुम जहाँ गए, मैं तुम्हारे साथ रहा। मैं तुम्हारे आगे—
आगे चला और मैंने तुम्हारे शत्रुओं को मारा। अब मैं तुम्हें पृथ्वी
पर सर्वाधिक प्रसिद्ध व्यक्तियों में से एक बना रहा हूँ। 9 मैं यह
स्थान अपने इस्राएल के लोगों को दे रहा हूँ। वे वहाँ अपने वृक्ष
लगायेंगे और वे उन वृक्षों के नीचे शान्ति के साथ बैठेंगे। वे अब
आगे और परेशान नहीं किये जाएंगे। बुरे लोग उन्हें वैसे चोट
नहीं पहुँचाऐंगे जैसा उन्होंने पहले पुहँचाया था। 10 वे बुरी बातें

हुई, किन्तु मैंने अपने इस्राएली लोगों की रक्षा के लिये प्रमुख चुने
और मैं तुम्हारे सभी शत्रओं को भी हराऊँगा।

“ ‘मैं तुमसे कहता हूँ कि यहोवा तुम्हारे लिये एक घराना
बनाएग।* 11 जब तुम मरोगे और अपने पूर्वजों से जा मिलोगे, तब
तुम्हारे निज पुत्र को नया राजा होने दूँगा। नया राजा तुम्हारे पुत्रों में
से एक होगा और मैं राज्य को शक्तिशाली बनाऊँगा। 12 तुम्हारा
पुत्र मेरे लिये एक गृह बनाएगा। मैं तुम्हारे पुत्र के परिवार को सदा
के लिये शासक बनाऊँगा। 13 मैं उसका पिता बनूँगा और वह
मेरा पुत्र होगा। शाऊल तुम्हारे पहले राजा था और मैंने शाऊल
से अपनी सहायता हटा ली किन्तु मैं तुम्हारे पुत्र से प्रेम करना
कभी कम नहीं करूँगा। 14 मैं उसे उसका शासन सदैव चलता
रहेगा!’ ”

15 नातान ने अपने इस दर्शन और परमेश्वर ने जो सभी बातें कही
थीं उनके विषय में दाऊद से कहा।

दाऊद की प्रार्थना

16 तब दाऊद पवित्र तम्बू में गया और यहोवा के सामने बैठा।
दाऊद ने कहा,

“यहोवा परमेश्वर, तूने मेरे लिये और मेरे परिवार के लिये इतना
अधिक किया है और मैं नहीं समझता कि क्यों 17 उन बातों के
अतिरिक्त, तू मुझे बता कि भविष्य में मेरे परिवार पर क्या घटित
होगा। तूने मरे प्रति एक अत्यन्त महत्वपूर्ण व्यक्ति जैसा व्यवहार
किया है। 18 मैं और अधिक क्या कह सकता हूँ तूने मेरे लिये
इतना अधिक किया है और मैं केवल तेरा सेवक हूँ। यह तू
जानता है 19 यहोवा, तूने यह अदभूत कार्य मेरे लिए किया है और

---

* **17:10:** मैं ... बनाएगा इसका अर्थ कोई यथार्थ घर से सम्बन्ध नहीं रखना। इसका अर्थ है कि यहोवा दाऊद के परिवार से अनेक वर्षो तक व्यक्ति को राजा बनाता रहेगा।

यह तूने किया क्योंकि तू करना चाहता था। 20 यहोवा, तेरे समान
और कोई नहीं है। तेरे अतिरिक्त कोई परमेश्वर नहीं है। हम लोगों
ने कभी किसी देवता को ऐसे अद्भूत कार्य करते नहीं सुना है!
21 क्या इस्राएल के समान अन्य कोई राष्ट्र है? नहीं! इस्राएल ही
पृथ्वी पर एकमात्र राष्ट्र है जिसके लिये तूने यह अद्भूत कार्य
किया। तूने हमैं मिस्र से बाहर निकाला और हमें स्वतन्त्र किया।
तूने अपने को प्रसिद्ध किया। तू अपने लोगों के सामने आया और
अन्य लोगों को हमारे लिये भूमि छोड़ने को विवश किया। 22 तूने
इस्राएली को सदा के लिये अपना बनाया और यहोवा तू उसका
परमेश्वर हुआ!

23 "यहोवा, तूने यह प्रतिज्ञा मुझसे और मेरे परिवार से की है।
अब से तू सदा के लिये इस प्रतिज्ञा को बनाये रख। वह कर
जो तूने करने को कहा! 24 अपनी प्रतिज्ञा को पूरा कर। जिससे
लोग तेरे नाम का सम्मान सदा के लिये कर सकें। लोग कहेंगे,
'सर्वशक्तिशाली यहोवा इस्राएल का परमेश्वर है!' मैं तेरा सेवक
हूँ! कृपया मेरे परिवार को शक्तिशाली होने दे और वह तेरी सेवा
सदा करता रहे।

25 "मेरे परमेश्वर, तूने मुझसे (अपने सेवक) कहा, कि तू मेरे
परिवार को एक राजपरिवार बनायेगा। इसलिये मैं तेरे सामने
इतना निडर हो रहा हूँ, इसीलिए मैं तुझसे ये सब चीजें करने
केलिये कह रहा हूँ। 26 यहोवा, तू परमेश्वर है और परमेश्वर तूने
इन अच्छी चीजों की प्रतिज्ञा मेरे लिये की है। 27 यहोवा, तू मेरे
परिवार को आशीष देने में इतना अदिक दयालू रहा है। तूने
प्रतिज्ञा की, कि मेरा परिवार तेरी सेवा सदैव करता रहेगा। यहोवा
तूने मेरे परिवार को आशीष दी है, अतः मेरा परिवार सदा आशीष
पाएगा!"

18

दाऊद विभिन्न राष्ट्रों को जीत लेता है

1 बाद में दाऊद ने पलिश्ती लोगों पर आक्रमण किया। उसने उन्हें
हराया। उसने गत नगर और उसके चारों ओर के नगरों को पलिश्ती
लोगों से जीत लिया।
2 तब दाऊद ने मोआब देश को हराया। मोआबी लोग दाऊद के
सेवक बन गए। वे दाऊद के पास भेटें लाए।
3 दाऊद हदरेजेर की सेना के विरुद्ध भी लड़ा। हदरेजेर सोबा
का राजा था। दाऊद उस सेना के विरुद्ध लड़ा। दाऊद लगातार
हमात नगर तक उस सेना से लड़ा। दाऊद ने यह इसलिये किया कि
हदरजेर ने आपने राज्य को लगातार परात नदी तक फैलाना चाहा।
4 दाऊद ने हदरेजेर के एक हजार रथ, सात हजार सारथी और बीस
हजार सैनिक लिये। दाऊद ने हदरेजेर के अधिकांश घोड़ों को अंग—
भंग कर दिया जो रथ खींचते थे। किन्तु दाऊद ने सौ रथों को खींचने
के लिये पर्याप्त घोड़े बचा लिये।
5 दमिश्क नगर से अरामी लोग हदरेजेर की सहायता करने के
लिये आए। हदरेजेर सोबा का राजा था। किन्तु दाऊद ने बाईस
हजार अरामी सैनिकों को पराजित किया और मार डाला। 6 तब
दाऊद ने दमिश्क नगर में किले बनवाए। अरामी लोग दाउद के
सेवक बन गए और उसके पास भेंटे लेकर आये। अतः यहोवा ने
दाऊद को, जहाँ कहीं वह गया, विजय दी।
7 दाऊद ने हदरेजेर के सेनापतियों से सोने की ढालें लीं और उन्हें
यरूशलेम ले आया। 8 दाऊद ने तिभत औ कून नगरों से अत्याधिक
काँसा प्राप्त किया। वे नगर हदरेजेर के थे। बाद में, सुलैमान ने इस
काँसे का उपयोग काँसे की होदे, काँसे के स्तम्भ और वे अन्य चीजें
बनाने में किया जो मन्दिर के लिये काँसे से बनी थी।
9 तोऊ हमात नगर का राजा था। हदरेजेर सोबा का राजा था।
तोऊ ने सुना कि दाऊद ने हदरेजेर की सारी सेना को पराजित कर
दिया। 10 अतः तोऊ ने अपने पुत्र हदोराम को राजा दाऊद के पास
शान्ति की याचना करने और आशीर्वाद पाने के लिये भेजा। उसने

यह किया क्योंकि दाऊद ने हदरेजेर के विरुद्ध युद्ध किया था और
उसे हराया था। पहले हदरेजेर ने तोऊ से युद्ध किया था। हदोराम ने
दाऊद को हर एक प्रकार की सोने, चाँदी और काँसे से बनी चीजें
दीं। 11 राजा दाऊद ने उन चीजों को पवित्र बनाया और यहोवा को
दिया। दाऊद ने ऐसा उस सारे चाँदी, सोने के साथ किया जिसे उसे
एदोमी, मोआबी, अम्मोनी पलिश्ती और अमालेकी लोगों से प्राप्त
किया था।

12 सरुयाह के पुत्र अबीशै ने नमक घाटी में अट्ठारह हजार एदोमी
लोगों को मारा। 13 अबीशै ने एदोम में किले बनाए और सभी एदोमी
लोग दाऊद के सेवक हो गए। दाऊद जहाँ कही भी गया, यहोवा ने
उसे विजय दी।

दाऊद के महत्वपूर्ण अधिकारी

14 दाऊद पूरे इस्राएल का राजा था। उसने वही किया जो सबके
लिये उचित और न्यायपूर्ण था। 15 सरुयाह का पुत्र योआब, दाऊद
की सेना का सेनापति था। अहीलूद के पुत्र यहोशापात ने उन कामों
के विषय में लिखा जो दाऊद ने किये। 16 सादोक और अबीमेलेक
याजक थे। सादोक अहीतूब का पुत्र था और अबीमेलेक एब्यातार
का पुत्र था। शबशा शास्त्री था। 17 बनायाह करेतियों और पलेती*
लोगों के मार्गदर्शन का उत्तरदायी था बनायाह यहोयादा का पुत्र था
और दाऊद के पुत्र विशेष अधिकारी थे। वे राजा दाऊद के साथ
सेवारत थे।

19

अम्मोनी दाऊद के लोगों को लज्जित करते हैं

1 नाहाश अम्मोनी लोगों का राजा था। नाहाश मरा, और उसका
पुत्र नया राजा बना। 2 तब दाऊद ने कहा, “नाहाश मेरे प्रति दयालु
था, इसलिए मैं नाहाश के पुत्र हानून के प्रति दायालु रहूँगा।” अतः

---

* **18:17:** करेतियों और पलेती ये लोग राजा के अंगरक्षक थे।

दाऊद ने अपने दूतों को उसके पिता को मृत्यु पर सांत्वना देने भेजे। दाऊद के दूत हानून को सांन्तवा देने अम्मोन देश को गए।

3 किन्तु अम्मोनी प्रमिखों ने हानून से कहा, "मूर्ख मत बनो। दाऊद ने सच्चे भाव से तुम्हें सांत्वना देने के लिये या तुम्हारे मृत पिता को सम्मान देने के लिये नहीं भेजा है! नहीं, दाऊद ने अपने सेवकों को तुम्हारी और तुम्हारे देश की जासूसी करने को भेजा है। दाऊद वस्तुतः तुम्हारे देश को नष्ट करना चाहता है!"
4 इसलिये हानून ने दाऊद के सेवकों को बन्दी बनाया और उनकी दाढ़ी मुड़ाव् दी* हानून ने कमर तक उनके वस्त्रों की छोर को कटवा दिया। तब उसने उन्हें विदा कर दिया।

5 दाऊद के व्यक्ति इतने लज्जित हुए कि वे घर को नहीं जा सकते थे। कुछ लोग दाऊद के पास गए और बताया कि उसके व्यक्तियों के साथ कैसा बर्ताव हुआ। इसलिये राजा दाऊद ने अपने लोगों के पास यह सूचना भेजा: "तुम लोग यरीहो नगर में तब तक रहो जब तक फिर दाढ़ी न उग आए। तब तुम घर वापस आ सकते हो।"

6 अम्मोनी लोगों ने देखा कि उन्होंने अपने आपको दाऊद का घृणित शुत्र बना दिया है। तब हानून और अम्मोनी लोगों ने पचहत्तर हजार पौंड चाँदी, रथ और सारथियों को मेसोपोटामियाँ से खरीदने में लगाया। उन्होंने अराम में अरम्माका और सोबा नगरों से भी रथ और सारथी प्राप्त किये।
7 अम्मोनी लोगों ने बत्तीस हजार रथ खरीदे। उन्होंने माका के राजा को और उसकी सेना को भी आने और सहायता करने के लिये भुगतान किया। माका का राजा और उसके लोग आए और उन्होंने मेदबा नगर के पास अपना डेरा डाला। अम्मोनी लोग स्वयं अपने नगरों से बाहर आए और युद्ध के लिये तैयार हो गये।

8 दाऊद ने सुना कि अम्मोनी लोग युद्ध के लिये तैयार हो रहे हैं। इसलिये उसने योआब और इस्राएल की पूरी सेना को अम्मोनी

---

* **19:4:** दाढ़ी मुड़ावा दी इस्राएली के लिये अपनी दाढ़ी कटवाना मुसा के नियम के विरुद्ध था।

लोगों से युद्ध करने के लिये भेजा। 9 अम्मोनी लोग बाहर निकले
तथा युद्ध के लिये तैयार हो गए। वे नगर द्वार के पास थे। जो राजा
सहायता के लिये आए थे, वे स्वयं खुले मैदान में खड़े थे।

10 योआब ने देखा कि उसके विरुद्ध लड़ने वाली सेना के दो मोर्चे
थे। एक मोर्चा उसके सामने था और दूसरा उसके पीछे था। इसलिये
योआब ने इस्राएल के कुछ सर्वोत्तम योद्धाओं को चुना। उसने उन्हें
अराम की सेना से लड़ने के लिये भेजा। 11 योआब ने इस्राएल की
शेष सेना को अबीशै के सेनापतित्व में रखा। अबीशै योआब का
भाई था। वे सैनिक अम्मोनी सेना के विरुद्ध लड़ने गये। 12 योआब ने
अबिशै से कहा, "यदि अरामी सेना मेरे लिये अत्याधिक शक्तिशाली
पड़े तो तम्हें मेरी सहायता करनी होगी। किन्तु यदि अम्मोनी सेना
तुम्हारे लिये अत्याधिक शक्तिशाली प्रामाणित होगी तो मैं तुम्हारी
सहायता करूँगा। 13 हम अपने लोगों तथा अपने परमेश्वर के नगरों
के लिये युद्ध करते समय वीर और दृढ़ बनें। यहोवा वह करे जिसे
वह उचित मानता है।"

14 योआब और उसके साथ की सेना ने अराम की सेना पर
आक्रमण किया। अराम की सेना योआब और उसकी सेना के सामने
से भाग खड़ी हुई। 15 अम्मोनी सेना ने देखा कि अराम की सेना भाग
रही है अतः वे भी भाग खड़े हुए। वे अबीशै और उसकी सेना के
सामने से भाग हुए। अम्मोनी अपने नगरों को चले गये और योआब
यरूशलेम को लौट गया।

16 अराम के प्रमुखों ने देखा कि इस्राएल ने उन्हें पराजित कर
दिया। इसलिये उन्होंने परात नदी के पूर्व रहने वाले अरामी लोगों से
सहायता के लिये दूत भेजे। शोपक हदरेजेर की अराम की सेना का
सेनापति था। शोपक ने उन अन्य अरामी सैनिकों का भी संचालन
किया।

17 दाऊद ने सुना कि अराम के लोग युद्ध के लिये इकट्ठा हो रहे हैं।
इसलिये दाऊद ने इस्राएल के सभी सैनिकों को इकट्ठा किया। दाऊद
उन्हें यरदन नदी के पार ले गया। वे अरामी लोगों के ठीक आमने

सामने आ गए। दाऊद ने अपनी सेना को आक्रमण के लिये तैयार
किया और अरामियों पर आक्रमण कर दिया। 18 अरामी इस्राएलियों
के सामने से भाग खड़े हुए। दाऊद और उसकी सेना ने सात हजार सारथी और चालीस हजार अरामी सैनिकों को मार डाला। दाऊद और उसकी सेना ने अरामी सेना के सेनापति शोपक को भी मार डाला।

19 जब हदरेजेर के अधिकारियों ने देखा कि इस्राएल ने उनको हरा दिया तो उन्होंने दाऊद से सन्धि कर ली। वे दाऊद के सेवक बन गए। इस प्रकार अरामियों ने अम्मोनी लोगों को फिर सहायता करने से इन्कार कर दिया।

20

योआब अम्मोनियों को नष्ट करता है

1 बसन्त में, योआब इस्राएल की सेना को युद्ध के लिये ले गया। यह वही समय था जब राजा युद्ध के लिये यात्रा करते थे, किन्तु दाऊद यरूशलेम में रहा। इस्राएल की सेना अम्मोन देश को गई थी। उसने उसे नष्ट कर दिया। तब वे रब्बा नगर को गये। सेना ने लोगों को अन्दर आने और बाहर जाने से रोकने के लिये नगर के चारों ओर डेरा डाला। योआब और उसकी सेना ने रब्बा नगर के विरुद्ध तब तक युद्ध किया जब तक उसे नष्ट नहीं कर डाला।

2 दाऊद ने उनके राजा* का मुकुट उतार लिया। वह सोने का मुकुट तोल में लगभग पचहत्तर पौंड था। मुकुट में बहुमूल्य रत्न जड़े थे। मुकुट दाऊद के सिर पर रखा गया। तब दाऊद ने रब्बा
नगर से बहुत सी मूल्यवान वस्तुएँ प्राप्त कीं। 3 दाऊद रब्बा के लोगों
को साथ लाया और उन्हें आरों, लोहे की गैंती और कुल्हाड़ियों से काम करने को विवश किया। दाऊद ने अम्मोनी लोगों के सभी नगरों के साथ यही बर्ताव किया। तब दाऊद और सारी सेना यरूशलेम को वापस लौट गई।

पलिश्ती के दैत्य मारे जाते हैं

* **20:2:** उनके राजा या, "मिल्काम" अम्मोनी लोगों का परमेश्वर।

4 बाद में इस्राएल के लोगों का युद्ध गेजेर नगर में पलिश्तियों के साथ हुआ। उस समय हूशा के सिब्बकै ने सिप्पै को मार डाला। सिप्पै दैत्यों के पुत्रों में से एक था। इस प्रकार पलिश्ती के लोग इस्राएलियों के दास के समान हो गए।

5 अन्य अवसर पर, इस्राएल के लोगों का युद्ध फिर पलिश्तियों के विरुद्ध हुआ। याईर के पुत्र एल्हानान ने लहमी को मार डाला। लहमी गोल्यत का भाई था। गोल्यत गत नगर का था। लहमी का भाला बहुत लम्बा और भारी था। यह करघे के लम्बे हत्थे की तरह था।

6 बाद में, इस्रालियों ने गत नगर के पास पलिश्तियों के साथ दूसरा युद्ध किया। इस नगर में एक बहुत लम्बा व्यक्ति था। उसके हाथ और पैर की चौबीस उँगलियाँ थीं। उस व्यक्ति के हर हाथ में छः उँगलियाँ और हर पैर की भी छः ऊँगलियाँ थीं। वह दैत्य
का पुत्र भी था। 7 इसलिये जब उसने इस्राएल का मज़ाक उड़ाया
तो योनातान ने उसे मार डाला। योनातान शिमा का पुत्र था। शिमा दाऊद का भाई था।

8 वे पलिश्ती लोग गत नगर के दैत्यों के पुत्र थे। दाऊद और उसके सेवकों ने उन दैत्यों को मार डाला।

21

इस्राएलियों को गिनकर दाऊद पाप करता है

1 शैतान इस्राएल के लोगों के विरुद्ध था। उसने दाऊद को
इस्राएल के लोगों को गिनने का प्रोत्साहन दिया। 2 इस्रालिये दाऊद
ने योआब और लोगों के प्रमुखों से कहा, “जाओ और इस्राएल के सभी लोगों की गणना करो। बर्शेबा नगर से लेकर लगातार दान नगर तक देश के हर व्यक्ति को गिनो। तब मुझे बताओ, इससे मैं सकूँगा कि यहाँ कितने लोग हैं।”

3 किन्तु योआब ने उत्तर दिया, “यहोवा अपने राष्ट्र को सौ गुना विशाल बनाए। महामहिम इस्राएल के सभी लोग तेरे सेवक हैं। मेरे

स्वामी यहोवा और राजा, आप यह कार्य क्यों करना चाहते है आप इस्राएल के सभी लोगों को पाप करने का अपराधी बनाएंगे!"

4 किन्तु राजा दाउद हठ पकड़े था। योआब को वह करना पड़ा
जो राजा ने कहा। इसलिये योआब गया और पूरे इस्राएल देश में
गणना करता हुआ घूमता रहा। तब योआब यरूशलेम लौटा 5 और
दाऊद को बताया कि कितने आदमी थे। इस्राएल में ग्यारह लाख पुरुष थे और तलवार का उपयोग कर सकते थे और तलवार का उपयोग करने वाले चार लाख सत्तर हजार पुरुष यहूदा में थे।
6 योआब ने लेवी और बिन्यामीन के परिवार समूह की गणना नहीं
की। योआब ने उन परिवार समूहों की गणना नहीं कि क्योंकि वह
रजा दाऊद के आदेशों को पसन्द नहीं करता था। 7 परमेश्वर की दृष्टि
में दाऊद ने यह बुरा काम किया था इसलिये परमेश्वर ने इस्राएल को दण्ड दिया।

परमेश्वर इस्राएल को दण्ड देता है

8 तब दाऊद ने परमेश्वर से कहा, "मैंने एक बहुत मूर्खतापूर्ण काम किया है। मैंने इस्राएल के लोगों की गणना करके बुरा पाप किया है। अब, मैं प्रार्थना करता हूँ कि तू सेवक के पापों को क्षमा कर दे।"

9-10 गाद दाऊद का दृष्टा था। यहोवा ने गाद से कहा, "जाओ और दाऊद से कहोः यहोवा जो कहता है वह यह हैः मैं तुमको तीन विकल्प दे रहा हूँ। तुम्हें उसमें से एक चुनना है और तब मैं तुम्हें उस प्रकार दण्डित करूँगा जिसे तुम चुन लोगो।"

11-12 तब गाद के पास गया। गाद ने दाऊद से कहा, "यहोवा कहता है, 'दाऊद, जो दण्ड चाहते हो उसे चुनोः पर्याप्त अन्न के बिना तीन वर्ष या तुम्हारा पीछा करने वाले तलवार का उपयोग करते हुए शत्रुओं से तीन महीने तक भागना या यहोवा से तीन दिन का दण्ड। पूरे देश में भंयकर महामारी फैलेगी और यहोवा का दूत लोगों को

नष्ट करता हुआ पूरे देश में जाएगा।' परमेश्वर ने मुझे भेजा है। अब, तुम्हें निर्णय करना है कि उसको कौन सा उत्तर दूँ।"

13 दाऊद ने गाद से कहा, "मैं विपत्ति में हूँ! मैं नहीं चाहता कि बहुत दयालू है, अतः यहोवा को ही निर्णय करने दो कि मुझे कैसे दण्ड दे।"

14 अतः यहोवा ने इस्राएल में भयंकर महामारी भेजी, और सत्तर
हजार लोग मर गए। 15 परमेश्वर ने एक स्वर्गदूत को यरूशेलम को
नष्ट करने के लिए भेजा।किन्तु जब स्वर्गदूत ने यरूशलेम को नष्ट करना आरम्भ किया तो यहोवा ने देखा और उसे दुख हुआ। इसलिये यहोवा ने इस्राएल को नष्टन करने का निर्णय किया। यहोवा ने उस दूत से, जो नष्ट कर रहा था कहा, "रुक जाओ! यही पर्याप्त है!" यहोवा का दूत उस समय यबूसी ओर्नान की खलिहान के पास खड़ा था।

16 दाऊद ने नजर उठाई और यहोवा के दूत को आकाश में देखा।
स्वर्गदूत ने यरूशलेम पर अपनी तलवार खींच रखी थी। तब दाऊद
और अग्रजों (प्रमुखों) ने अपने सिर को धरती पर टेक कर प्रणाम
किया। दाऊद और अग्रज (प्रमुख) अपने दुःख को प्रकट करने के
लिये विशेष वस्त्र पहने थे। 17 दाऊद ने परमेश्वर से कहा, "वह मैं हूँ
जिसने पाप किया है! मैंने लोगों की गणना के लिये आदेश दिया था! मैं गलती पर था! इस्राएल के लोगों ने कुछ भी गलत नहीं किया। यहोवा मेरे परमेश्वर, मुझे और मेरे परिवार को दण्ड दे किन्तु उस भयंकर महामारी को रोक दे जो तेरे लोगों को मार रही है!"

18 तब यहोवा के दूत ने गाद से बात की। उसे कहा, "दाऊद
से कहो कि वह यहोवा की उपासना के लिये एक वेदी बनाए।
दाऊद को इसे यबूसी ओर्नान की खलिहान के पास बनाना चाहिये।"
19 गाद ने ये बातें दाऊद को बताई और दाऊद ओर्नान के खलिहान
के पास गया।

20 ओर्नान गेहूँ दायं रहा था।* ओर्नान मुड़ा और उसने स्वर्गदूत
को देखा। ओर्नान के चारों पुत्र छिपने के लिये भाग गये। 21 दाऊद
ओर्नान के पास गया। ओर्नान ने खलिहान छोड़ी। वह दाऊद तक
पहुँचा और उसके सामने अपना माथा ज़मीन पर टेक कर प्रणाम
किया।

22 दाऊद ने ओर्नान से कहा, "तुम अपना खलिहान मुझे बेच दो।
मैं तुमको पूरी कीमत दूँगा। तब मैं यहोवा की उपासना के लिये
एक वेदी बनाने के लिये इसका उपयोग कर सकता हूँ। तब भंयकर
महामारी रुक जायेगी।"

23 ओर्नोन ने दाऊद से कहा, "इस खलिहान को ले लें! आप मेरे
प्रभु और राजा हैं। आप जो चाहें, करें। ध्यान रखें, मैं भी होमबलि
के लिये पशु दूँगा। मैं आपको लकड़ी के पर्दे वाले तख्ते दूँगा जिसे
आप वेदी पर आग के लिये जला सकते हैं और मैं अन्नबलि के लिये
गेहूँ दूँगा। मैं यह सब आपको दूँगा!"

24 किन्तु राजा दाऊद ने ओर्नान को उत्तर दिया, "नहीं, मैं तुम्हें पूरी
कीमत दूँगा। मैं कोई तुम्हारी वह चीज नहीं लूँगा जिसे मैं यहोवा
को दूँगा। मैं वह कोई भेंट नहीं चढ़ाऊँगा जिसका मुझे कोई मूल्य
न देना पड़े।"

25 इसलिये दाऊद ने उस स्थान के लिये ओर्नोन को पन्द्र पौंड
सोना दिया। 26 दाऊद ने वहाँ यहोवा की उपासाना के लिए एक वेदी
बनाई। दाऊद ने होमबलि और मेलबलि चढ़ाई। दाऊद ने यहोवा से
प्रार्थना की। यहोवा ने स्वर्ग से आग भेजकर दाऊद को उत्तर दिया।
आग होमबलि की वेदी पर उतरी। 27 तब यहोवा ने स्वर्गदूत को
आदेश दिया कि वह अपनी तलवार को वापस म्यान में रख ले।

28 दाऊद ने देखा कि यहोवा ने उसे ओर्नोन की खलिहान पर उत्तर
दे दिया है, अतः दाऊद ने यहोवा को बलि भेंट की। 29 (पवित्र तम्बू
और होमबलि की वेदी उच्च स्थान पर गिबोन नगर में थी। मूसा ने

* **21:20:** दायं ... था अन्य को भूसे अलग करने के लिये उसे पीटना या कुचलना।

पवित्र तम्बू को तब बनाया था जब इस्राएल के लोग मरुभूमि में थे।
30 दाऊद पवित्र तम्बू में परमेश्वर से बातें करने नहीं जा सकता था,
क्योंकि वह भयभीत था। दाऊद यहोवा के दूत और उसकी तलवार
से भयभीत था।)

22

1 दाऊद ने कहा, "यहोवा परमेश्वर का मन्दिर और इस्राएल के
लोगों के लिये भेंटों को जलाने की वेदी यहाँ बनेगी।"

दाऊद मन्दिर के लिये योजना बनाता है

2 दाऊद ने आदेश दिया कि इस्राएल में रहने वले सभी विदेशी एक
साथ इकट्ठे हों। विदेशियों के उस समूह में से दाऊद ने संगतराशों
को चुना। उनका काम परमेश्वर के मन्दिर के लिये पत्थरों को काट
कर तैयार करना था। 3 दाऊद ने द्वार के पल्लों के लिये कीलें तथा
चूलें बनाने के लिए लोहा प्राप्त किया। दाऊद ने उतना काँसा भी प्राप्त
किया जो तौला न जा सके 4 और दाऊद ने इतने अधिक देवदारु
के लट्ठे इकट्ठे किये जो गिने न जा सकें। सीदोन और सोर के लोग
बहुत से देवदारु के लट्ठे लाए।

5 दाऊद ने कहा, "हमें यहोवा के लिये एक विशाल मन्दिर बनाना
चाहिए। किन्तु मेरा पुत्र सुलैमान बालक है और वह उन सब चीजों
को नहीं सीख सका है जो उसे जानना चाहिये। यहोवा का मन्दिर
बहुत विशाल होना चाहिये। इस अपनी विशालता और सुन्दरता
के लिये सभी राष्ट्रों में प्रसिद्ध होना चाहिये। यही कारण है कि मैं
यहोवा का मन्दिर बनाने की योजना बनाऊँगा।" इसलिये दाऊद ने
मरने से पहले मन्दिर बनाने के लिये बहुत सी योजनायें बनाई।

6 तब दाऊद ने अपने पुत्र सुलैमान को बुलाया। दाऊद ने सुलैमान
से इस्राएल के यहोवा परमेश्वर के लिये मन्दिर बनाने को कहा।
7 दाऊद ने सुलैमान से कहा, "मेरे पुत्र, मैं अपने परमेश्वर यहोवा के
नाम के लिये एक मन्दिर बनाना चाहता था। 8 किन्तु यहोवा ने मुझसे
कहा, दाऊद तुमने बहुत से युद्ध किये हैं और बहुत से लोगों को मारा

है इसलिये तुम मेरे नाम के लिये मन्दिर नहीं बना सकते 9 किन्तु
तुम्हारा एक पुत्र है जो शान्ति प्रिय है। मैं तुम्हारे पुत्र को शान्ति
प्रदान करूँगा। उसके चारों ओर के शत्रु उसे परेशान नहीं करेंगे।
उसका नाम सुलैमान है और मैं इस्राएल को उस समय सुख शान्ति
दूँगा जिस समय सुलैमान राजा रहेगा। 10 सुलैमान मेरे नाम का एक
मन्दिर बनायेगा। सुलैमान मेरा पुत्र और मैं उसका पिता रहूँगा और
मैं सुलैमान के राज्य को शक्तिशाली बनाऊँगा और उसके परिवार
का कोई सदस्य सदा इस्राएल पर राज्य करेगा।"

11 दाऊद ने यह भी कहा, "पुत्र, अब यहोवा तुम्हारे साथ रहे।
तुम सफल बनो और जैसा यहोवा ने कहा है, अपने यहोवा परमेश्वर
का मन्दिर बनाओ। 12 यहोवा तुम्हें इस्राएल का राजा बनाएगा।
यहोवा तुम्हें बुद्धि और समझ दे जिससे तुम लोगों का मार्गदर्शन कर
सको और अपने यहोवा परमेश्वर की व्यवस्था का पालन कर सको
13 और तुम्हें सफलता तब मिलेगी जब तुम उन नियमों और व्यवस्था
के पालन में सावधान रहोगे जो यहोवा ने मूसा को इस्राएल के लिये
दी थी। तुम शक्तिशाली और वीर बनो। डरो नहीं।

14 "सुलैमान, मैंने यहोवा के मन्दिर की योजना बनाने में बड़ा
परिश्रम किया है। मैंने तीन हजार सात सौ पचास टन सोना दिया है
और मैंने लगभग सैंतीस हजार पाँच सौ टन चाँदी दी है। मैंने काँसा
और लोहा इतना अधिक दिया है कि वह तौला नहीं जा सकता
और मैंने लकड़ी एवं पत्थर दिये हैं। सुलैमान, तुम उसे और अधिक
कर सकते हो। 15 तुम्हारे पास बहुत से संगतराश और बढ़ई हैं।
तुम्हारे पास हर एक प्रकार के काम करने वाले कुशल व्यक्ति हैं।
16 वे सोना, चाँदी काँसा, और लोहे काम करने में कुशल हैं। तुम्हारे
पास इतने अधिक कुशल व्यक्ति हैं कि वे गिने नहीं जा सकते। अब
काम आरम्भ करो और यहोवा तुम्हारे साथ है।"

17 तब दाऊद ने इस्राएल के सभी प्रमुखों को अपने पुत्र सुलैमान
की सहायता करने का आदेश दिया। 18 दाऊद ने उन प्रमुखों से कहा,

“यहोवा तुम्हारा परमेश्वर साथ है। उसने तुम्हें शान्ति का समय दिया
है। यहोवा ने हम लोगों के चारों ओर रहने वाले लोगों को पराजित
करने में सहायता की है। अब यहोवा और उसके लोगों ने इस भूमि
पर पूरा अधिकार किया है। 19 अब तुम अपने हृदय और आत्मा को
अपने यहोवा परमेश्वर को समर्पित कर दो और वह जो कहे, करो।
यहोवा परमेश्वर का पवित्र स्थान बनाओ। यहोवा के नाम के लिये
मन्दिर बनाओ। तब साक्षिपत्र का सन्दूक तथा अन्य सभी पवित्र
चीजे मन्दिर में लाओ।”

23

मन्दिर में लेवीवंशियों द्वारा सेवा की योजना

1 दाऊद बुढ़ा हो गया, इसलिये उसने अपने पुत्र सुलैमान को
इस्राएल का नया राजा बनाया। 2 दाऊद ने इस्राएल के सभी प्रमुखों
को इकट्ठा किया। उसने याजकों और लेवीवंशियों को भी इकट्ठा
किया। 3 दाऊद ने तीस वर्ष और उससे ऊपर की उम्र के लेवीवेंशियों
को गिना। सब मिलाकर अड़तीस हजार लेवीवंशी थे। 4 दाऊद ने
कहा, “चौबीस हजार लेवीवंशी यहोवा के मन्दिर के निर्माण कार्य
की देखभाल करेंग। छःहजार लेवीवंशी सिपाही और न्यायाधीश
होंगे। 5 चार हजार लेवीवंसी द्वारपाल होंगे और चार हाजर लेवीवंशी
संगीतज्ञ होंगे। मैंने उनके लिये विशेष वाद्य बनाए हैं। वे उन वाद्यों
का उपयोग यहोवा की स्तुति के लिये करेंगे।”

6 दाऊद ने लेवीवंशियों को तीन वर्गों में बाँट दिया। वे लेवी के
तीन पुत्रों गर्शोन, कहात और मरारी के परिवार समूह थे।

गेर्शोन के परिवार समूह

7 गेर्शोन के परिवार समूह से लादान और शिमी थे। 8 लादान के
तीन पुत्र थे। उसका सबसे बड़ा पुत्र यहीएल था। उसके अन्य
पुत्र जेताम और योएल थे। 9 शिमी के पुत्र शलोमीत, हजीएल
और हारान थे। ये तीनों पुत्र लादान के परिवारों के प्रमुख थे।

10 शिमी के चार पुत्र थे। वे यहत, जीना, यूश और बरीआ थे।
11 यहत सबसे बड़ा और जीजा दूसरा पुत्र था। किन्तु यूश और
बरीआ के बहुत से पुत्र नहीं थे। इसलिए यूश और बरीआ एक
परिवार के रूप में गिने जाते थे।

कहात का परिवार समूह

12 कहात के चार पुत्र थे। वे अम्राम, यिसहार हेब्रोन और उज्जीएल
थे। 13 अम्राम के पुत्र हारून और मूसा थे। हारून अति विशेष
होने के लिये चुना गया था। हारून और उसके वंशज सदा
सदा के लिये विशेष होने को चुने गए थे। वे यहोवा की सेवा
के लिये पवित्र चीजे बनाने के लिये चुने गए थे। हारून और
उसके वंशज यहोवा के सामने सुगन्धि जलाने के लिये चुने
गए थे। वे यहोवा की सेवा याजक के रूप में करने के लिये
चुने गए थे। वे यहोवा के नाम का उपयोग करने और लोगों
को आशीर्वाद देने के लिये सदा के लिये चुने गए थे।
14 मूसा परमेश्वर का व्यक्ति था। मूसा के पुत्र, लेवी के परिवार
समूह के भाग थे। 15 मूसा के पुत्र गेर्शोम और एलीएजेर थे।
16 गेर्शोन का बड़ा पुत्र शबूएल था। 17 एलीएजेर का बड़ा
पुत्र रहब्याह था। एलीएजेर के और कोई पुत्र नहीं थे। किन्तु
रहब्याह के बहुत से पुत्र थे।
18 यिसहार का सबसे बड़ा पुत्र शलोमीत था।
19 हेब्रोन का सबसे बड़ा पुत्र यरीय्याह था। हेब्रोन का दूसरा पुत्र
अमर्यायह था। यहजीएल तीसरा पुत्र था और यकमाम चौथा
पुत्र था।
20 उज्जीएल का सबसे पूत्र मीका था और यिश्शिय्याह उसका
दूसरा पुत्र था।

मरारी का परिवार समूह

21 मरारी के पुत्र महली और मूशी थे। महली के पुत्र एलीआजार
और कीश थे। 22 एलीआजर बिना पुत्रों के मरा। उसकी केवल
पुत्रियाँ थीं। एलीआजर की पुत्रियों ने अपने सम्बन्धियों से
विवाह किया उनके सम्बन्धी कीश के पुत्र थे। 23 मूशी के पुत्र
महली, एदेर और यरेमोत सब मिला कर तीन पुत्र थे।

लेवीवंशियों के काम

24 लेवी के वंशज ये थे। वे अपने परिवार के अनुसार सूची में
अंकित थे। वे परिवारों के प्रमुख थे। हर एक व्यक्ति का नाम सूची
में अंकित था। जो सूची में अंकित थे, वे बीस वर्ष के या उससे ऊपर
के थे। वे यहोवा के मन्दिर में सेवा करते थे।
25 दाऊद ने कहा था, "इस्राएल के यहोवा परमेश्वर ने अपने लोगों
को शान्ति दी है। यहोवा यरूशलेम में सदैव रहने के लिये आ गया
है। 26 इसलिये लेवीवंशियों को पवित्र तम्बू या इसकी सेवा में काम
आने वाली किसी चीज़ को भविष्य में ढोने की आवश्यकता नहीं
है।"
27 दाऊद के अन्तिम निर्देश इस्राएल के लोगों के लिये, लेवी के
परिवार समूह के वंशजों को गिनना था। उन्होंने लेवीवंशियों के
बीस वर्ष और उससे ऊपर के व्यक्तियों को गिना।
28 लेवीवंशियों का काम हारून के वंशजों को यहोवा के मन्दिर
में सेवा कार्य करने में सहायता करना था। लेवीवंशी मन्दिर के
आँगन और बगल के कमरों की भी देखभाल करते थे। उनका
काम सभी पवित्र चीजों को शुद्ध करने का था। उनका काम यह
भी था कि परमेश्वर के मन्दिर में सेवा करें। 29 मन्दिर में विशेष
रोटी को मेज पर रखने का उत्तरदायित्वत उनका ही था। वे आटा,
अन्नबलि और अखमीरी रोटी के लिये भी उत्तरदायी थे। वे पकाने
की कढ़ाईयों और मिश्रित भेंटों के लिये भी उत्तरदायी थे। वे सारा
नाप तौल का काम करते थे। 30 लेवीवंशी हर एक प्रातः खड़े होते
थे और यहोवा का धन्यवाद और स्तुति करते थे। वे इसे हर सन्ध्या
को भी करते थे। 31 लेवीवंशी यहोवा को सभी होमबलियाँ विश्राम
के विशेष दोनों, नवचन्द्र उत्सवों और सभी अन्य विशेष पर्व के

दिनों,पर तैयार करते थे। वे यहोवा के सामने प्रतिदिन सेवा करते
थे। कितने लेवीवंशी हर बार सेवा करेंगे उसके लिये विशेष नियम
थे। 32 अतः लेवीवंशी वे सब काम करते थे। जिनकी आशा उनसे
की जाती थी। वे पवित्र तम्बू की देखभाल करते थे वे पवित्र स्थान
की देखभाल करते थे और वे अपने सम्बन्धियों हारून के वंशज
याजकों को सहायता देते थे। लेवीवंशी यहोवा के मन्दिर में सेवा
करके याजकों की सेवा करते थे।

24

याजकों के समूह

1 हारून के पुत्रों के ये समूह थेः हारून के पुत्र नादाब, अबीहू,
एलीआजर और ईतामार थे। 2 किन्तु नादाब और अबीहू अपने पिता
की मृत्यु के पहले ही मर गये और नादाब और अबीहू के कोई पुत्र
नहीं था इसलिये एलीआजर और ईतामार ने याजक के रुप में कार्य
किया। 3 दाउद ने एलीआजर और नादब और ईतामार के परिवार
समूह को दो भिन्न समूहों में बाँटा। दाऊद ने यह इसलिये किया कि
ये समूह उनको दिये गए कर्तव्यों को पूरा कर सकें। दाऊद ने यह
सादोक और अहीमलेक की सहायता से किया। सादोक एलीआजर
का वंशज था और अहीमलेक ईतामार का वंशज था। 4 एलीआजर
के परिवार समूह के प्रमुख ईतामार के परिवार समूह के प्रमुखों से
अधिक थे। एलीआजर के परिवार समूह के सोलह प्रमुख थे और
ईतामार के परिवार समूह से आठ प्रमुख थे। 5 हर एक परिवार
से पुरुष चुने गए थे। वे गोट डालकर चुने गए थे। कुछ व्यक्ति
पवित्र स्थान के अधिकारी चुने गए थे। कुछ व्यक्ति पवित्र स्थान
के अधिकारी चुने गए थे और अन्य व्यक्ति याजक के रुप में सेवा
के लिये चुने गए थे। यो सभी व्यक्ति एलीआजर और ईतामार के
परिवार से चुने गए थे।

6 शमायाह सचिव था। वह नतनेल का पुत्र था। शमायाह लेवी
परिवार समूह से था। शमायाह ने उन वंशजों के नाम लिखे। उसने

उन नामों को राजा दाऊद और इन प्रमुखों के सामने लिखा। याजक सादोक, अहीमेलेक तथा याजक और लेविवंशियों के परिवारों के प्रमुख। अहीमेलेक एब्यातार का पुत्र था। हर एक बार वे गोट डालकर एक व्यक्ति चुनते थे और शमायाह उस व्यक्ति का नाम लिख लेता था। इस प्रकार उन्होंने एलीआजार और ईतामार के परिवारों में काम को बाँटा।

7 पहला समूह यहोयारीब का था।
दूसरा समूह यदायाह का था।
8 तीसरा समूह हारीम का था।
चौथा समूह सोरीम का था।
9 पाँचवाँ समूह मल्किय्याह का था।
छठा समूह मिय्यामीन का था।
10 सातवाँ समूह हक्कोस का था।
आठवाँ समूह अबिय्याह का था।
11 नवाँ समूह येशु का था।
दसवाँ समूह शकन्याह का था।
12 ग्यारहवाँ समूह एल्याशीब का था।
बारहवाँ समूह याकीम का था।
13 तेरहवाँ समूह हुप्पा का था।
चौदहवाँ समूह येसेबाब का था।
14 पन्द्रहवाँ समूह बिल्गा का था।
सोलहवाँ समूह इम्मेर का था।
15 सत्रहवाँ समूह हेजीर का था।
अट्ठारहवाँ समूह हप्पित्सेस का था।
16 उन्नीसवाँ समूह पतह्याह का था।
बीसवाँ समूह यहेजकेल का था।
17 इक्कीसवाँ समूह याकीन का था।

बाईसवाँ समूह गामूल का था।
18 तेईसवाँ समूह दलायाह का था।
चौबीसवाँ समूह माज्याह का था।

19 यहोवा के मन्दिर में सेवा करने के लिये ये समूह चुने गये थे।
वे मन्दिर में सेवा के लिये हारून के नियामों को मानते थे। इस्राएल
के यहोवा परमेश्वर ने इन नियमों को हारून को दिया था।

अन्य लेवीवंशी

20 ये नाम शेष लेवी के वंशजों के हैं:

अम्राम के वंशजों से शूबाएल।
शूबाएल के वंशजों सेः येहदयाह।
21 रहब्याह सेः यीश्शिय्याह (यिश्शिय्याह सबसे बड़ा पुत्र था।)
22 इसहारी परिवार समूह सेः शलोमोत।
शलोमोत के परिवार सेः यहत।
23 हेब्रोन का सबसे बड़ा पुत्र यरिय्याह था।
अमर्याह हेब्रोन का दूसरा पुत्र था।
यहजीएल तीसरा पुत्र था, और यकमाम चौथा पुत्र
24 उज्जीएल का पुत्र मीका था।
मीका का पुत्र शामीर था।
25 यिशिशिय्याह मीका का भाई था।
यिश्शिय्याह का पुत्र जकर्याह था।
26 मरारी के वंशज महली, मूशी और उसका पुत्र याजिय्याह थे।
27 महारी के याजिय्याह के पूत्र शोहम और जक्कूर नाम के थे।
28 महली का पुत्र एलीआजर था।
किन्तु एलीआजर का कोई पुत्र न था।
29 कीश का पुत्र यरह्मोल था
30 मूशी के पुत्र महली, एदेर और यरीमोत थे।

वे लेवीवंश परिवारों के प्रमुख हैं। वे परिवारों की सूची में हैं।
31 वे विशेष कामों के लिये चुने गए थे। वे अपने सम्बन्धी याजकों
की तरह गोट डालते थे। याजक हारुन के वंशज थे। उन्होने राजा
दाउद, सादोक, अहीमेले और याजकों तथा लेवी के परिवारों के
प्रमुखों के सामने गोटें डाली। जब उनके काम चुने गये पुराने और
नये परिवारों के एक सा व्यवहार हुआ।

25

संगीत समूह

1 दाऊद और सेनापतियों ने आसाप के पुत्रों को विशेष सेवा के
लिये अलग किया। आसाप के पुत्र हेमान और यदूतून थे। उनका
विशेष काम परमेश्वर के सन्देश की भविष्यावाणी सारंगी, वीणा,
मंजीरे का उपयोग करके करना था। यहाँ उन पुरुषों की सूची है
जिन्होंने इस प्रकार सेवा की।

2 आसाप के परिवार सेः जक्कूर, योसेप, नतन्याह और अशरेला
थे। राजा दाऊद ने आसाप को भविष्यवाणी के लिये चुना और
आसाप ने अपने पुत्रों का नेतृत्व किया।
3 यदूतून परिवार सेः गदल्याह, सरी, यशायाह, शिमी, हसब्याह
औ मत्तित्याह। ये छः थे। यदूतून ने अपने पुत्रों का नेतृत्व
किया। यदूतून ने सारंगी का उपयोग भविष्यवाणी करने और
यहोवा को धन्यवाद देने और उसकी स्तुति के लिये किया।
4 हेमान के पुत्र जो सेवा करते थे बुक्किय्याह, मत्तन्याह,
लज्जीएल, शबूएल, और यरीमोत, हनन्याह, हनानी, एलीआता,
गिद्दलती और रोममतीएजेर, योशबकाशा, मल्लोती, होतीर और
महजीओत थे। 5 ये सभी व्यक्ति हेमान के पुत्र थे। हेमान दाऊद
का दृष्टा था। परमेश्वर ने हेमान को शक्तिशाली बनाने का वचन

दिया। इसलिये हेमान के कई पुत्र थे। परमेश्वर ने हेमान को चौदह पुत्र और तीन पुत्रियाँ दीं।

6 हेमाने ने अपने सभी पुत्रों का यहोवा के मन्दिर में गाने में नेतृत्व
किया। उन पुत्रों ने मन्जीरे, वीणा और तम्बूरे उपयोग किया। उनका
परमेश्वर के मन्दिर में सेवा करने का वही तरीका था। राजा दाऊद ने
उन व्यक्तियों को चुना था। 7 वे व्यक्ति और लेवी के परिवार समूह
के उनके सम्बन्धी गायन में प्रशिक्षित थे। दौ सौ अट्ठासी व्यक्तियों
ने योहवा की प्रशंसा के गीत गाना सीखा। 8 हर एक व्यक्ति जिस
भिन्न कार्य को करेगा, उसके चुनाव के लिये वे गोट डालते थे। हर
एक व्यक्ति के साथ समान व्यवहार होता था। बूढ़े और जवान के
साथ समान व्यवहार था और गुरु के साथ वही व्यवाहर था जो
शिष्य के साथ।

9 पहले, आसाप (यूसुफ) के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह व्यक्ति चुने गए थे।

दूसरे, गदल्याह के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह व्यक्ति चुने गए।

10 तीसरे, जक्कूर के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह व्यक्ति चुने गए।

11 चौथे, यिस्री के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह व्यक्ति चुने गए।

12 पाँचवें, नतन्याह के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह व्यक्ति चुने गए।

13 सातवें, यसरेला के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह व्यक्ति चुने गए।

14 छठे, बुक्क्रिय्याह के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह व्यक्ति चुने गए।

15 आठवें, यशायाह के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह व्यक्ति

चुने गए।
16 नवें, मत्तन्याह के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह व्यक्ति चुने गए।
17 दसवें, शिमी के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह व्यक्ति चुने गए।
18 ग्यारहवें, अजरेल के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह व्यक्ति चुने गए।
19 बारहवें, हशब्याह के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह व्यक्ति चुने गए।
20 तेरहवें, शूबाएल के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह व्यक्ति चुने गए।
21 चौदहवें, मत्तिय्याह के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह व्यक्ति चुने गए।
22 पन्द्रहवें, यरेमोत के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह व्यक्ति चुने गए।
23 सोलहवें, हनन्याह के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह व्यक्ति चुने गए।
24 सत्रहवें, योशबकाशा के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह व्यक्ति चुने गए।
25 अट्ठारहवें, हनानी के पुत्रों और सम्बनधियों में से बारह व्यक्ति चुने गए।
26 उन्नीसवें,मल्लोती के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह व्यक्ति चुने गए।
27 बीसवें, इलिय्याता के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह व्यक्ति चुने गए।
28 इक्कीसवें, होतीर के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह व्यक्ति चुने गए।
29 बाईसवें, गिद्दलती के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह व्यक्ति

चुने गए।
30 तेईसवें, महजीओत के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह व्यक्ति
चुने गए।
31 चौबीसवें, रोममतीएजेर के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह
व्यक्ति चुने गए।

26

द्वारपाल

1 द्वारपालों के समूहः कोरह परिवार से ये द्वारपाल हैं।

मशेलेम्याह और उसके पुत्र। (मशेलेम्याह कोरह का पुत्र था।
वह आसाप परिवार समूह से था।) 2 मशेलेम्याह के पुत्र थे।
जकर्याह सबसे बड़ा पुत्र था। यदीएल दूसरा पुत्र था। जबद्याह
तीसरा पुत्र था। यतीएल चौथा पुत्र था। 3 एलाम पाँचवाँ पुत्र
था। यहोहानान छठाँ पुत्र था और एल्यहोएनै सातवाँ पुत्र था।
4 ओबेदेदोम और उसके पुत्र। ओबेदेदोन का सबसे बड़ा पुत्र
शमायाह था। यहोजाबाद उसका दूसरा पुत्र था। योआह
उसका तीसरा पुत्र था। साकार उसका चौथा पुत्र था। नतनेल
उसका पाँचवाँ पुत्र था। 5 अम्मीएल उसका छठाँ पुत्र था।
इस्साकार उसका सातवाँ पुत्र था और पुल्लतै उसका आठावाँ
पुत्र था। परमेश्वर ने सचमुच ओबेदेदोम* को वरदान दिया।
6 ओबेदेदोम का पुत्र शमायाह था। शमायाह के भी पुत्र थे।
शमायाह के पुत्र अपने पिता के परिवार में प्रमुख थे क्योंकि
वे वीर योद्धा थे। 7 शमायाह के पुत्र ओती, रपाएल, ओबेद,
एलजाबाद, एलीहू और समक्याह थे। एलजाबाद के सम्बन्धी
कुशल कारीगर थे। 8 वे सभी लोग ओबेदेदोम के वंशज थे।

* **26:5:** ओबेदेदोम परमेश्वर ने ओबेदेदोम को वरदान दिया था जब साक्षीपत्र का सन्दूक उसके घर पर ठहरा था।

वे पुरुष और उनके पुत्र तथा उनेक सम्बन्धी शक्तिशाली लोग थे। वे अच्छे रक्षक थे। ओबेदेदोम के बासठ वंशज थे।
9 मशेलेम्याह के पुत्र और सम्बन्धी शक्तिशाली लोग थे। सब मिलाकर अट्ठारह पुत्र और सम्बन्धी थे।
10 मरारी के परिवार से ये द्वारपाल थे उनमें एक होसा था। शिम्री प्रथम पुत्र चुना गया था। शिम्री वास्तव में सबसे बड़ा नहीं था, किन्तु उसके पिता ने उसे पहलौठा पुत्र चुन लिया था।
11 हिल्किय्याह उसका दुसरा पुत्र था। तबल्याह उसका तीसरा पुत्र था और जकर्याह उसका चौथा पुत्र था। सब मिलाकर होसा के तेरह पुत्र और सम्बन्धी थे।

12 ये द्वारपालों के समूह के प्रमुख थे। द्वारपालों का यहोवा के
मन्दिर में सेवा करने का विशेष ढंग था, जैसा कि उनेक सम्बन्धी
करते थे। 13 हर एक परिवार को एक द्वार रक्षा करने के लिये दिया
गया था। एक परिवार के लिये द्वार चुनने को गोट डाली जाती थी।
बुढ़े और जवानों के साथ एक समान बर्ताव किया जाता था।

14 शेलेम्याह पूर्वी द्वार की रक्षा के लिये चुना गया था। तब
शेलेम्याह के पुत्र जकर्याह के लिये गोट डाली गई। जकर्याह एक
बुद्धिमान सलाहकार था। जकर्याह उत्तरी द्वार के लिये चुना गया।
15 ओबेदोम दक्षिण द्वार के लिये चुना गया और ओबेदेदोम के पुत्र
उस गृह की रक्षा के लिये चुने गए जिसमें कीमती चीजें रखी जाती
थीं। 16 शुप्पीम और होसा पश्चिमी द्वार और ऊपरी सड़क पर शल्लेकेत
द्वार के लिये चुने गए।

द्वारपाल एक दूसरे की बगल में खड़े होते थे। 17 पूर्वी द्वार पर
लेवीवंशी रक्षक हर दिन खड़े होते थे। उत्तरी द्वार पर चार लेवीवंशी
रक्षक खड़े होते थे। दक्षिणी द्वार पर चार लेवीवंशी रक्षक खड़े होते
थे और दो लेवीवंशी रक्षक उस गृह की रक्षा करते थे और कीमती

चीजें रखी जाती थीं। 18 चार रक्षक पश्चिमी न्यायगृह पर थे और दो
रक्षक न्यायगृह तक की सड़क पर थे।
19 ये द्वारपालों के समूह थे। वे द्वारपाल कोरह और मरारी के
परिवार में से थे।

कोषाध्याक्ष और अन्य अधिकारी

20 आहिय्याह लेवी के परिवार समूह से था। अहिय्याह परमेश्वर
के मन्दिर की मूल्यावान चीजों की देखभाल का उत्तरदायी था।
अहिय्याह उन स्थानों की रक्षा के लिये भी उत्तरदायी था जहाँ पवित्र
वस्तुएँ रखी जाती थी।
21 लादान गेर्शोन परिवार से था। यहोएल लादान परिवार समूह
के प्रमुखों में से एक था। 22 यहोएला के पुत्र जेताम और जेताम
का भाई योएल थे। वे यहोवा के मन्दिर में बहुमूल्य चीज़ों के लिये
उत्तरदायी थे।
23 अन्य प्रमुख अम्राम, यिसहार, हेब्रोन ओर उज्जीएल के परिवार
समूह से चुने गए थे।

24 शबूएल यहोवा के मन्दिर में मूल्यवान चीजों की रक्षा का
उत्तरदायी प्रमुख था। शबूएल गेर्शेम का पुत्र था। गेर्शोम मूसा
का पुत्र था। 25 ये शबूएल के सम्बन्धी थेः एलीआजर से उसके
सम्बन्धी थेः एलीआजह का पुत्र रहब्याह, रहब्याह का पुत्र
यशायाह, यशायाह का पुत्र योराम, योराम का पुत्र जिक्री और
जिक्री का पुत्र शलोमोत। 26 शलोमोत और उसके सम्बन्धी
उन सब चीज़ों के लिये उत्तरदायी थे जिसे दाऊद ने मन्दिर के
लिये इकट्ठा किया था।
सेना के अधिकारियों ने भी मन्दिर के लिये चीजें दीं। 27 उन्होंने
युद्धों में ली गयी चीजों में से कुछ चीजे दीं। उन्होंने यहोवा
के मन्दिर को बनाने के लिये वे चीजें दीं। 28 शलोमोत और
उसके सम्बन्धी दृष्टा शमूएल, कीश के पुत्र शाऊल, नेर के पुत्र
अब्नेर सरूयाह के पुत्र योआब द्वारा दी गई पवित्र वस्तुओं

की भी रक्षा करते थे। शलोमोत और उसके सम्बन्धी लोगों
द्वारा, यहोवा को दी गई सभी पवित्र चीज़ों की रक्षा करते थे।
29 कनन्याह यिसहार परिवार का था। कनन्याह और उसके
पुत्र मन्दिर के बाहर का काम करते थे। वे इस्राएल के
विभिन्न स्थानों पर सिपाही और न्यायाधीश का कार्य करते
थे। 30 हशव्याह हेब्रोन परिवार से था। हशव्याह और उसके
सम्बन्धी यरदन नदी के पश्चिम में इस्राएल के राजा दाऊद
के कामों और यहोवा के सभी कामों के लिये उत्तरदायी थे।
हशव्याह के समूह में एक हजार सात सौ शक्तिशाली व्यक्ति
थे। 31 हेब्रोन का परिवार समूह इस बात पर प्रकारश डालता
है कि यरिय्याह उनका प्रमुख था। जब दाऊद चालीस वर्ष
तक राजा रह चुका, तो उसने अपने लोगों को परिवार के
इतिहासों से शक्तिशाली और कुशल व्यक्तियों की खोज का
आदेश दिया। उनमें से कुछ हेब्रोन परिवार में मिले जो गिलाद
के याजेर नगर में रहते थे। 32 यरिय्याह के पास दो हजार
सात सौ सम्बन्धी थे जो शक्तिशाली लोग थे और परिवारों
के प्रमुख थे। दाऊद ने उन दो हजार सात सौ सम्बन्धियों को
रूबेन, गाद और आधे मनश्शे के परिवार के संचालन और
यहोवा एवं राजा के कार्य का उत्तरदायित्व सौंपा।

27

सेना के समूह

1 यह उन इस्राएली लोगों की सूची है जो राजा की सेना में सेवा
करते थे। हर एक समूह हर वर्ष एक महीने अपने काम पर रहता
था। उसमें परिवारों के शासक, नायक, सेनाध्यक्ष और सिपाही लोग
थे जो राजा की सेवा करते थे। हर एक सेना के समूह में चौबीस
हजार पुरुष थे।

2 याशोबाम पहले महीने के पहले समूह का अधीक्षक था।
याशोबाम जब्दीएल का पुत्र थआ। याशोबम पेरेस के वंशजों

में से एक था। याशोबाम पहले महीने के लिये सभी सैनिक
अधिकारियों का प्रमुख था। 3 याशोबाम पेरेस के वंशजों में
से एक था। याशोबाम पहले महीने के लिये लभी सैनिक
अधिकारियों का प्रमुख था।

4 दोदै दूसरे महीने के लिये सेना समूह का अधीक्षक था। वह अहोही से था। दोदै के समूह में चौबीस हजार पुरुष थे।

5 तीसरा सेनापति बनायाह था। बनायाह तीसरे महीने का
सेनापति था। यहोदा का पुत्र था। बनायाह यहोयादा का पुत्र
था। यहोयादा प्रमुख याजक था। बनायाह के समूह में चौबीस
हजार पुरुष थे। 6 यह वही बनायाह था जो तीस वीरों में से एक
वीर सैनिक था। बनायाह उन व्यक्तियों का संचालन करता
था। बनायाह का पुत्र अम्मीजाबाद बनायाह के समूह का
अधीक्षक था।

7 चौथा सेनापति असाहेल था। असाहेल चौथे महीने का सेनापति था। असाहेल योआब का भाई था। बाद में, असाहेल के पुत्र जबद्याह ने उसका स्थान सेनापति के रूप में लिया। आसाहेल के समूह में चौबीस हजार पुरुष थे।

8 पाँचवाँ सेनापति शम्हूत था, शम्हूत पाँचवें महीने का सेनापति था। शम्हूत यीज्राही के परिवार से था। शम्हूत के समूह में चौबीस हजार व्यक्ति थे।

9 छठाँ सेनापति ईरा था। ईरा छठें महीने का सेनापति था। ईरा इक्केश का पुत्र था। इक्केश तकोई नगर से था। ईरा के समूह में चौबीस हजार पुरुष थे।

10 सातवाँ सेनापति हेलेस था। हेलेस सातवें महीने का सेनापति था।वह पेलोनी लोगों से था और एप्रैम का वंशज था। हेलेस के समुह में चौबीस हजार पुरुष थे।

11 सिब्बकै आठवाँ सेनापति था। सिब्बकै आठवें महीने का सेनापति था। सिब्बकै हूश से था। सिब्बकै जेरह परिवार का था। सिब्बकै के समूह में चौबीस हजार पुरुष थे।

12 नवाँ सेनापति अबीएजेर था। अबीएजेर नवें महीने का सेनापति
था। अबीएजेर अनातोत नगर से था। अबीएजर बिन्यामीन के
परिवार समूह का था। अबीएजेर के समूह में चौबीस हजार पुरुष
थे। 13 दसवाँ सेनापति महरै था। महरै दसवें महीने का सेनापति
था। महरै नतोप से था। वह जेरह परिवार का था। महरै के समूह में
चौबीस हजार पुरुष थे।

14 ग्यारहवाँ सेनापति बनायाह था। बनायाह ग्यारहवें महीने का
सेनापति था। बनायाह पिरातोन से था। बनायाह एप्रैम के परिवार
समूह का था। बनायाह के समूह में चौबीस हजार पुरुष थे।
15 बारहवाँ सेनापति हेल्दै था। हेल्दै बारहवें महीने का सेनापति
था। हेल्दै, नतोपा, नतोप से था। हलदै ओत्नीएल का परिवार का
था। हल्दै के समूह में चौबीस हजार पुरुष थे।

परिवार समूह के प्रमुख

16 इस्राएल के परिवार समूहों के प्रमुख ये थेः
रूबेनः जिक्री का पुत्र एलीआजर।
शिमोनः माका का पुत्र शपत्याह।
17 लेवीः शमूएल का पुत्र हशव्याह।
हारूनः सादोक।
18 यहूदाः एलीहू(एलीहू दाऊद के भाईयों में से एक था।)
इस्साकारः मीकाएल का पुत्र ओम्नी।
19 जबूलूनः ओबद्याह का पुत्र यिशमायाह,
नप्तालीः अज्रीएल का पुत्र यरीमोत।
20 एप्रैमः अज्जयाह का पुत्र होशे। पश्चिमी
मनश्शेः फ़ादायाह का पुत्र योएल।
21 पूर्वी मनश्शेः जकर्याह का पुत्र इद्दो।
बिन्यामीनः अब्नेर का पुत्र यासीएल।
22 दानः यारोहाम का पुत्र अजरेल।
वे इस्राएल के परिवार समूह के प्रमुख थे।

दाऊद इस्राएलियों की गणना करता है

23 दाऊद ने इस्राएल के लोगों की गणना का निश्चय किया। वहाँ
बहुत अधिक लोग थे क्योंकि परमेश्वर ने इस्राएल के लोगों को
आसमान के तारों के बराबर बनाने की प्रतिज्ञा की थी। अतः दाऊद
ने बीस वर्ष और उससे ऊपर के पुरुषों की गणना की। 24 सरूयाह
के पुत्र योआब ने लोगों को गनना आरम्भ किया। किन्तु उसने गणना
को पूरा नहीं किया। परमेश्वर इस्राएल के लोगों पर क्रोधित हो गया।
यही कारण है कि लोगों की संख्या राजा दाऊद के इतिहास की
पुस्तक में नहीं लिखी गई।

राजा के प्रशासक

25 यह उन व्यक्तियों की सूची है जो राजा की सम्पत्ति के लिये
उत्तरदायी थेः

अदीएल का पुत्र अजमावेत राजा के भण्डारों का अधीक्षक था।
उज्जीय्याह का पुत्र यहोनातान छोटे नगरों के भण्डारों, गाँव, खेतों और मीनारों का अधीक्षक था।
26 कलूब का पुत्र एज्री कृषि—मजदूरों का अधीक्षक था।
27 शिमी अंगूर के खेतों का अधीक्षक था। शिमी रामा नगर का था।
जब्दी अंगूर के खेतों से आने वाली दाखमधु की देखभाल और भंडारण करने का अधीक्षक था। जब्दी शापाम का था।
28 बाल्हानान पश्चिमी पहाड़ी प्रदेश में जैदून और देवदार वृक्षों का अधीक्षक था।
बाल्हानान गदेर का था। योआश जैतून के तेल के भंडारण का अधीक्षक था।
29 शित्रै शारोन क्षेत्र में पशूओं का अधीक्षक था। शित्रै शारोन क्षेत्र का था।
अदलै का पुत्र शापात घाटियों में पशुओं का अधीक्षक था।
30 ओबील ऊँटों का अधीक्षक था। ओबील इश्माएली था।

येहदयाह गधों का अधीक्षक था। येहदयाह एक मेरोनोतवासी था।
31 याजीज भेड़ों का अधीक्षक था। याजीज हग्री लोगों में से था।

ये सभी व्यक्ति वे प्रमुख थे जो दाऊद की सम्पत्ति की देखभाल करते थे।

32 योनातान एक बुद्धिमान सलाहकार और शास्त्री था। योनातान
दाऊद का चाचा था। हक्मोन का पुत्र एहीएल राजा के पुत्रों की
देखभाल करता था। 33 अहीतोपेल राजा का सलाहकार था। हुशै
राजा का मित्र था। हुशै एरेकी लोगों में से था। 34 बाद में यहोयादा
और एब्यातार ने राजा के सलाहकार के रूप में अहीतोपेल का
स्थान लिया। यहोयादा बनायाह का पुत्र था। योआब राजा की सेना
का सेनापति था।

28

दाऊद मन्दिर की योजना बनाता है।

1 दाऊद ने इस्राएल के सभी प्रमुखों को इकट्ठा किया। उसने सभी
प्रमुखों को यरूशलेम आने का आदेश दिया। दाऊद ने परिवार
समूहों के प्रमुखों, राजा की सेवा करने वाली सेना की टुकड़ियों
के सेनापतियों, सेनाध्यक्षों, राजा और उनके पुत्रों के जानवरों तथा
सम्पत्ति की देखभाल करने वाले अधिकारियों, राजा के महत्वपूर्ण
अधिकारियों, शक्तिशाली वीरों और सभी वीर योद्धाओं को बुलाया।

2 राजा दाऊद खड़ा हुआ और कहा, "मेरे भाईयों और मेरे लोगों,
मेरी बात सुनों। मैं अपने हृदय से यहोवा के साक्षीपत्र के सन्दुक को
रखने के लिये एक स्थान बनाना चाहता हूँ। मैं एक ऐसा स्थान बनाना
चाहता हूँ जो परमेश्वर का पद पीठ बन सके और मैंने परमेश्वर के
लिये एक मन्दिर बनाने की योजना बनाई। 3 किन्तु परमेश्वर ने मुझसे
कहा, 'नहीं दाऊद तुम्हें मेरे नाम पर मन्दिर नहीं बनाना चाहिये। तुम्हें

यह नहीं करना चाहिये क्योंकि तुम एक योद्धा हो और तुमने बहुत
से व्यक्तियों को मारा है।'
4 "यहोवा इस्राएल के परमेश्वर ने इस्राएल के परिवार समूहों का
नेतृत्व करने के लिये यहूदा के परिवार समूह को चुना। तब उस
परिवार समूह में से, यहोवा ने मेरे पिता के परिवार को चुना और
उस परिवार से परमेश्वर ने मुझे सदा के लिये इस्राएल का राजा चुना।
परमेश्वर मुझे इस्राएल का राजा बनाना चाहता था। 5 यहोवा ने मुझे
बहुत से पुत्र दिये हैं और उन सारे पुत्रों में से, सुलैमान को यहोवा
ने इस्राएल का नया राजा चुना। परन्तु इस्राएल सचमुच यहोवा का
राज्य है। 6 यहोवा ने मुझसे कहा, दाऊद, तुम्हारा पुत्र सुलैमान मेरा
मन्दिर और इसके चारों ओर का क्षेत्र बनाएगा। क्यों क्योंकि मैंने
सुलैमान को अपना पुत्र चुना है और मैं उसका पिता रहूँगा।* 7 अब
सुलैमान मेरे नियमों और आदेशों का पालन कर रहा है। यदि वह
मेरे नियमों का पालन करता रहता है तो मैं सुलैमान के राज्य को
सदा के लिये शक्तिशाली बना दूँगा!"
8 दाऊद ने कहा, "अब, इस्राएल और परमेश्वर के सामने मैं तुमसे
ये बातें कहता हूँ: यहोवा अपने परमेश्वर के सभी आदेशों को मानने
में सावधान रहो! तब तुम इस अच्छे देश को अपने पास रख सकते
हो और तुम सदा के लिए इसे अपने वंशजों को दे सकते हो।
9 "और मेरे पुत्र सुलैमान, तुम अपने पिता के परमेश्वर को जानते
हो। शुद्ध हृदय से परमेश्वर की सेवा करो। परमेश्वर की सेवा करने में
अपने हृदय (मस्तिष्क) में प्रसन्न रहो। क्यों क्योंकि यहोवा जानता
है कि हर एक के हृदय (मस्तिष्क) में क्या है। हर बात जो सोचते
हो, यहोवा जानता है। यदि तुम यहोवा के पास सहायता के लिये
जाओगे, तो तुम्हें वह मिलेगी। किन्तु यदि उसको छोड़ते हो, तो
वह तुमको सदा के लिये छोड़ देगा। 10 सुलैमान, तुम्हें यह समझना

* **28:6:** मैंने … रहूँगा यह व्यक्त करता है कि परमेश्वर सुलैमान को राजा बना रहा था। देखें भजन 2:7

चाहिये कि यहोवा ने तुमको अपना पवित्र स्थान मन्दिर बनाने के
लिये चुना है। शक्तिशाली बनो और कार्य को पूरा करो।"

11 तब दाऊद ने अपने पुत्र सुलैमान को मन्दिर बनाने के लिये
योजनाएँ दीं। वे योजनाएँ मन्दिर के चारों ओर प्रवेश—कक्ष बनाने,
इसके भवन, इसके भंडार—कक्ष, इसके ऊपरी कक्ष, इसके भीतरी
कक्ष और दयापीठ के स्थान के लिये थी। 12 दाऊद ने मन्दिर के
सभी भागों के लिये योजनाएँ बनाई थी। दाऊद ने उन योजनाओं
को सुलैमान को दिया। दाऊद ने यहोवा के मन्दिर के चारों ओर
के आँगन और उसके चारों ओर के कक्षों की योजनाएँ दी। दाऊद
ने मन्दिर के भंडारकक्षकों और उन भंडारकक्षों की योजनाएँ दी
जहाँ वे उन पवित्र चीजों को रखते थे जो मन्दिर में काम आती
थीं। 13 दाऊद ने सुलैमान को, याजकों और लेवीवंशियों के समूहों
के बारे में बताया। दाऊद ने सुलैमान को यहोवा के मन्दिर में सेवा
करने के काम के बारे में और मन्दिर में काम आने वाली वस्तुओं के
बारे में बताया। 14 दाऊद ने सुलैमान को बताया कि मन्दिर में काम
आने वाली चीजों को बनाने में कितना सोना और चाँदी लगेगा।
15 सोने के दीपकों और दीपाधारों की योजनाएँ थी। और चांदी के
दीपकों और दीपाधारों की योजनाएँ थी। दाऊद ने बताया कि हर
एक दीपाधार और उसके दीपक के लिये कितनी सोने या चाँदी
का उपयोग किया जाये। विभिन्न दीपाधार, जहाँ आवश्यकता थी,
उपयोग में आने वाले थे। 16 दाऊद ने बाताया कि पवित्र रोटी के
लिये काम में आने वाली हर एक मेज के लिये कितना सोना काम
में आएगा। दाऊद ने बताया कि चाँदी की मेज़ों के लिये कितनी
चाँदी काम में आएगी। 17 दाऊद ने बताया कि कितना शुद्ध सोना,
काँटे, छिड़काव की चिलमची और घड़े बनाने में लगेगा। दाऊद
ने बताया कि हर एक चाँदी की तश्तरी में कितनी चाँदी लगेगी।
18 दाऊद ने बताया कि सुगन्धि की वेदी के लिये कितना शुद्ध सोना
लगेगा। दाऊद ने सुलैमान को परमेश्वर का रथ, यहोवा के साक्षीपत्र
के सन्दूक के ऊपर अपने पँखों को फैलाये करूब (स्वर्गदूत) के

साथ दयापीठ की योजना भी दी। करूब(स्वर्गदूत) सोने के बने थे।
19 दाऊद ने कहा, "ये सभी योजनाएँ मुझे यहोवा से मिले निर्देशों
के अनुसार बने हैं। यहोवा ने योजनाओं की हर एक चीज समझने
सहायता दी।"
20 दाऊद ने अपने पुत्र सुलैमान से यह भी कहा, "दृढ़ और वीर
बनो और इस काम को पूरा करो। डरो नहीं, क्योंकि यहोवा, मेरा
परमेश्वर तुम्हारे साथ है। वह तुम्हारी सहायता तब तक करेगा जब
तक तुम्हारा यह काम पूरा नहीं हो जता। वह तुमको छोड़ेगा नहीं।
तुम यहोवा का मन्दिर बनाओगे। 21 परमेश्वर के मन्दिर का सभी
काम करने के लिये याजकों और लेवीवंशियों के समूह तैयार हैं।
सभी कामों में तुम्हें सहायता देने के लिये कुशल कारीगर तैयैर है
जो भी तुम आदेश दोगे उसका पालन अधिकारी और सभी लोग
करेंगे।"

29

मन्दिर बनाने के लिये भेंट

1 राजा दाऊद ने वहाँ एक साथ इकट्ठे इस्राएल के सभी लोगों
से कहा, "परमेंश्वर ने मेरे पुत्र सुलैमान को चुना। सुलैमान बालक है
और वह उन सब बातों को नहीं जानता जिनकी आवश्यकता उसे
इस काम को करने के लिये है। किन्तु काम बुहत महत्वपूर्ण है। यह
भवन लोगों के लिये नहीं है अपितु यहोवा परमेश्वर के लिये है। 2 मैंने
पूरी शक्ति से अपने परमेश्वर के मन्दिर को बनाने की योजना पर काम
किया है। मैंने सोने से बनने वाली चीज़ों के लिये सोना दिया है। मैं ने
चाँदी से बनने वाली चीजों के लिए चाँदी दी है। मैंने काँसे से बनने
वाली चीजों के लिये काँसा दिया है। मैंने लोहेसे बनने वाली चीज़ों
के लिये लोहा दिया है। मैंने लकड़ी से बनने वाली चीज़ों के लिये
लकड़ी दी है। मैनें नीलमणि, रत्नजटित फलकों के लिये विभिन्न रंगों
के सभी प्रकार के बहुमूल्य रत्न और क्ष्वेत संगमरमर भी दिये हैं।
मैंने यहोवा के मन्दिर को बनाने के लिये यो चीजें अधिक और बहुत

अधिक संख्या में दी हैं। 3 मैं अपने परमेश्वर के मन्दिर के लिये सोने
और चाँदी की एक विशेष भेंट दे रहा हूँ। मैं यह इसलिये कर रहा
हूँ की मैं सचमुच अपने परमेश्वर के मन्दिर को बनाना चाहता हूँ। मैं
इस पवित्र मन्दिर को बनाने के लिये इन सब चीजों को दे रहा हूँ।
4 मैंने ओपीर से एक सौ टन शुद्ध सोना दिया है। मैंने दो सौ साठ
टन शुद्ध चाँदी दी है। चाँदी मन्दिर के भवनों की दीवारों के ऊपर
मढ़ने के लिये है। 5 मैंने सोना और चाँदी उन सब चीजों के लिये दी
हैं जो सोने और चाँदी की बनी होती हैं। मैं ने सोना और चाँदी दिया
है जिनसे कुशल कारीगर मन्दिर के लिये सभी विभिन्न प्रकार की
चीज़ें बना सकेंगे। अब ईस्राएल के लोगों आप लोगों में से कितने
आज यहोवा के लिये अपने को अर्पित करने के लिये तैयार हैं"

6 परिवारों के प्रमुख, इस्राएल के परिवार समूहों के प्रमुख,
सेनाध्याक्ष, राजा के काम करने के लिये उत्तरदायी अधिकारी, सभी
तैयार थे और उन्होंने बहुमूल्य चीजें दीं। 7 ये वे चीजें हैं जो उन्होंने
परमेश्वर के गृह के लिये दी एक सौ नब्बे टन सौना, तीन सौ पचहत्तर
टन चाँदी, छःसौ पचहत्तर टन काँसा: तीन सौ पचास टन लोहा,
8 जिन लोगों के पास कीमती रत्न थे उन्होंने यहोवा के मन्दिर के
लिये दिये। यहीएल कीमती रत्नों का रझाक बना। यहीएल गेर्शोन
के परिवार में से था। 9 लोग बहुत प्रसन्न थे क्योंकि उनके प्रमुख
उतना अधिक देने में प्रसन्न थे। प्रमुख स्वतन्त्रता पूर्वक खुले दिल
से देने में प्रसन्न थे। राजा दाऊद भी बहुत प्रसन्न था।

दाऊद की सुन्दर प्रार्थना

10 तब दाऊद ने उन लोगों के सामने, जो वहाँ एक साथ इकट्ठे थे,
यहोवा की प्रशंसा की। दाऊद ने कहाः

"यहोवा इस्राएल का परमेश्वर, हमारा पिता,
सदा—सदा के लिये तेरी स्तुति हो!
11 महानता, शक्ति, यश, विजय और प्रतिष्ठा तेरी है!

क्यों क्योंकि हर एक चीज़ धरती और आसमान की तेरी ही है!
हे यहोवा! राज्य तेरा है,
तू हर एक के ऊपर शासक है।
12 सम्पत्ति और प्रतिष्ठा तुझसे आती है।
तेरा शासन हर एक पर है।
तू शक्ति और बल अपने हाथ में रखता है!
तेरे हाथ में शक्ति है कि तू किसी को— महान और शक्तिशाली बनाता है!
13 अब, हमारे परमेश्वर हम तुझको धन्यवाद देते हैं,
और हम तेरे यशस्वी नाम की स्तुति करते हैं!
14 ये सभी चीज़ें मुझसे और मेरे लोगों से नहीं आई हैं!
ये सभी चीज़े तुझ से आई
और हमने तुझको वे चीज़े दीं जो तुझसे आई हैं।
15 हम अजनबी और यात्रियों के समान हैं! हमारे सारे पूर्वज भी अजनबी हैं, और यात्री रहे।
इस धरती पर हमारा समय जाती हुई छाया सा है
और हम इसे नहीं पकड़ सकते,
16 हे यहोवा हमारा परमेश्वर, हमने ये सभी चीज़ों तेरा मन्दिर बनाने के लिये इकट्ठी की हैं।
हम लोग तेरा मन्दिर तेरे नाम के सम्मान के लिये बनायेंगे
किन्तु ये सभी चीज़ें तुझसे आई हैं
हर चीज़ तेरी है।
17 मेरे परमेश्वर, मैं यह भी जानता हूँ तू लोगों के हृदयों की जाँच करता है,
और तू प्रसन्न होता है, यदि लोग अच्छे काम करते हैं
मैं सच्चे हृदय से ये सभी चीज़े देने
में प्रसन्न था।
अब मैने तेरे लोगों को वहाँ इकट्ठा देखा

जो ये चीज़े तुझको देने में प्रसन्न हैं।
18 हे यहोवा, तू परमेश्वर है हमारे पूर्वज
इब्राहीम, इसहाक और इस्राएल का।
कृपया तू लोगों की सहायता सही योजना बनाने में कर
उन्हें तेरे प्रति विस्वास योग्य और सच्चा होने में कर।
19 और मेरे पुत्र सुलैमान को तेरे प्रति सच्चा होने में सहायता दे
तेरे विधियों, नियमों और आदेशों को सर्वदा पालन करने में इसकी सहायता कर।
उन कामों को करने में सुलैमान की सहायता कर
और उस महल को बनाने में उसकी सहायता कर जिसकी योजना मैंने बनाई है।"

20 तब दाऊद ने वहाँ एक साथ इकट्ठे सभी समूहों के लोगों से
कहा, "अब यहोवा, अपने परमेश्वर की स्तुति करो।" अतः सब ने
यहोवा परमेश्वर, उस परमेश्वर को जिसकी उपासना उनके पूर्वजों ने
की, स्तुति की। उन्होंने यहोवा तथा राजा को सम्मान देने के लिये
धरती पर माथा टेक कर प्रणाम किया।

सुलैमान राजा होता है

21 अगले दिन लोगों ने यहोवा को बलि भेंट दी। उन्होंने यहोवा
को होमबलि दी। उन्होंने एक हजार बैल, एक हजार मेंढ़ें एक हजार
मेमनें भेंट में दिये और उन्होंने पेय– भेंट भी दी। इस्राएल के लोगों
के लिये वहाँ अनेकानेक बलिदान किये गये। 22 उस दिन लोगों ने
खाया और पिया और यहोवा वहाँ उनके साथ था।

वे बहुत प्रसन्न थे और उन्होंने दाऊद के पुत्र सुलैमान को दूसरी बार राजा* बनाया, उन्हने सुलेमान का अभिषेक राजा के रूप में किया और उहोंने सादोक का अभिषेक याजक बनाने के लिये किया। उन्होंने यह उस स्थान पर किया यहाँ यहोवा था।

* **29:22:** और … राजा बनाया सुलैमान राजा होने के लिये पहली बार तब चुना गया जब उसके सौतेला भाई अदोनिय्याह ने अपने को राजा बनाने का प्रयत्न किया। देखें 1 राजा 1:5-39

23 तब सुलैमान राजा के रूप में यहोवा के सिंहासन पर बैठा।
सुलैमान ने अपने पिता का स्थान लिया। सुलैमान बहुत सफल रहा।
इस्राएल के सभी लोग सुलैमान का आदेश मानते थे। 24 सभी प्रमुख,
सैनिक और राजा दाउद के सभी पुत्रों ने सुलैमान को राजा के रूप
में स्वीकार किया और उसकी आज्ञा का पालन किया। 25 यहोवा
ने सुलेमान को बहुत महान बनाया। इस्राएल के सभी लोग जानते
थे कि यहोवा सुलैमान को महान बना रहा है। यहोवा ने सुलैमान
को वह सम्मान दिया जो एक राजा को मिलना चाहिये। सुलैमान के
पहले इस्राएल के किसी राजा को यह सम्मान नहीं मिला।

दाऊद की मृत्यु

26-27 यिशै का पुत्र दाऊद पूरे इस्राएल पर चालीस वर्ष तक राजा
रहा। दाऊद हेब्रोन नगर में सात वर्ष तक राजा रहा। तब दाऊद
यरूशलेम में तेंतिस वर्ष तक राजा रहा। 28 दाऊद तब मरा जब वह
बूढ़ा था। दाऊद ने एक अच्छा लम्बा जीवन बिताया था। दाऊद
के पास बहुत सम्पत्ति और प्रतिष्ठा थी और दाऊद का पुत्र सुलैमान
उसके बाद राजा बना।

29 वे कार्य, जो आरम्भ से लेकर अन्त तक दाऊद ने किये, सभी
शमूएल दृष्टा की रचनाओं में और नातान नबी की रचनाओं में तथा
गाद दृष्टा की रचनाओं में लिखे हैं। 30 वे रचनायें इस्राएल के राजा
के रूप में दाऊद ने जो काम किये, उन सब की सूचना देती हैं।
वे दाऊद की शक्ति और उसके साथ जो घटा, उसके विषय में भी
बताती हैं और वे इस्राएल और उसके चारों ओर के राज्यों में जो
हुआ, उसके बारे में बताती हैं।

पवित्र बाइबल
The Holy Bible, Easy Reading Version, in Hindi

copyright © 1992-2010 World Bible Translation Center

Language: हिंदी (Hindi)

Translation by: World Bible Translation Center

License Agreement for Bible Texts World Bible Translation Center Last Updated: September 21, 2006 Copyright © 2006 by World Bible Translation Center All rights reserved. These Scriptures: • Are copyrighted by World Bible Translation Center. • Are not public domain. • May not be altered or modified in any form. • May not be sold or offered for sale in any form. • May not be used for commercial purposes (including, but not limited to, use in advertising or Web banners used for the purpose of selling online add space). • May be distributed without modification in electronic form for non-commercial use. However, they may not be hosted on any kind of server (including a Web or ftp server) without written permission. A copy of this license (without modification) must also be included. • May be quoted for any purpose, up to 1,000 verses, without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. A copyright notice must appear on the title or copyright page using this pattern: "Taken from the HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSIONTM © 2006 by World Bible Translation Center, Inc. and used by permission." If the text quoted is from one of WBTC's non-English versions, the printed title of the actual text quoted will be substituted for "HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSIONTM." The copyright notice must appear in English or be translated into another language. When quotations from WBTC's text are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials of the version (such as "ERV" for the Easy-to-Read VersionTM in English) must appear at the end of each quotation. Any use of these Scriptures other than those listed above is prohibited. For additional rights and permission for usage, such as the use of WBTC's text on a Web site, or for clarification of any of the above, please contact World Bible Translation Center in writing or by email at distribution@wbtc.com. World Bible Translation Center P.O. Box 820648 Fort Worth, Texas 76182, USA Telephone: 1-817-595-1664 Toll-Free in US: 1-888-54-BIBLE E-mail: info@wbtc.com WBTC's web site – World Bible Translation Center's web site: http://www.wbtc.org

2019-11-15

PDF generated using Haiola and XeLaTeX on 8 Sep 2021 from source files dated 18 Aug 2021

7f0fcd5b-bc85-55f6-933a-0de82e7ef275